जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, बुधवार 12 जुलाई, 2023

रियल एस्टेट इतिहास में सबसे बड़ी ख़बर

5 महीने में 25 लाख और पजेशन तक 50 लाख तक का रिटर्न

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

POSSESSION: DEC. 2025

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

1.5 गुना रिटर्न

युनिट टाइप	आज की रेट	अगस्त, 23 की रेट	सितम्बर, 23 की रेट	अक्टूबर, 23 की रेट	नवम्बर, 23 की रेट	दिसम्बर, 23 की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल
2 BHK (GF) WALK-UP अपार्टमेंट	45 लाख	47.25 लाख	49.50 लाख	51.75 लाख	54 लाख	56.25 लाख	67.50 लाख	20,000
3 BHK (SF) WALK-UP अपार्टमेंट	50 लाख	52.50 लाख	55 लाख	57.5 लाख	60 लाख	62.50 लाख	75 लाख	22,000
3 BHK (FF) WALK-UP अपार्टमेंट	55 लाख	57.75 लाख	60.5 लाख	63.25 लाख	66 लाख	68.75 लाख	82.50 लाख	25,000
3 BHK BIG कोठी	60 लाख	63.00 लाख	66 लाख	69 लाख	72 लाख	75 लाख	90 लाख	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	70 लाख	73.50 लाख	77 लाख	80.50 लाख	84 लाख	87.50 लाख	1.05 करोड़	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	1 करोड़	1.05 करोड़	1.10 करोड़	1.15 करोड़	1.20 करोड़	1.25 करोड़	1.50 करोड़	50,000

KEDIA

1800 120 2323
info@kedia.com www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

UNIVERSITY OF ENGINEERING AND MANAGEMENT

IEM | UEM GROUP Jaipur and Kolkata

Campus: 'Gurukul', Udaipuria Mod, 6 kms. from Chomu on Sikar Road, Jaipur-303807 (Rajasthan)
City Office: 210-212, 2nd Floor, Apex Tower, Lalkothi, Tonk Road, Jaipur-302015 | 0141-4063336

9887313330, 9887933330
9887413330, 9887613330

Global Ratings

QS I·GAUGE Employability Diamond | QS I·GAUGE Facilities Diamond | QS I·GAUGE Entrepreneurship Gold | QS I·GAUGE Student Diversity Gold | QS I·GAUGE Teaching & Learning Diamond

INDIA TODAY BEST COLLEGE RANKING SURVEY - 2022

SHALBY ACADEMY (A Unit of SHALBY LIMITED)

Cambridge Assessment English Authorised Centre

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग UGC (University under Section 2(f) of the UGC Act)

AICTE APPROVED

AIU MEMBER

NAAC ACCREDITED

UEM Jaipur is ranked in the Top Position (1st) in North India in 2023, under Institution's Innovation Council by Ministry of Education, Govt. of India

UEM

JAIPUR

GOOD EDUCATION, GOOD JOBS

Admissions Open 2023-24

PLACEMENTS

INR 6.5 LPA Average Annual Salary

INR 72 LPA Highest Annual Salary

1963 + No. of Students

2894 + No. of Job Offers

550 + No. of Companies

MORE THAN ₹ 5 CRORES WORTH SCHOLARSHIPS PROVIDED TO THE MERITORIOUS STUDENTS

MORE THAN 8000+ CERTIFICATION FROM FOREIGN UNIVERSITIES

HARVARD BUSINESS SCHOOL | edX | coursera

FOREIGN UNIVERSITY COLLABORATIONS

UNLV | RENNES | GIIM | Brunel University London | RICHARD A. CHAIFETZ SCHOOL OF BUSINESS SAINT LOUIS UNIVERSITY

B.TECH
M.TECH

Computer Science & Engineering |
Electronics & Communication Engineering |
Electrical Engineering | Civil Engineering |
Mechanical Engineering
Artificial Intelligence (A.I.) & Machine Learning (M.L.)

BBA, MBA
MBA Executive
MBA Hospital & Healthcare Management
BCA, MCA
BPT, MPT
Ph.D

Computer Science & Engineering |
Electrical Engineering | Civil Engineering |
Electronics & Communication Engineering |
Mechanical Engineering | Management | Physics |
Chemistry | Mathematics | Humanities | English |

★ ★ ★ ★ ★

One of the Best Placement Records of the Country - Placement at UEM Jaipur continues till the last willing student is placed

ACADEMIC

- Industrial exposure
- Excellent classrooms and lecture theatres
- Modern Library with 24,000 + books
- Laboratories with cutting-edge technology
- Wifi Campus/Internet Labs

INFRASTRUCTURE

- Over 32 acres of lush green campus
- 300- capacity acoustically designed auditorium
- Multi Cuisine food courts, cafeteria and central mess
- Gymnasium, playground & sports facilities for healthy lifestyle

PARTICIPATE IN OFFLINE IEMJEE 2023 EXAM TO AVAIL EXCELLENT SCHOLARSHIPS

Admission Helplines: 98873-13330, 98874-13330, 98876-13330, 98879-33330

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

Grass Hills, Elephants, Me And Friends The elephants walk in single file, each holding the tail of the one before it, the one behind gives the one ahead a push if needed.

The Axial Age

Technology: Making A Difference! Wondering about the next innovation that will capture our imagination?

"अमृत काल" अब "कर्तव्य काल" बना

2004 के चुनाव में भाजपा का "इण्डिया शाइनिंग" का नारा फेल हो गया था, अतः एहतियात बरतते हुए, प्र.मंत्री मोदी ने 2024 के चुनाव में "अमृत काल" के नारे को बदल कर "कर्तव्य काल" के रूप में प्रस्तुत किया है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जुलाई। भाजपा इस समय स्लोगन- अभियान में संशोधन कर रही है और "अमृत काल" (आजादी के अगले 25 साल के संदर्भ में) को नया नाम "कर्तव्य काल" दे दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह कहते हुये उद्धृत किया गया है: "आजादी के अगले 25 साल हमारा "कर्तव्य काल" होंगे। आजादी के 100 साल के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुये, हमने हमारे "अमृत काल" को "कर्तव्य काल" नाम दे दिया है।"

- 2004 में अप्रत्याशित रूप से भाजपा हार गई थी, तथा कांग्रेस ने केन्द्र में सरकार बनायी थी।
- भाजपा के "इण्डिया शाइनिंग" नारे को शहरी इलाकों में तो कुछ समर्थन मिला, पर, ग्रामीण जनता इस अति आशावादी नारे से अछूती रही थी।
- भाजपा के "शाइनिंग इण्डिया" के जवाब में कांग्रेस ने सीधा-साधा नारा दिया थाः "भारत निर्माण"।
- भाजपा 2004 की गल्तियाँ दोहराना नहीं चाहती इस बार, अतः चुनाव से पूर्व नारा बदला है।
- साथ ही भाजपा अध्यक्ष नड्डा के कटाक्ष, "राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान नहीं" बल्कि, नफरत का मेगा शापिंग मॉल खोल रहे हैं, को भाजपा विचारक खास पसंद नहीं कर रहे, क्योंकि नड्डा के कटाक्ष से राहुल के नारे की बेवजह याद ताजा हो जाती है।
- अमृत काल से "इण्डिया शाइनिंग" की भांति मैसेज जाता है कि, विकास की स्थिति देश ने पा ली है और "कर्तव्य काल", भारतीय नागरिकों को विकास की ओर अग्रसर होने के लिये, कर्तव्य करने को प्रेरित करता है।

"अमृत काल" के नारे का उपयोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबसे पहले 75 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान उस समय किया था, जब उन्होंने अगले 2 वर्षों के लिये देश की नई रुपरेखा का अनावरण किया था।

इसलिये प्रश्न यह है - भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिये अपने प्रचार के मुख्य स्लोगन का नाम बदलने का निर्णय क्यों लिया है।

जाहिर है, पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के "इंडिया शाइनिंग" नारे की असफलता का पार्टी के वर्तमान नेतृत्व के मन पर भारी दबाव है। "इंडिया शाइनिंग" नारे के प्रति शहरी क्षेत्रों में तो कुछ मात्रा में झुकाव था लेकिन यह ग्रामीण क्षेत्र के मन के तारों का झंकृत नहीं कर पाया था और इस प्रकार 2004 में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए की अप्रत्याशित जीत का मार्ग प्रशस्त हो गया था। कांग्रेस उस समय "भारत - निर्माण" का बड़ा सीधा-सादा नारा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रोचक चर्चा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जुलाई। अशोक गहलोत सरकार में मंत्रियों का एक ऐसा ग्रुप है, जिसने बहुत पैसा कमाया है।

ये मंत्रीगण मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नज़दीक हैं तथा इन्हें सौदेबाजी करने तथा पैसा बनाने का खुला लाइसेंस मिला हुआ है।

- 'आप हमें विधानसभा चुनाव में ज्यादा ना उघाड़ें, हम आपकी लोकसभा चुनाव में पूरी मदद करेंगे'

वरिष्ठ नौकरशाहों, जिनमें से कई तो इन मंत्रियों से भी ज्यादा भ्रष्ट हैं, के साथ इनकी मिली भगत है।

मंत्रियों और अफसरशाही ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्कूली छात्राओं पर हमला

मांडलगढ़ 11 जुलाई (निस)। उपखण्ड के महुआ गांव में मंगलवार को राजकीय महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं

- मांडलगढ़ के महुआ गांव में कुछ शरारती तत्वों ने स्कूली छात्राओं पर चाकू, पत्थर व ज्वलनशील पदार्थ फेंका। इससे चार छात्राएं घायल हो गईं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शरद पवार व अजीत पवार आमने-सामने होंगे मोदी के समक्ष

मौका होगा, पुणे में प्र.मंत्री मोदी को लोकमान्य तिलक अवॉर्ड से सम्मानित करने का तथा शरद पवार, मुख्य अतिथि होंगे इस समारोह में और अजीत पवार संभावित अतिथि

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जुलाई। एन.सी.पी. के संस्थापक और पार्टी के वरिष्ठतम नेता शरद पवार अपने विद्रोही भतीजे और लंबे राजनैतिक सफर के साथी अजीत पवार से 1 अगस्त को आमने-सामने होंगे, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार दिया जाएगा।

आमतौर पर यह अवसर शर्मिंदा करने वाला हो सकता है, लेकिन आज की राजनीति में कुछ भी संभव है इसलिए आयोजकों ने शरद पवार को मुख्य अतिथि बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी को इस पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है जिसमें एक स्मृति चिन्ह, एक स्मृति पत्र दिया जाएगा, उनके कुशल नेतृत्व तथा नागरिकों में देशभक्ति जगाने के लिए।

आयोजकों ने कहा कि शरद पवार को मुख्य अतिथि बनाया गया है जबकि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार केवल आमंत्रित हैं।

ट्रस्ट के अध्यक्ष दीपक तिलक ने एक विज्ञप्ति में कहा, "तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट (हिंद स्वराज संघ) 1 अगस्त को लोकमान्य तिलक की 103वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करेगा।"

- अन्य आमंत्रित अतिथि हैं, महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, मु.मंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नविस व अजीत पवार।

ऐसा कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के विचार और नेतृत्व के कारण भारत विकास की सीढ़ियाँ चढ़ा।

विज्ञप्ति में कहा गया, "प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों में देशप्रेम की भावना जगाई और भारत को विश्व के नक्शे तक पहुँचाया। उनके प्रयासों को देखते हुए तिलक स्मारक मंदिर के ट्रस्टियों ने एकमत से उनको सुना।

अन्य आमंत्रितों में शामिल हैं महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस और अजीत पवार।

ज्ञातव्य है कि राज्य की राजनीति में भूचाल लाते हुए अजीत पवार और एन.सी.पी. के आठ विधायक 2 जुलाई को शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल हो गए।

अजीत पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली, उसके बाद शरद पवार ने प्रधानमंत्री मोदी को एन.सी.पी. नेताओं के भ्रष्टाचार के उनके हाल के बयान याद दिलाए और दोषियों पर कार्यवाही की मांग की।

शरद पवार ने कहा, "ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री ने एन.सी.पी. और उन सब को दोषमुक्त कर दिया है जिन पर उन्होंने आरोप लगाए थे। मुझे आज खुशी है कि उन्होंने एन.सी.पी. के कुछ साथियों को मंत्री पद दिया। इससे साबित होता है कि भ्रष्टाचार के आरोप तथ्यात्मक नहीं थे। मैं इसके लिए प्रधानमंत्री का आभारी हूँ।"

27 जून को भोपाल में भाजपा के बूथ स्तर कार्यकर्ताओं से बातचीत करते हुए मोदी ने कहा था कि एन.सी.पी. के खिलाफ करीब 70 हजार करोड़ रूपए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खेतड़ी ट्रस्ट को मिली खेतड़ी के पूर्व राजा की सम्पत्ति

जयपुर, 11 जुलाई (का.सं.)। दिल्ली हाईकोर्ट ने खेतड़ी राजघराने के पूर्व राजा राय बहादुर सरदार सिंह के जयपुर के चांदपोल बाजार स्थित खेतड़ी हाउस सहित करीब 2500 करोड़ रुपए की संपत्तियों के वसीयत के विवाद में खेतड़ी ट्रस्ट के पक्ष में फैसला दिया है। इसके साथ ही वसीयत की प्रोबेट ट्रस्ट के पक्ष में जारी करने को कहा है। खंडपीठ ने एकलपीठ के 3 जुलाई, 2012 के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें एकलपीठ ने पूर्व राजा की वसीयत पर संदेह पैदा करते हुए ट्रस्ट के पक्ष में प्रोबेट जारी करने से इनकार कर दिया था। जस्टिस नाजमी वजीरी और जस्टिस

- दिल्ली हाई कोर्ट ने माना है कि, खेतड़ी के पूर्व राजा रायबहादुर सरदारसिंह के जयपुर के खेतड़ी हाउस सहित 2500 करोड़ रूपए की सम्पत्ति खेतड़ी ट्रस्ट की है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बैंगलुरु में पूर्व कर्मचारी ने एम.डी. और सी.ई.ओ. को तलवार से मौत के घाट उतारा

घटना के वक्त इस सॉफ्टवेयर कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सी.ई.ओ. दोनों ऑफिस में ही थे, नौकरी छोड़ने के बाद आरोपी खुद का बिजनेस कर रहा था

बैंगलुरु, 11 जुलाई। कर्नाटक की राजधानी बैंगलुरु में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां पर एक सॉफ्टवेयर-टेक कंपनी के पूर्व कर्मचारी ने कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर (एम.डी.) और चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर (सी.ई.ओ.) को तलवार से मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस ने बताया कि, यह घटना उस वक्त हुई जब मैनेजिंग डायरेक्टर और सी.ई.ओ. दोनों ऑफिस में थे। दोनों की इलाज के लिए अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में मौत हो गई। वहीं, आरोपी पूर्व कर्मचारी फरार है। बताया जाता है कि आरोपी भी सॉफ्टवेयर से संबंधित बिजनेस ही चला रहा था। मारे गए दोनों शख्स उसके बिजनेस में हस्तक्षेप कर रहे थे।

- खबरों के मुताबिक, आरोपी भी अपना खुद का सॉफ्टवेयर बिजनेस चला रहा था। मारे गए दोनों शख्स उसके बिजनेस में हस्तक्षेप कर रहे थे।
- एम.डी. और सी.ई.ओ. दोनों की इलाज के लिए अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में मौत हो गई।
- आरोपी के मन में कंपनी के एम.डी फणीन्द्र को लेकर काफी ज्यादा गुस्सा था। यह गुस्सा इसलिए था, क्योंकि फणीन्द्र अक्सर उसके कामकाज में हस्तक्षेप किया करता था।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि, आरोपी फेलिक्स एयरोनिक्स कंपनी का पूर्व कर्मचारी था। नौकरी छोड़ने के बाद उसने अपना बिजनेस शुरू किया था। बताया जाता है कि आरोपी के मन में एयरोनिक्स कंपनी के एम.डी. फणीन्द्र को लेकर काफी ज्यादा गुस्सा था। यह गुस्सा इसलिए था क्योंकि फणीन्द्र अक्सर उसके कामकाज को लेकर सवाल उठाया करता था। मंगलवार शाम करीब चार बजे आरोपी हाथ में तलवार और चाकू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गोल्डमैन सैक्स ने फिर अपनी आर्थिक भविष्यवाणी से चकरा दिया

गोल्डमैन सैक्स अनुसार 2075 में भारत विश्व में दूसरे नम्बर पर होगा, इकॉनमी की दृष्टि से

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जुलाई। गोल्डमैन सैक्स फिर से अर्थव्यवस्थाओं के तुलनात्मक आंकलन में लगी है और अगले करीब पचास साल के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था का पूर्वानुमान लगा रही है।

इस वैश्विक निवेश बैंक के नवीतनतम अनुमान भारत के लिए एक बहुत सुखद भविष्य बता रहे हैं। यह 2075 तक विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी और जी.डी.पी. का आकार 52.5 ट्रिलियन डॉलर होना चाहिए।

सबसे ऊपर चीन होगा 57 ट्रिलियन डॉलर के साथ और आज की विशालतम अर्थव्यवस्था अमेरिका, 51.7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होगा।

- सैक्स के अनुसार 2075 में भारत की इकॉनमी 52.5 ट्रिलियन होगी, तथा चीन नम्बर एक पर होगा और उनकी इकॉनमी का साइज़ 57 ट्रिलियन डॉलर होगा। अमेरिका की इकॉनमी 51.7 ट्रिलियन डॉलर की होगी, तथा अमेरिका की पोज़ीशन नम्बर तीन होगी।
- सैक्स ने लगभग एक दशक पूर्व भी ऐसी ही भविष्यवाणी की थी, जिसके अनुसार चार देश, ब्राजील, रूस, इण्डिया व चीन भविष्य इकॉनमी दृष्टि से "जाएन्ट" बनेंगे।
- भारत व चीन तो, भविष्यवाणी के अनुरूप, आगे बढ़े और बढ़ते जा रहे हैं, पर, रूस और ब्राज़ील पिछड़ गये और, संभावनाओं के साथ न्याय नहीं कर सके।

जब गोल्डमैन पहली बार पूर्वानुमान के व्यापार में उतरी तो उसने चार देश बताए थे जो भविष्य में विशाल होंगे- ब्राजील, रूस, भारत और चीन। बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हो गया और चार देशों का यह संगठन यह ब्रिक से ब्रिक्स बन गया।

यह एक दशक से पुरानी बात है और अब वह संभवतः पुनरावलोकन कर रहा है लेकिन आज की स्थिति में पांच में से केवल दो, भारत और चीन ही गोल्डमैन के आशावाद के अनुरूप हैं। भारत और चीन महानता के रास्ते पर हैं जबकि अन्य देश फिसल गए हैं।

सबसे बड़ी निराशा रूस से हुई है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

उदय होते समय सूर्य लाल होता है और अस्त होते समय भी। इसी प्रकार संपत्ति और विपत्ति के समय महान पुरुषों में एकरूपता होती है।

–कालिदास

चिकित्सा प्रशिक्षण में एमसीआई की महत्वपूर्ण पहल

एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) ने बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है जो तत्काल प्रभाव से लागू भी हो गया है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के 'द अन्डर ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड' ने स्नातक चिकित्सा शिक्षा नियम 2023 जारी किए हैं जो शिक्षा सत्र 2023–24 से लागू होंगे। इसमें पहले तीन सालों के लिए लक्ष्य निर्धारित होंगे। इस नए परिवर्तन के अनुसार भारत में सभी एमबीबीएस छात्रों को दाखिले के पहले दिन से ही अपने चिकित्सा प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में एक परिवार को गोद लेना होगा। इस अभूतपूर्व पहल का उद्देश्य छात्रों को रोगी के स्वास्थ्य पर प्रभाव डालने वाले सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारकों की व्यापक समझ प्रदान करना बताया गया है। एमबीबीएस पाठ्यक्रम के अनिवार्य घटक के रूप में परिवार गोद लेने की व्यवस्था शुरू करने का निर्णय इस मान्यता से उपजा है कि स्वास्थ्य की देखभाल अस्पतालों और क्लीनिकों की सीमा से परे भी फैली हुई है। छात्रों को परिवारों के साथ संबंध स्थापित करने की चिकित्सा शिक्षा में व्यवस्था करके देश में रोगी की देखभाल के लिए भावी चिकित्सकों को एक समग्र दृष्टिकोण देने की यह पहल की गई है। नए दिशानिर्देशों के तहत, प्रत्येक एमबीबीएस छात्र को एक परिवार सौंपा जाएगा जिसके साथ वे अपने चिकित्सा प्रशिक्षण के दौरान दीर्घकालिक संबंध विकसित करेंगे। छात्र उस परिवार के चिकित्सा इतिहास और उसकी सामाजिक व आर्थिक स्थितियों को ही नहीं समझ पाएंगे बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं तक उन परिवारों के सदस्यों की पहुंच में आने वाली किसी भी चुनौती को समझने के लिए भी तैयार होंगे। छात्रों को यह अनुभव देने का उद्देश्य उनके नैदानिक कौशल को बढ़ाना और रोगी के संदर्भ के बारे में उनकी समझ को गहरा करना है। देश भर के मेडिकल कॉलेज इस परिवर्तनकारी बदलाव को लागू करने के लिए कमर कस रहे हैं, जिससे अनेकों को भारत में चिकित्सा शिक्षा में क्रांति आने की उम्मीद है। हालांकि इस पर संदेह करने वाले भी कम नहीं हैं। एमसीआई का मानना है कि नई व्यवस्था से एमबीबीएस पाठ्यक्रम के छात्र स्वास्थ्य देखभाल पर विभिन्न सामाजिक निर्धारकों के परिणामों को प्रत्यक्ष देख सकेंगे। उनकी अनुभवात्मक शिक्षा उन्हें मूल्यवान अंतर्दृष्टि देगी जिससे उन्हें और अधिक सहानुभूति वाले बेहतर चिकित्सक बनने में मदद करेगी। इस व्यवस्था के समर्थकों का मानना है कि परिवार गोद लेने का कार्यक्रम सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाट देगा, जिससे स्वास्थ्य देखभाल अधिक रोगी–केंद्रित हो सकेगी। दूसरी ओर, इस व्यवस्था के आलोचक समय, संसाधनों के प्रबंधन, और छात्र–पारिवारिक संबंधों को बनाए रखने में आने वाली संभावित चुनौतियों का हवाला देते हुए, इस तरह के कार्यक्रम को बड़े पैमाने पर लागू करने की व्यवहार्यता पर प्रश्न उठाते हैं। इन आशंकाओं के चलते चिकित्सा शिक्षा के लिए इस नवीन प्रयोग के शुरुआती परिणामों का सभी को इंतजार रहेगा। कहा जा रहा है कि इसके सफल होने पर अपने चिकित्सा पाठ्यक्रम में समग्र रोगी देखभाल को शामिल करने के इच्छुक अन्य देशों के लिए परिवार गोद लेने की यह भारतीय पहल एक प्रतिमान प्रस्तुत कर सकती है। हालांकि कठोर एमबीबीएस पाठ्यक्रम के साथ इसका प्रबंध करना चुनौतीपूर्ण होगा।

चिकित्सा शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी से छात्रों को जनता की जीवन स्थितियों का पता चलता है तथा ये परिस्थितियां किस प्रकार आम लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं, उसकी भी समझ उनमें बनती है। मेडिकल छात्रों का अस्पतालों में मरीजों के रूप में जिन लोगों का सामना होता है उनके असली जीवन के हालात का सीधा अनुभव उन्हें सामुदायिक सहभागिता देती है। इससे छात्र यह भी समझ पाते हैं कि स्वास्थ्य के विभिन्न निर्धारक वास्तविक जीवन में रोगियों को कैसे प्रभावित करते हैं। चिकित्सा प्रशिक्षण में नए प्रयोग का दोहरा फायदा होगा। एक तरफ सामुदायिक जुड़ाव मेडिकल छात्रों को चिकित्सा की विशिष्टता देगा तो दूसरी तरफ उनके चिकित्सा संस्थानों की सेवाओं का लाभ भी लोगों के द्वार तक पहुंचेगा। मेडिकल छात्र से अपेक्षा की जाएगी कि वह जिस परिवार से जुड़े, उसके सदस्यों के स्वास्थ्य को समझे तथा संबंधित परिवार के स्वास्थ्य की देखभाल को बेहतर बनाने में मदद करे जिससे अंततोगत्वा समुदाय के स्वास्थ्य की देखभाल सुनिश्चित हो सके। इस व्यवस्था से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज हासिल करने में भी मदद मिलने की अपेक्षा की जा सकती है। यह नई व्यवस्था अपनी चुनौतियां और अवसर दोनों साथ ले कर आई है। इसमें कोई शक नहीं कि प्रत्येक छात्र को परिवार आवंटित करके और पूरे स्नातक अवधि में लगातार संपर्क को बनाए रखते हुए इस कार्यक्रम को लागू करना एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। इसके लिए नई व्यवस्था के कार्यान्वयन के प्रारंभिक चरण में कुछ चयनित संस्थानों में फीडबैक प्राप्त करना आवश्यक होगा जिससे कि संस्थानों की समुदायों तक पहुंच बनाने की व्यवस्थाओं का मूल्यांकन हो सके और उनके नतीजों से अन्य भी सीख सके। माना जा रहा है कि इस नई व्यवस्था का चिकित्सा शिक्षा पर कई मायनों में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जैसे कि संपन्न वर्ग के छात्रों के लिए यह इसलिए उपयोगी होगा, क्योंकि वे जिस वर्ग से आते हैं उन्हें सामान्य मरीजों की पृष्ठभूमि के बारे में कोई जानकारी नहीं होती है। प्रत्येक छात्र को इस बारे में सोचेगा पड़ेगा कि वह मरीजों की सभी बाधाओं के संदर्भ में, उनकी सर्वोत्तम सहायता कैसे कर सकता है! नई व्यवस्था से छात्रों का अपने लोगों और अपने देश के लिए कुछ करने का जज्बा भी पैदा होगा जो उन्हें आमजन की सेवा के लिए प्रेरित करेगा। केवल यह सीखने के साथ कि परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण विषय क्या हैं, छात्र यह भी जानेंगे और सीखेंगे कि वास्तव में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्याएं क्या हैं? भावी चिकित्सक प्रत्यक्ष जान पाएंगे कि आम जनता में स्वास्थ्य को लेकर कैसी भ्रांतियां बनी हुई हैं। ऐसे हालात में वे खुद कितने प्रासंगिक बन सकते हैं और लोगों के स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित कर पाते हैं यह देखना दिलचस्प होगा।

नई व्यवस्था का चिकित्सा शिक्षा पर कई मायनों में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जैसे कि संपन्न वर्ग के छात्रों के लिए यह इसलिए उपयोगी होगा, क्योंकि वे जिस वर्ग से आते हैं उन्हें सामान्य मरीजों की पृष्ठभूमि के बारे में कोई जानकारी नहीं होती है। प्रत्येक छात्र को इस बारे में सोचेगा पड़ेगा कि वह मरीजों की सभी बाधाओं के संदर्भ में, उनकी सर्वोत्तम सहायता कैसे कर सकता है!

अस्पताल का माहौल अलग होता है। वहां संचार एक डॉक्टर द्वारा नियंत्रित होता है और आम तौर पर वातावरण स्वाभाविक ही बहुत तनावपूर्ण रहता है। वहां केवल जरूरी बातें की जाती हैं। मगर गोद लिए परिवार में किसी भी विषय पर बात हो सकती है, यहां तक कि पड़ोसियों के स्वास्थ्य के बारे में भी गपशप संभव है। इससे चिकित्सा विद्यार्थी को तो लाभ होगा किन्तु कुछ लोग ऐसा भी सोचते हैं कि गोद लिए परिवार को शायद बहुत लाभ न हो क्योंकि विद्यार्थियों के पास बहुत सीमित ज्ञान होता है। इसलिए बहुतों को नहीं लगता कि इससे समुदाय को या सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की उपलब्धि प्राप्त करने में बड़ी मदद मिलेगी। यदि परिवार के पास पहले से ही कोई विश्वसनीय डॉक्टर है, तो वे मेडिकल छात्र पर ध्यान नहीं देंगे। इस सच्चाई से इन्कार नहीं किया जा सकता कि देश में हेल्थकेयर कवरेज तेजी से बढ़ा है। ऐसी हालत में मध्यम वर्ग में तो हर कोई किसी न किसी डॉक्टर को जानता है। फिर भी ग्रामीण इलाकों में या कमजोर तबकों में यह व्यवस्था मूल्यवान साबित हो सकती है। इसे हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के लिए एक नया चलन स्थापित करने के अवसर के रूप में भी देखा जा सकता है। इससे फैमिली डॉक्टर सिस्टम शायद वापस आ पाये और लोग सीधे ही विशेषज्ञों के पास भागना छोड़े। इस व्यवस्था के लिए संसाधनों की बात भी आएगी और चिकित्सा शिक्षा ले रहे छात्रों के परिवारों के साथ हेल–मेल से दोनों का एक–दूसरे पर क्या प्रभाव पड़ेगा यह भी भविष्य के गर्भ में है। चिकित्सा विद्यालयों में अब छात्रों की भर्ती का जो तरीका है उसमें उनको ऐसे राज्यों या इलाकों में सीट आवंटित हो सकती है जो उनकी अपनी भाषा वाली नहीं है। विद्यालय में तो अंग्रेजी में पढ़ाई हो जाती है, मगर छात्र जब उन इलाकों के परिवारों के साथ जुड़ेंगे तब भाषा की कठिनाई भी आएगी। यह भी सवाल पूछा जा रहा है कि स्कूलों से निकल कर एमबीबीएस के प्रथम वर्ष में भर्ती हुए किशोरों को मैदान में भेजा जाएगा तो क्या वे जिम्मेवारी संभाल पाएंगे? उन्हें अभी एक डॉक्टर होने का एहसास नहीं हुआ है। ऐसे में वे जनता का विश्वास कैसे जीत पाएंगे? नई व्यवस्था पर सवाल उठाने वालों का कहना है कि अगर छात्र सीखने जाएंगे तो इससे कोई फायदा नहीं होने वाला। यह ऐसा ही है जैसे किसी एनसीसी के कैडेट को युद्ध के मोर्चे पर भेज दिया जाय। दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि चिकित्सा छात्रों के लिए सत्र का पहला दिन ही वह धारणा बनाने का सही समय होता है जिससे उन्हें अपने पूरे जीवन में निपटना है। चिकित्सा विज्ञान का जो ज्ञान छात्र हासिल करता है उसे नई व्यवस्था प्रासंगिक बनायेगी। नई व्यवस्था के समर्थक उचित ही कहते हैं कि जब चिकित्सा के छात्रों का प्रारंभिक क्लिनिकल एक्सपोज़र पहले वर्ष से ही होता है तब उन्हें प्रारंभिक सामुदायिक एक्सपोज़र क्यों नहीं दिया जा सकता? किन्तु नई व्यवस्था की सफलता के लिए मेडिकल कॉलेजों के संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित किया जाना होगा ताकि वे छात्रों को पारिवारों को गोद लेने की प्रक्रिया को सहज लागू कर सकें और उनका उचित मार्गदर्शन कर सकें। भारतीय चिकित्सा परिषद् (एमसीआई) को इस नए पाठ्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए इसकी प्रगति और प्रभावशीलता की बारीकी से सतत निगरानी करनी होगी तथा यह सुनिश्चित करना होगा कि नई व्यवस्था कर्मकांड बन कर न रह जाय।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

उदयपुर जिले में कथौड़ी जनजाति के एक हजार तीन सौ पचास परिवार निवास करते हैं

पन्नालाल मेघवाल

वर्तमान में उदयपुर जिले की झाडोल एवं कोटडा तहसील के विभिन्न 28 गांवों में 1 हजार 350 परिवार निवास करते हैं। झाड़ोल तहसील के ओगणा में 180, कुकड़ा खेड़ा में 150, समीजा में 250, हथनी (पडावली कलां के पास) 50, कालिया घाटी 20, बिरोटी में 45, देवनवाड़ा (बिरोटी से ऊपर) 25, खराड़ी फला (नया गांव के ऊपर) 40, गामडी 15, जाड़ा पीपला 25, पानरवा 20, गुराड़ 100, सुरीमाला 50, काडा 50, हेवड़ा 5, मांडवा 10, केऊड़ी 15, जाड़ा आंकला 20, डैय्या 35, बूझा 100, अंबासा 25 एवं अंबावी में 30 परिवार निवास करते हैं। कोटडा तहसील के बेड़ादर में 10, लाडन (जुड़ा के पास) 40, कऊचा 5, तलई (मेरपुर से आगे) 20, धनुधर (कागवास के पास) 15 परिवार निवास करते हैं।

झाडोल तहसील के ओगणा गांव में 180 परिवार निवास करते हैं। यहां पर अधिकांश परिवार एक कमरा और बरामदे वाले पक्के घरों में रहते हैं। सरकार ने इन्हें पक्के घर इंदिरा आवास योजना एवं स्वच्छ परियोजना के तहत निर्मित कर उपलब्ध कराए हैं। सरकार की ओर से यहां मां–बाड़ी एवं आंगनबाड़ी संचालित है।

यहां से दस लोगों ने स्नातक तक शिक्षा ग्रहण की है। श्री सोहनलाल नायक यहां के मुखिया हैं। सोहनलाल ने स्नातक तक शिक्षा ग्रहण की है। वे ओगणा के उप सरपंच रह चुके हैं। उनका राजनीति में वर्चस्व है। उनके पिता श्री गणेशलाल नायक किराना की दुकान चलाते हैं। यहां के तीन परिवार व्यवसाय करते हैं। यहां के परिवारों का जीवन कृषि मजदूरी, लकड़ी के कोयले बनाना, बांस काटना आदि जंगलात के कामों पर निर्भर है।

कूकराखेड़ा गांव में 150 परिवार निवास करते हैं। यहां के मुखिया श्री कागूराम नायक है। यह दसवीं तक पढ़े लिखे हैं। इनके दो पुत्र एवं दो पुत्रियां हैं। सभी पढ़े लिखे हैं। यहां के पांच लोग स्नातक एवं पन्द्रह लोग बारहवीं तक पढ़े–लिखे हैं। यहां संचालित मां–बाडी में तीस बच्चे पढ़ते हैं। यहां के लोग कोयला बनाने के लिए जोधपुर, पाली एवं सिरोही जाते हैं। कुछ परिवार वन विभाग द्वारा लगाए जाने वाले पेड़ों के लिए खड्डा खोदने एवं वन विभाग की दीवार बनाने के कार्य में भी जुटे हुए हैं।

समीजा में 250 परिवार निवास करते हैं। यहां के अधिकांश परिवार आंवला प्रोसेसिंग कार्य में जुटे हुए हैं। यहां पर आंवले की एक बाडी है। इस बाडी में 200 आंवले के पेड़ हैं। यहां के परिवार इस बाडी से आंवले एकत्रित कर अपने घरों में लाते हैं। इन आंवलों को पानी में उबाल कर सुखा देते हैं। सूखे हुए आंवलों को बाजार में बेच देते हैं। यहां के परिवारों का जीवन यापन आंवला प्रोसेसिंग कार्य पर निर्भर है। पडावली के पास हथनी, कालिया घाटी, बिरोटी, देवनवाड़ा, खराड़ी फला, गामडी एवं जाडा पीपला परिवारों का जीवन यापन कोयला बनाने, लकड़ी और बांस काटने, खेती मजदूरी, मकानों में काम करने एवं लघु वन उपज पर निर्भर है।

गुराड़ गांव में 100 परिवार निवास करते हैं। सन् 1960 के दशक में महाराष्ट्र से नागजी, कासू, रामा, माहरु, गाऊ एवं सईलू आदि 6–7 परिवार गुराड़ में बसे थे। अब यहां 100 परिवारों की बस्ती हो गई है। अब कथौड़ी जनजाति के लोग पढ़ने लगे हैं। यहां से सीला पत्नी सज्जू नायक स्नातक है। मुन्नी पत्नी संजू दसवीं पास है। ये दोनों काडा मां–बाड़ी में अध्यापिकाएं हैं। काडा एवं सूरीमाला में 50–50 परिवार निवास करते हैं। यहां के अधिकांश लोग गुजरात, जालौर, सिरोही, पिंडवाड़ा क्षेत्रों में कोयला बनाने के कार्य में लगे हुए हैं। कोयला ठेकेदार के एजेंट उन्हें मजदूरी पर ले जाते हैं। ये लोग वहां बबूल की लकड़ी काटते हैं और भट्टी लगाकर कोयला बनाते हैं।

पानरवा, हेवड़ा, मांडवा, केऊड़ी, जाडा–आंकला, डैय्या, बुझा, अंबासा एवं अंबावी में निवास करने वाले परिवारों में से कुछ परिवार खेती–बाड़ी करते हैं। ये परिवार बकरियां और मुर्गियां रखते हैं। बाकी अधिकांश परिवारों का जीवन खेती में मजदूरी करने और लघु वन उपज पर निर्भर है।

कोटडा तहसील के बेडादर, लाडन, कऊचा, तलाई एवं धनुधर के परिवार बांस के हस्त उद्योग में संलग्न है। ये परिवार डागले (मचान) पर मक्का सुखाने के लिए बांस का टाटा बनाते हैं। झोपड़ी में लगाने के लिए बांस के दरवाजे, टोपले, टोपली, अनाज साफ करने के लिए सूपड़ा बनाते हैं। मछली पकड़ने के लिए बांस के पिंजरे बनाते हैं। बिछाने के लिए खजूर के पत्तों की दरियां बनाते हैं। इन परिवारों का जीवन जंगल से लकड़ियां एवं बांस काटने तथा लघु वन उपज पर आधारित है।

–पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार

गीतांजलि यूनिवर्सिटी में दीक्षान्त समारोह–2023 आयोजित

- **डॉ. सुनंदा गुप्ता, डॉ. ए.के. गुप्ता एवं डॉ. अब्बास अली सैफी को उनके चिकित्सा क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया**
- **एम.बी.बी.एस, फार्मेसी, नर्सिंग, डेंटल, फिजियोथेरेपी के 42 गोल्ड मेडल्स एवं 511 ग्रेजुएट्स, पोस्ट ग्रेजुएट व पी.एच.डी विद्यर्थियों को डिग्रीयां प्रदान की गई**

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली यूनिवर्सिटी द्वारा दीक्षान्त समारोह–2023 का आयोजन यूनिवर्सिटी के स्व. नर्मदा देवी अग्रवाल ऑडिटोरियम में किया गया। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, विशिष्ट अतिथि पूर्व एम्स डायरेक्टर पदम् डॉ. रणदीप गुलेरिया, गीतांजली ग्रुप के चेयरमैन व गीतांजली यूनिवर्सिटी के चांसलर जे.पी अग्रवाल रहे।

एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल ने बताया कि राजनीति के क्षेत्र में भारतीय लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की समर्पण और योगदान, उनके नेतृत्व कौशल और सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें अपने साथियों और घटकों के बीच सम्मान और मान्यता दिलाई है। लोकसभा अध्यक्ष के रूप में, वह भारत के संसदीय लोकतंत्र के कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। अंकित ने पदम् डॉ. रणदीप गुलेरिया की सराहना करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के बाद से डॉ. रणदीप गुलेरिया हर घर में जाना–पहचाना चेहरा हैं। वह कोविड समय के दौरान नीतियों और क्लिनिकल प्रोटोकॉल के वास्तुकारहैं। भारत के कोविड–19 प्रतिक्रिया प्रयास का एक हिस्सा है। हम उनके आभारी हैं आम जनता के साथ–साथ चिकित्सा कर्मियों को उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए मार्गदर्शन किया। वह इसके लिए भारत सरकार के सलाहकार थे। उनके अडिग रवैये ने महामारी में भारतीय पत्रकारों के कई सवालों का सामना किया है। साथ ही अंकितजी ने और साथ ही कोन्वोकेशन के लिए एकत्रित हुए सभी विधार्थियों व उनके माता–पिता का भी स्वागत किया।

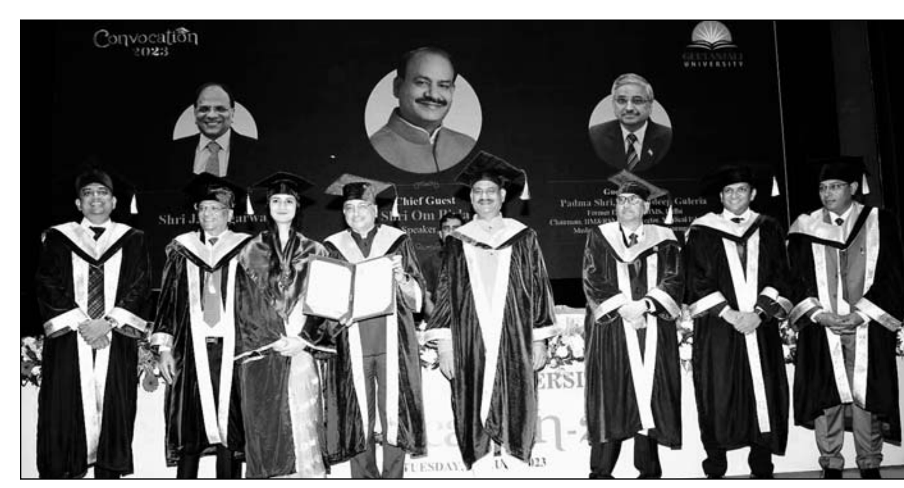

दीक्षान्त समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, विशिष्ट अतिथि डॉ. रणदीप गुलेरिया, गीतांजली ग्रुप के चेयरमैन व गीतांजलि यूनिवर्सिटी के चांसलर जे.पी अग्रवाल ने प्रतिभाओं को स्ममानित किया।

मुख्य अतिथि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, विशिष्ट अतिथि पूर्व एम्स डायरेक्टर पदम् डॉ. रणदीप गुलेरिया, चांसलर जे.पी. अग्रवाल द्वारा गीतांजली यूनिवर्सिटी के एम.बी.बी.एस, फार्मेसी, नर्सिंग, डेंटल, फिजियोथेरेपी के 42 गोल्ड मेडल्स एवं 511 ग्रेजुएट्स, पोस्ट ग्रेजुएट व पी.एच.डी विद्यर्थियों को डिग्रीयां प्रदान की गई। साथ ही साथ ही तीन उपाधि से डॉ. सुनंदा गुप्ता, डॉ. ए.के. गुप्ता एवं डॉ. अब्बास अली सैफी को उनके चिकित्सा क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया। गीतांजली यूनिवर्सिटी के चांसलर जे.पी अग्रवाल ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को सप्रेम आभार प्रकट किया व विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्नातक अंत नहीं है, बल्कि एक लंबी यात्रा की शुरुआत है, इस यात्रा में, आपको समाज की भलाई के लिए विनम्रता और करुणा के साथ अपनी पेशेवर विशेषज्ञता प्रदान करने का प्रयास करना चाहिए। रोगियों का इलाज करते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि आप केवल शरीर का इलाज नहीं कर रहे हैं, बल्कि उनके स्वास्थ्य को लेकर उनके मन में जो चिंताएं और शंकाएं हैं, उनका भी इलाज कर रहे हैं। उनकी चिंता को कम करने का प्रयास करें और उन्हें आत्मविश्वास और आशा दें।

मातृ शिशु अस्पताल छह माह से बंद

चूरू में सामाजिक संगठनों का 17 दिन से धरना जारी

- **लोगों ने प्रदर्शन कर प्रसव सुविधा शुरू करवाने की मांग**

चूरू, (कासं)। शहर में गढ़ परिसर स्थित मातृ एवं शिशु अस्पताल पिछले छह महीने से बंद पड़ा है। इस अस्पताल में प्रसव सुविधा शुरू करवाने की मांग को लेकर पिछले 17 दिनों से चूरू एकता मंच के बैनर तले धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। शहर के लोगों ने मंगलवार को गढ़ चौराहे पर एकत्रित होकर जिला प्रशासन व मेडिकल कॉलेज प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग को ज्ञापन सौंपा।

चूरू एकता मंच के जिलाध्यक्ष विनोद राठी ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ने गढ़ अस्पताल में महिला गायनिक डॉक्टर की कमी का हवाला देते हुये प्रसव व्यवस्था शुरू करवाने के लिए स्पष्ट मना कर दिया। इस मामले में सीएमएचओ सहित अस्पताल प्रशासन हाथ पर हाथ रखे बैठा है।

सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि 17 दिनों से धरने पर बैठे हैं। इस दौरान मंगतुराम चोटिया ने कहा कि इस अस्पताल के बंद होने से शहर के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सत्यनारायण व्यास ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के आने के बाद गढ़ स्थित मातृ शिशु अस्पताल को बंद किया जा रहा है, जिसका शहर की जनता में भारी विरोध है। अगर समय रहते हुये अस्पताल को वापस शुरू नहीं किया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा और बाजार बंद किए जाएंगे। धरने में प्रेमचंद बगड़िया, एडवोकेट सुरेश कल्ला, कपिल चंदेल, कमल चोटिया, सुरेश सारस्वत, जय प्रकाश बरोड, सुशील शर्मा, पार्षद राकेश दाधीच, रवि दाधीच, दिनेश लाटा, संदीप पाटिल, गौरीशंकर पाटिल, नितेश ओझा व सुरेन्द्र पीपलवा आदि मौजूद थे।

आर.बी.आई. को भेजे नोटों में 100 रुपए के नकली नोट मिले

बीकानेर, (निसं)। यहां के रानी बाजार स्थित पंजाब नेशनल बैंक से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को भेजे गए पुराने नोटों में कई नकली और फर्जी नोट बरामद हुए हैं। दो अलग–अलग बंडल में सात–सात नोट फर्जी पाए गए हैं। इस संबंध में गांधी नगर जयपुर में मामला दर्ज कराया गया, जो अब कोटगेट थाने में शिफ्ट हुआ है।

आरबीआई की सहायक महाप्रबंधक तृप्ति तोसावरा ने एफआईआर में कहा है कि बीकानेर के रानी बाजार स्थित पंजाब नेशनल बैंक की ओर से भेजे गए गंदे और पुराने नोट में सौ रुपए के सात नकली नोट संदिग्ध मिले थे। इनकी जांच कराने पर ये नकली पाए गए हैं। इसी तरह एक और एफआईआर में भी ये ही आरोप लगाया गया है। एफआईआर जयपुर के गांधी नगर थाने में दर्ज करवाई गई, जहां से बीकानेर के कोटगेट थाने में शिफ्ट कर दी गई है। दोनों मामलों की जांच अब उप निरीक्षक राजेंद्र कुमार को सौंपी गई है। आरबीआई ने पहली बार किसी बैंक से नकली नोट प्राप्त होने का मामला दर्ज नहीं कराया है, बल्कि इससे पहले भी कई बैंकों में ऐसे नोट मिलते रहे हैं। बीकानेर में भारी संख्या में नकली नोट मिलते रहे हैं। यहां वृंदावन कॉलोनी के एक मकान से नकली नोट छापने के प्रिंटर सहित बड़ी राशि मिल चुकी है। इस संबंध में पुलिस ने गिरफ्तारियां भी की। आज भी कोटगेट थाने में इनकी जांच हो रही है। जिले में नकली नोट से संबंधित सभी मामले कोटगेट थाने में ही दर्ज होते हैं।

राशिफल बुधवार 12 जुलाई, 2023

पंडित अनिल शर्मा

प्रथम सावन मास (शुद्ध), कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2080, भरणी नक्षत्र सांय 7:44 तक, धृति योग प्रात: 9:40 तक, वणिज करण प्रात: 6:06 तक, चन्द्रमा रात्रि 1:58 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मिथुन, चन्द्रमा–मेष, मंगल–सिंह, बुध–कर्क, गुरू–मेष, शुक्र–सिंह, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 7:44 से सूर्योदय तक है। भद्रा प्रात: 6:02 से सांय 6:00 तक है। बुध उदय पश्चिम रात्रि 1:33 पर होगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:09 तक, शुभ 10:50 से 12:32 तक, चर 3:56 से 5:38 तक, लाभ 5:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:45, सूर्यास्त 7:20

मेष
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। मानसिक तनाव बना रहेगा। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

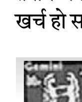

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों से सहयोग मिलेगा।

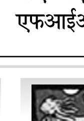

सिंह
शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। शुभ कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

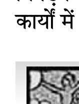

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। भावनात्मक कारणों से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मकर
घर–परिवार में वाद–विवाद टालना ठीक रहेगा। परिवार में मानसिक तनाव बना रहेगा। महत्वपूर्ण मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

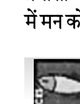

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

हरियाणा से जयपुर हथियारों की सप्लाई करने आए दो बदमाश दबोचे

मोहित

प्रीतम

आरोपियों से बरामद हथियार और कारतूस मिले।

- एटीएस की टीम ने दोनों को सिंधी कैम्प बस स्टैंड से गिरफ्तार किया
- आरोपियों से दो अवैध हथियार और चार जिंदा कारतूस बरामद किए

जयपुर,(कासं)। हरियाणा से जयपुर हथियारों की सप्लाई करने आ रहे दो अंतर राज्य हथियार तस्करों को राजस्थान एटीएस की टीम ने मंगलवार को जयपुर में सिंधी कैंप बस स्टैंड से गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 2 अवैध पिस्टल और 4 जिंदा कारतूस जब्त किए।

एटीएस-एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अशोक राठौर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मोहित गुर्जर (24) थाना बावल हरियाणा और पूरण सिंह उर्फ प्रीतम उर्फ बल्लू जाट (23) शक्ति नगर बहादुरगढ़ हरियाणा के रहने वाले हैं।

राठौर ने बताया कि हरियाणा निवासी दो युवकों द्वारा अवैध हथियारों की सप्लाई के लिए जयपुर आने की सूचना पर डीआईजी अंशुमन भौमिया के निर्देशन में एटीएस से टीम गठित की गई।

मंगलवार को एटीएस की टीम ने सिंधी कैंप बस स्टैंड से हथियार तस्कर मोहित गुर्जर और पूरण सिंह उर्फ प्रीतम उर्फ बल्लू जाट को गिरफ्तार कर उनके पास से दो अवैध हथियार और चार जिंदा कारतूस बरामद किए। इस संबंध में एसओजी थाने में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है। आरोपी हथियारों की डिलीवरी करने के लिए हथियार लेकर जयपुर आए थे। यहां पर कोड वर्ड से डिलीवरी करने के बाद ये बदमाश हथियार देते लेकिन उससे पहले ही एटीएस ने इन बदमाशों को धर दबोचा।

दोनों बदमाश मूल रूप से हथियार सप्लाई का काम किया करते हैं। ये लोग हथियारों की डिलीवरी से पहले कोड वर्ड पूछते हैं। हथियारों की डिलीवरी के दौरान कोड वर्ड बताने के बाद ही हथियारों की डिलीवरी दी जाती हैं। कोडवर्ड भी हथियारों की डिमांड के दौरान और पैसा देने के वक्त ही तय हो जाता था। हथियारों की डिलीवरी तीन दिन में होती हैं। दोनों बदमाश जयपुर में किसे हथियार सप्लाई करने आए थे और कहां से हथियार लेकर आते हैं इस सम्बन्ध में दोनों से गहनता से पूछताछ की जा रही हैं।

वारंट तामील करवाने गए कांस्टेबल से की मारपीट

जयपुर। शिप्रा पथ इलाके में एक फायर अधिकारी ने वारंट तामील कराने आए कांस्टेबल को बंधक बना उससे मारपीट कर दी। कांस्टेबल ने मामले की जानकारी अपने अधिकारियों को दी तो फायर अधिकरी उन्हें भी गाली-गलौच करने लग गया। आला अधिकारियों के दखल के बाद कांस्टेबल फायर अधिकारीक के चुगंल से निकल कर थाने पहुंचा। पुलिस ने पीड़ित कांस्टेबल की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि फायर अधिकरी राजेन्द्र नागर 22 गोदाम पर स्थित फायर केन्द्र में चीफ अफसर के पद पर कार्यरत है और दुर्गापुरा शिप्रा पथ मानसरोवर में रहता है। पीड़ित कांस्टेबल बबन मिश्रा (48) निवासी कृष्णापुरी मानसरोवर निवासी एसीबी में कांस्टेबल के पद पर तैनात है। कांस्टेबल बबन मिश्रा फायर अधिकरी राजेन्द्र नागर के घर पर वारंट तामिल करवाने गया था। जिसकी गवाही आगामी तारीख 7 जुलाई थी। राजेन्द्र ने कांस्टेबल बबन को घर के अन्दर बुलाया और उससे मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान फायर अधिकारी राजेन्द्र ने मानसरोवर फायर केन्द्र से वर्दी में तीन चार फायर कर्मचारियों को बुला लिया । उन्होंने भी कांस्टेबल के साथ मारपीट की।मामला बढ़ता देख कांस्टेबल ने अपने आरआई कमल मीणा को इस मामले की जानकारी दी। जानकारी मिलने के बाद कमल मीणा ने फायर अधिकरी राजेन्द्र से बात कि तो उसे भी गाली गलौच करने लग गया और बोला तू तेरे डीजी से बात करा दे, आज तुम्हे नहीं छोडूंगा। मुख्यालय से एड़िशन एसपी से बात करवाने पर उन्हे भी बोला तूम भी आ जाओ। तुम्हे भी देख लूंगा। जिसके बाद राजेन्द्र नागर ने करीब दो घन्टे कांस्टेबल बबन मिश्रा को घर में बन्द रखा। मामला बढ़ता देख एड़िशन एसपी राजेन्द्र के घर पहुंचे और चोटिल अवस्था में कांस्टेबल को छुडवाया। जिसके बाद कांस्टेबल ने थाने पहुंच कर फायर अफसर के खिलाफ मामला दर्ज कराया। बताया जा रहा है कि फायर अधिकरी राजेन्द्र नागर ने गेट पर बातचीत करने के बाद कांस्टेबल बबन मिश्रा को अन्दर आकर जमानती मुचलका भरने की बात कहीं । जैसे ही कांस्टेबल ने जमानती मुचलका निकाला वैसे ही फायर अधिकारी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और मुचलके को फाड़ दिया।

दो महिला सहित छह शराब तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़े

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) द्वारा चलाए जा रहे अवैध शराब तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान के पांचवें दिन पुलिस ने आबकारी अधिनियम में छह प्रकरण दर्ज कर दो महिला सहित छह शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही उनके पास से अवैध देशी शराब की लगभग 13 पेटी बरामद की है। अब तक सीएसटी ने 68 प्रकरण दर्ज कर 17 महिला सहित 66 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। वहीं उनके कब्जे से लगभग 274 पेटी अवैध शराब, बिक्री राशि 41 हजार 145 रुपये एवं परिवहन में प्रयुक्त चौपहिया वाहन बरामद किए जा चुके है। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर कैलाश चन्द्र बिश्नोई ने बताया कि जयपुर शहर में अभियान के तहत सीएसटी ने करधनी, विद्याधर नगर, जवाहर सर्किल, ब्रहम्पुरी एवं शास्त्रीनगर थाना इलाकों में कार्रवाई की। इस दौरान प्रीतम सिंह निवासी अमरसर हाल करधनी जयपुर, कन्या सांसी निवासी महेन्दवास हाल श्रीजी नगर दुर्गापुरा जयपुर, सोहेल निवासी आमेर रोड जय, दिलीप कुमार कलवानी निवासी जवाहर सर्किल , सुशीला देवी निवासी करधनी जयपुर और ताराचन्द जाट निवासी मलसीसर जिला झुन्झुनू को गिरफ्तार कर उनके पास से 13 पेटी अवैध देशी शराब बरामद की है।

दोस्ती से इंकार करने पर युवक ने आपत्तिजनक बात लिखी

जयपुर। राजधानी के जयसिंह खोरपुरा इलाके में एक सिरफिरे युवक ने दोस्ती से इंकार करने पर युवती को कॉल गर्ल बताते हुए उसका मोबाइल नम्बर दीवार पर लिख दिया। पुलिस ने पोक्सो एक्ट समेत सात धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि 16 साल की लड़की ने अपने पिता के साथ आकर थाने में केस दर्ज कराया। उसने बताया कि वह आठवीं क्लास में पढ़ती है। कुछ समय पहले उसकी एक दोस्त जिसकी अब शादी हो चुकी है, उसने एक लड़के से बात करने को कहा। मोनू नाम के लड़के से मिलवाया और कहा कि यह तुम्हारा ध्यान रखेगा। इस पर मोनू ने मुलाकात की और लड़की को एक फोन दिया और कहा कि बात कर लेंगे। कुछ दिन तक सब सही चला, लेकिन उसके बाद मोनू ने स्कूल आने जाने के दौरान लड़की को परेशान करना शुरू कर दिया। बीच सड़क उसका हाथ पकड लेता और जबरन अपने साथ ले जाता। उसके बाद अश्लील हरकतें करता। लड़की ने लड़के से दोस्ती करना, फोन पर बात करना मंजूर नहीं किया तो लड़के ने हदें पार कर दी। उसने लड़की के मौहल्ले में दीवारों पर लड़की को कॉल गर्ल बताते हुए उसके नंबर लिख दिए, उसके पिता तक के नंबर लिख दिए। लड़की के पास और उसके पिता के पास साथ चलने के लिए जब फोन आने लगे तो मामला खुलकर सामने आया। उसके बाद ही परिजनों को इसकी जानकारी मिल सकी। अब मामला जयसिंह पुरा खोर थाने में दर्ज कराया गया है। पुलिस ने पोक्सो एक्ट समेत सात धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

'जनसंख्या असंतुलन भी चिंता का विषय'

जयपुर। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर मंगलवार को मानसरोवर में मनसंचार विमर्श समूह द्वारा लैंगिक समानता की शक्ति थीम को लेकर चर्चात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चर्चा में प्रतिभागियों ने इस बात पर जोर दिया कि यदि विश्व की अनंत संभावनाओं को उजागर करना है तो विश्व की आधी आबादी नारी जाति का सशक्तिकरण अति आवश्यक है।

चर्चा में प्रतिभागियों ने बढ़ती आबादी के साथ ही जनसांख्यिकी परिवर्तन पर भी चिंता व्यक्त की। भारत की जनगणना सांख्यिकी रिपोर्ट के अनुसार 1951 में जो हिंदू आबादी 84.1 थी वह 2011 में घटकर 80 से भी नीचे आ गई है ।

जबकि मुस्लिम आबादी 9.8 प्रतिशत से बढ़कर 14.2 फीसदी तक पहुंच गई है। यह डेमोग्राफी परिवर्तन चिंतनीय है।

परिवार नियोजन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सामूहिक प्रयास बढ़ाने होंगे : मीणा

चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने समारोह में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले लोगों को पुरस्कृत किया।

- राज्यस्तरीय सम्मान समारोह में उत्कृष्ठ उपलब्धि पर मिले पुरस्कार

जयपुर। चिकित्सा व स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा है कि प्रदेश में परिवार नियोजन सेवाऊ
ाों में आमजन विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक व्यापकता के साथ योग्य दम्पत्तियों को जोड़कर सामूहिक प्रयास बढ़ाने होंगे।

मीणा ने मंगलवार को विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में झालाना संस्थानिक क्षेत्र स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राज्यस्तरीय परिवार कल्याण प्रोत्साहन पुरस्कार वितरण समारोह को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने परिवार कल्याण से संबंधित प्रचार-प्रसार के पोस्टर-फ्लिप चार्ट सामग्री का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि समाज को अब बेटा-बेटी एक समान का संदेश समझना होगा और बेटे के चाह में परिवार को बढ़ाने की सोच अब हर व्यक्ति को बदलनी होगी।उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन के सभी साधनों की जानकारी व सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करके बढ़ती जनसंख्या के स्थिरीकरण की दिशा में और अधिक सशक्त कदम बढ़ाने होंगे।

परिवार की खुशहाली और स्वस्थ जीवन की परिकल्पना को साकार करने में चिकित्सा क्षेत्र में अनेक नवाचार शुरू करने के साथ ही निरंतर चिकित्सकीय संसाधनों की बढ़ोतरी की गयी है। इनका सीधा लाभ आमजन को मिले और इनका समुचित उपयोग सुनिश्चित करना होगा।मीणा ने परिवार नियोजन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिलों, पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायतों सहित व्यक्तिगत कार्मिकों एवं संस्थानों को प्रमाण पत्र तथा निर्धारित पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया।

छात्र नेता पर हमला कर गाड़ी में तोड़फोड़ की

- फोन पर मौज मस्ती के लिए गाड़ी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी

जयपुर। राजधानी के गांधी नगर थाना इलाके में एक छात्र नेता को मौज मस्ती के लिए गाड़ी देने की मांग करने और ऐसा नहीं करने पर यूनिवर्सिटी में घुसने नहीं देने का मामला सामने आया है। धमकी देने के बाद छात्र नेता की गाड़ी में भी तोड़फोड़ कर डाली। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में एनएसयूआई के छात्रनेता महेश चौधरी ने मामला दर्ज करवाया। जिसमें बताया कि उनके मोबाइल पर सोमवार शाम को अनजान नंबर से कई बार कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को हॉस्टल का स्टूडेंट बताते हुए घूमने के लिए उसकी गाड़ी मांगी और उसे विश्वविद्यालय में घुसने नहीं देने की भी धमकी दी। गाड़ी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दे डाली। इसके बाद जब वह राजस्थान विश्वविद्यालय से नगर निगम की तरफ जा रहा था, तो उसकी गाड़ी पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। इसके बाद बापू नगर स्थित घर के बाहर खड़ी गाड़ी पर भी अज्ञात बदमाशों ने हमला कर तोड़फोड़ की। इस घटना के बाद गांधीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मुआयना किया। जिस अनजान नंबर से छात्रनेता महेश चौधरी के मोबाइल पर कॉल आया था। उसके आधार पर हमलावरों की तलाश में पुलिस जुट गई है। इसके साथ ही पुलिस ने महेश चौधरी और उसके साथियों से भी घटना की जानकारी ली है।

बिजनेसमैन से दो करोड़ की रंगदारी मांगने वाला हिस्ट्रीशीटर दबोचा

- आरोपी ने पीड़ित को उसी की ही गाड़ी सहित अपहरण कर मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर दो करोड़ की रंगदारी मांगी थी

जयपुर। राजधानी की वैशाली नगर थाना पुलिस ने लॉरेंस गैंग के नाम से एक बिजनेसमैन को डरा धमका कर दो करोड़ की रंगदारी वसूलने की धमकी देने वाले हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि सीकर के रामगढ़ निवासी संदीप सिंह (35) का कपड़ों का बिजनेस है। खातीपुरा के जसवंत नगर में उनकी गारमेंट शॉप भी है। 1 जुलाई की रात करीब 8 बजे शॉप के बाहर खड़ी फॉर्च्यूनर में बिजनेसमैन बैठा था। गाड़ी में बैठने के कुछ देर बाद ही 4-5 बाइक पर आए बदमाशों ने उसे घेर लिया। फिर एक कार आकर रुकी। उसमें से सीकर का हिस्ट्रीशीटर लोकेंद्र सिंह उर्फ मानसिंह उर्फ लक्की रानोली (29) नीचे उतरा। फिल्मी स्टाइल में फॉर्च्यूनर का गेट खोलकर दो साथियों के साथ अंदर बैठ गया।

संदीप को साइड सीट पर बैठकर एक बदमाश फॉर्च्यूनर ड्राइव करने लगा। बिजनेसमैन को उसकी ही फॉर्च्यूनर में बदमाशों ने किडनैप कर लिया। चलती गाड़ी में बदमाशों ने उससे मारपीट की। बदमाश लक्की रानोली ने गाली-गलौज कर 2 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी। रुपए की डिमांड पूरी नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी। बिजनेसमैन ने गुस्से में आकर विरोध करने का प्रयास किया। इस पर बदमाश लक्की ने पिस्तौल निकालकर तान दी। किडनैप कर बदमाश बिजनेसमैन को जयपुर से बाहर ले गए। रोड किनारे गाड़ी रोककर फिर धमकाया। डिमांड पूरी कर देना, नहीं तो जान से जाएगा। धमकी देने के बाद बदमाश लक्की रानोली अपने दोनों साथियों के साथ उसे फॉर्च्यूनर में बैठा छोड़कर नीचे उतर गया। पीछे आ रही गाड़ी में बैठकर सभी बदमाश चले गए।फॉर्च्यूनर को ड्राइव कर संदीप अपने घर आ गया। रंगदारी के लिए किडनैपिंग के चलते बिजनेसमैन के साथ ही उसके परिवार में डर का माहौल बैठ गया। जैसे-तैसे हिम्मत कर पीड़ित बिजनेसमैन ने 7 जुलाई को वैशाली नगर थाने में दर्ज करवाई। पुलिस ने बताया कि बिजनेसमैन की शिकायत पर तुरंत दर्ज की गई। वारदात स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगालने के साथ ही बदमाशों की तलाश की गई। 9 जुलाई को पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि सीकर का हिस्ट्रीशीटर लक्की रानोली वैशाली नगर आया है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर वैशाली नगर में घूम रहे बदमाश लक्की रानोली को गिरफ्तार कर लिया। करीब 5 महीने पहले जयपुर पुलिस ने लक्की रानोली को पकड़ा था। बदमाश लक्की रानोली को नेकर-बनियान में नंगे पैर हथकड़ी लगाकर शहर में घुमाया था।

एस.एम.एस. अस्पताल में मरीज के चार जोड़ बदले

जयपुर। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल में गठिया रोग से पीड़ित महिला के दोनों घुटने और दोनों कुल्हे के जोड़ों का सफल प्रत्यारोपण हुआ है। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में सवाई मानसिंह अस्पताल में पहली बार किसी एक ही मरीज के चारों जोड़ बदले गए हैं। अस्थि रोग विभाग की इकाई 4 में भर्ती मरीज चुकी देवी पत्नी बागता राम उम्र 48 साल ग्राम निवासी पाटोलिया तहसील जायल ज़िला नागौर के जोड़ों का सफल प्रत्यारोपण किया गया है। तीन सप्ताह पहले दोनों घुटनों का और अब दोनों कूल्हे के जोड़ बदल दिये गए हैं।

गौरतलब है कि पिछले छह वर्षों से मरीज बिस्तर पर थी। बिल्कुल भी चल फिर नहीं पाती थी। अब यह आराम से चल सकेगी। चुकी देवी चलने की उम्मीद छोड़ चुकी थी। मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना के अन्तर्गत मरीज़ के चारों जोड़ बदले गए। मरीज का समस्त उपचार एवं ऑपरेशन निःशुल्क किए गए हैं। ये ऑपरेशन इकाई 4 के प्रमुख सीनियर प्रोफेसर डॉक्टर रतन लाल दायमा के नेतृत्व में ट्रॉमा सेंटर इंजार्च सीनियर प्रोफेसर डॉ. अनुराग धाकड़ ने किए । अन्य सहयोगी चिकित्सक डॉ. हीरा लाल धवन सहायक आचार्य, डॉ. ओमेन्द्र, डॉ. शुभम भी साथ रहे । निश्चेतना विभाग के विभागाध्यक्ष सीनियर प्रोफेसर डॉ. श्री फल मीना, डॉ. ममता खंडेलवाल, डॉ. सोनाली एवं डॉ. अमित कुलश्रेष्ठ ने मरीज को एनेस्थीसिया दिया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना लागू होने के पूर्व एक जोड़ बदलने का खर्चा लगभग 1.25 से 1.50 लाख रुपये आता था। यानि चारों जोड़ का खर्चा लगभग 6 लाख रुपये आता। चिरंजीवी योजना के लाभ स्वरूप मरीज के 6 लाख रुपये बच गए।

सार-समाचार

पॉच मंजिला बिल्डिंग में 16 फ्लेट्स सील

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-6 में अनुमोदित आवासीय योजना उद्योग नगर के भूखण्ड संख्या-10 में जविप्रा की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के जीरो सेटबेक पर बिल्डिंग बायलॉज का गंभीर उल्लंघन कर 5 मंजिला वृहद् अवैध बिल्डिंग में 16 फ्लैट्स की नियमानुसार पुख़्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि जोन-6 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित अनुमोदित आवासीय योजना उद्योग नगर, बोरिंग चौराहा, झोटवाड़ा जयपुर के भूखण्ड संख्या-10 क्षेत्रफल करीब 386 वर्गगज में जविप्रा की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के जीरों सेटबैक पर बिल्डिंग बॉयलाज का गंभीर उल्लंघन कर गंभीर प्रकृति की 5 मंजिला वृहद् अवैध बिल्डिंग-16 फ्लैट्स की नियमानुसार पुख़्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। उक्त गंभीर प्रकृति के वृहद अवैध निर्माण का अवधान में आने पर भूस्वामी को नोटिस जारी किया जाकर अवैध निर्माण रूकवाया जाकर उक्त वृहद स्तर के अवैध निर्माण को हटा लेने हेतु पाबंद किया गया था।

उच्च स्तरीय समिति गठित

जयपुर, (का.सं.)। विधानसभा द्वारा पारित स्वास्थ्य का अधिकार अधिनियम-2022 के संबंध में बनाए जा रहे नियम व उपनियमों के लिए मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गयी है। अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग शुभ्रा सिंह ने बताया कि उक्त समिति स्वास्थ्य का अधिकार कानून से जुड़े सभी हितधारकों से गहन विचार-विमर्श करके, उनके द्वारा दिये गये उपयोगी सुझावों को शामिल करते हुए अपनी अनुशंसा राज्य सरकार को भेजेगी। सिंह ने बताया कि इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलियरी साइंसेज नई दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर डॉ. एस.के.सरीन इस समिति के अध्यक्ष होंगे। समिति में प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा शिक्षा टी.रविकांत, राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मिशन निदेशक एन.एच.एम., वी.सी. आर.यू.एच.एस. डा. सुधीर भंडारी, एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजीव बगरहट्टा, वित्त एवं कानून विभाग के एक-एक प्रतिनिधि को सदस्य बनाया गया है। निदेशक जनस्वास्थ्य उक्त समिति के सदस्य सचिव होंगे।

चोरी की बाइक सहित बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने मालपुरा गेट थाना इलाके में वाहन चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वाहन चोर राजेश कुमार वर्मा को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके पास से एक चोरी का दुपहिया वाहन भी बरामद किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (अपराध)सुलेश चौधरी ने बताया कि सीएसटी ने मालपुरा गेट थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए शातिर वाहन चोर राजेश कुमार वर्मा निवासी श्रीराम नगर कॉलोनी सांगानेर जयपुर को गिरफ्तार कर उसके पास से एक चोरी की बाइक बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि वह मोटरसाइकिल चोरी करने के बाद अन्य मोटरसाइकिल चोरी कर अपनी मोटरसाइकिल के नम्बर लगाकर उपयोग में लेता है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ जारी है जिसमें और भी वारदातें खुलने की संभावना है।

रोजगार गारंटी पर बनाएंगे एक्ट'

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को प्रदेश के 51 लाख 21 हजार 969 पेंशनरों के बैंक खातों में 1005 करोड़ 41 लाख 28 हजार 750 रुपए हस्तांतरित किए। उन्होंने मुख्यमंत्री निवास पर राज्य स्तरीय सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना लाभार्थी संवाद कार्यक्रम में मई-जून माह की बढ़ी हुई पेंशन राशि (न्यूनतम 1000 रुपए) डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से भेजकर राहत पहुंचाई। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को महंगाई से राहत और उनकी सामाजिक सुरक्षा हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। गहलोत ने लाभार्थी संवाद कार्यक्रम में कहा कि आमजन को न्यूनतम आय और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने में कमी नहीं रखी जाएगी। इसी भावना को लेकर राजस्थान विधानसभा के आगामी सत्र में सामाजिक सुरक्षा पेंशन और रोजगार गारंटी को लेकर एक्ट बनाएंगे।

परकोटे के मुख्य बाजारों से अतिक्रमण हटाये

नगर निगम की सतर्कता शाखा ने मंगलवार को परकोटे के मुख्य बाजारों व प्रमुख मार्गों से अस्थाई अतिक्रमण हटाये।

जयपुर, (का.सं.)। नगर निगम जयपुर हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर के निर्देश पर उपायुक्त मनीषा यादव के निर्देशन मे सतर्कता शाखा ने मंगलवार को परकोटे के मुख्य बाजारों व प्रमुख मार्गों से अस्थाई अतिक्रमण हटाये।

गुर्जर ने बताया कि निगम हैरिटेज के अस्थायी अतिक्रमण दस्ते ने मय पुलिस जाप्ता के द्वारा बड़ी चौपड़ से छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार, संसार चन्द रोड़, 22 गोदाम सर्किल के पास, डीएलबी के पास, गुर्जर की थडी सहित अनेक स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटाया व 4 ट्रूक सामान जब्त कर जनता मार्केट गोदाम में जमा करवाया गया व मौके पर 3 व्यापारियों से 12000 रूपये कैरिंग चार्ज वसूल कर रसीद काटी गई।

गुर्जर ने बताया की अतिक्रमियों को भविष्य में फुटपाथों सार्वजनिक स्थानों व परकोटे के मुख्य बाजारों व प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण नहीं करने के लिए सूचित किया गया अन्यथा भविष्य में और भी कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

फर्जीवाड़ा कर लोन उठाया

जयपुर। राजधानी के विधायकपुरी और झोटवाड़ा थाने में एक गिरोह द्वारा लोगों से दोस्ती कर व काम दिलाने का झांसा देकर उनके दस्तावेजों से लोन उठाने कर गाड़ी खरीदने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज जांच शुरू कर दी है।

विधायकपुरी थाने में 16 मई को करणी पैलेस निवासी पूनम ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। रिपोर्ट में बताया कि वह गोपालबाड़ी स्थित जोवियल क्लब प्रा. लि. कंपनी में वर्ष 2022 में नौकरी पर लगी। वहां पर कंपनी मालिक भानूप्रताप ने कहा कि आयकर विभाग में लग्जरी कारें लगाने के लिए कंपनी को टेंडर मिला है। एक कार तुम्हारे नाम से फाइनेंस करवाएंगे। यह कहते हुए परिवादिया से कुछ दस्तावेज पर हस्ताक्षर करवाए। बाद में बैंक से लोन चुकाने के लिए फोन आने लगे, तब पता चला कि उसके नाम से दो कार पर लोन लिया गया है, जबकि उसके पास एक भी कार नहीं है। पूनम ने बताया कि और भी कई लोग इस चंगुल में फंसे हैं। वहीं खातीपुरा स्थित सत्य नगर निवासी रामलाल शर्मा ने झोटवाड़ा थाने में 26 जून को रिपोर्ट दर्ज करवाई।

भाजपा में शामिल हुए सदस्य नड्डा से मिले

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों में विश्वास जताते हुए हाल ही में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले प्रशासनिक अधिकारियों सहित कांग्रेस व अन्य राजनैतिक दलों से आए प्रमुख नेताओं ने आज दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा से मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ,प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी , प्रदेश महामंत्री भजन लाल शर्मा , जोईनिंग कमेटी संयोजक विधायक वासुदेव देवनानी एवं मीडिया संपर्क प्रमुख आनंद शर्मा उपस्थित रहे।राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभी नेताओं को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने का मंत्र भी दिया। मुलाकात करने वाले प्रमुख नेताओं मे पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष मेहरिया, गोपाल मीणा सेवानिवृत्त महानिदेशक, रामदेव सिंह पूर्व सेवानिवृत्त आईपीएस, पृथ्वीराज मीणा सेवानिवृत्त आईएएस, पी आर मीणा पूर्व रेवेन्यू अधिकारी, हेमंत शर्मा सामाजिक कार्यकर्ता, ओमप्रकाश पहाड़िया पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय जगन्नाथ पहाड़िया के पुत्र, विजेंद्र सिंह शेखावत अशोक कुमार वमा, चंद्रमोहन मीणा प्रमुख रहे ।

'शंका आराध्य के प्रति नहीं, अपने प्रति करें '

जयपुर, (का.सं.)। राजधानी के टोंक रोड़ स्थित प्रताप नगर सेक्टर 8 दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे चातुर्मास के दौरान मंगलवार को सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य सौरभ सागर ने कहा की घर में सांप होने की शंका उत्पन्न होने पर, वहां सुख की नींद सोना दुभर हो जाता है। उसी प्रकार जिसके मन में शंका का कीड़ा प्रवेश कर जाता है, उसकी सम्यकत्व की भूमिका दूर हो जाती है, शंका का पर्दा आंखों में पड़ जाता है, तो कुछ दिखायी नहीं पड़ता है। शंका की नागिन जिसे डस लेती है, उसे तड़फ-तड़फ कर ही मरना पड़ता है।

Etch A Sketch Day

Do you remember Etch a Sketch? If you spent many happy hours drawing pictures on the screen then magically removing them using the plastic slider, you'll relish the opportunity to relive your childhood on Etch a Sketch Day. This day is all about creativity, so undertaking anything which involves a pencil, pen or brush is appropriate. Why not have an Etch a Sketch competition with friends or colleagues, or give everyone a thirty-second limit to produce a work of art?

#TECHNOLOGY

Making A Difference!

As our expectations shift, we are left wondering about the next innovation that will capture our imagination.

In the evolving relationship between technology and society, humans have shown themselves to be incredibly adaptable. What once left us breathless, soon becomes integrated into our everyday lives.

The astonishing functionalities of large language models (LLM) like ChatGPT were, just a few months ago, the epitome of cutting-edge AI. They are now on course to be mere add-ons and plugins to our text editors and search engines.

We'll soon find ourselves relying on their capabilities, and seamlessly incorporating them into our routines.

Yet, this rapid acclimatisation leaves us with a lingering question: what's next? As our expectations shift, we are left wondering about the next innovation that will capture our imagination.

People will try to achieve all kinds of smart - and not-so-smart - things with AI. Many ideas will fail, others will have a lasting impact.

Our crystal ball is not much better than yours, but we can try to think about what's coming next in a structured way. For AI to have a lasting impact, it needs to be not only technologically feasible, but also economically viable, and normatively acceptable - in other words, it complies with the values that society demands we conform to. There are some AI technologies waiting on the sidelines right now that hold promise.

AI Legal Help

The startup company DoNotPay claims to have built a legal chatbot – built on LLM technology – that can advise defendants in court.

The company recently said it would let its AI system help two defendants fight speeding tickets in real-time. Connected via an earpiece, the AI can listen to proceedings and whisper legal arguments into the ear of the defendant, who then repeats them out loud to the judge.

After criticism and a lawsuit for practising law without a license, the startup postponed the AI's courtroom debut. The potential for the technology will thus not be decided by technological or economic constraints, but by the authority of the legal system.

AI Scientific Support

Scientists are increasingly turning to AI for insights. Machine learning, where an AI system improves at what it does over time, is being employed to identify patterns in data. This enables the systems to propose novel scientific hypotheses – proposed explanations for phenomena in nature. These may even be capable of surpassing human assumptions and biases.

For example, researchers at the University of Liverpool used a machine learning system called a neural network to rank chemical combinations for battery materials, guiding their experiments and saving time.

While AI cannot currently formulate hypotheses independently, it can inspire scientists to approach problems from new perspectives.

AutoGPT

We will soon see more new versions of AI chatbots based on the latest LLM technology, known as GPT-4. We'll see AI that can handle different types of data, such as images and speech, as well as text. These are called multimodal systems.

Auto-GPT is given a general goal, such as planning a birthday party, and splits it into sub-tasks which it then completes by itself, without human input. This sets it apart from ChatGPT.

Auto-GPT incorporates AI agents, or systems, that make decisions based on predetermined rules and goals. Despite installation limitations, such an functionality problems when used with Windows, Auto-GPT shows great potential in various applications.

Humanoid Robots

Humanoid robots - those that look and move like us - have significantly advanced since the first Darpa Robotics Challenge in 2015, a contest where teams built robots to perform a series of complex tasks set by the organisers. These included getting out of a car, opening a door and drilling a hole in a wall. Many struggled to achieve the objectives.

However, startups are now developing "humanoids" capable of doing tasks like these and being used in warehouses and factories.

Taking The Long View

The long term success of these four will depend on more than just computation power.

Humanoid robots could fail to gain traction if their production and maintenance costs outweigh their benefits. AI lawyers and chatbot assistants might possess remarkable efficiency. However, their adoption might be halted if their decision making conflicts with society's "moral compass" or laws don't agree with their use.

Striking a balance between cost-effectiveness and society's values is crucial for ensuring these technologies can truly flourish.

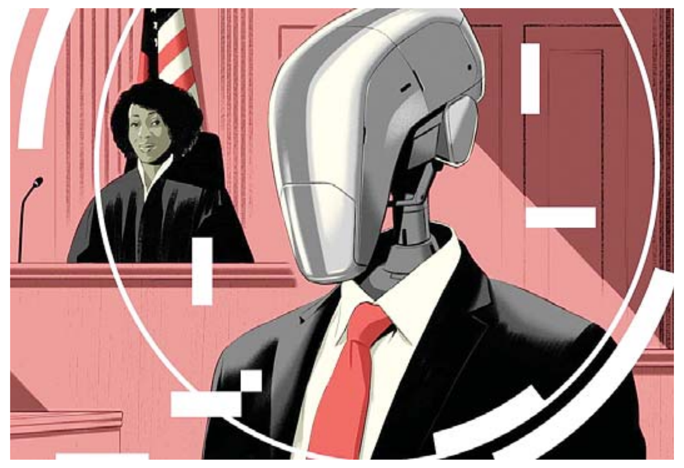

Grass Hills, Elephants, Me And Friends (...2)

As you climb up from Akkamalai Estate in the Anamallais after walking about 14 kilometers you eventually come upon a substantial stream. In the 70's and 80's it used to be stocked with Brown Trout. Usually, some enthusiastic planters from nearby estates would ensure that the check dams were regularly repaired. The check dams and the little pools they created became good drinking places for Gaur, Sambar, and elephant. While Sambar did not do any damage to the dam, Gaur and elephant sometime inadvertently broke the dam and the water would drain away.

Mirza Yawar Baig
Naturalist and wildlife conservationist

#FORESTS

The Shola forests of Grass Hills are ideal habitat for both predator and prey species. The forests impartially shelter leopards, tigers, wild boar, Muntjac, and Sambar. The thick shade hides the hunters and helps the hunted to escape. Depending of course on who sees whom first. The Grass Hills are also home to elephants, and it is amazing to see how these huge animals negotiate steep ridges. First, they follow the easiest gradients as they go to the top. Many a savvy road engineer in these parts has simply widened an old elephant track to convert it into a motorable road, saving himself some arduous surveying. Then when they reach the top and must negotiate the ridge, they walk in single file, each holding the tail of the one before it. And as they climb over the ridge, the one behind gives the one ahead a push if he needs it. On the way down they do it more simply – they sit down, keep their forelegs extended before them to act as speed breakers, and toboggan down the slope on their behinds.

With A Smile

As you climb up from Akkamalai Estate in the Anamallais after walking about 14 kilometers you eventually come upon a substantial stream. In the 70's and 80's it used to be stocked with Brown Trout. Usually, some enthusiastic planters from nearby estates (Mr. Basith Khan of Tea Estates India was one) would ensure that the check dams were regularly repaired so that the level of water in the stream did not fall too low. The check dams and the little pools they created became good drinking places for Gaur, Sambar, and elephant. While Sambar did not do any damage to the dam, Gaur and elephant sometimes inadvertently broke the dam and the water would drain away. This was disastrous for the fish, which would either be stranded or in the case of the young fry, would become easy prey for the many Kingfishers in the area. So, these dams had to be regularly maintained. Given that maintenance, the Grass Hills stream provided some excellent fly fishing in an ambience that simply can't be equalled. Where else in the world could you imagine being able to watch a herd of elephants or a lone Sambar while you were standing on the bank of the stream casting your fly? I won't talk about what the sight does to your casting because that is something that you must experience.

The APA (Anamallai Planter's Association) had built a cottage on the bank of the stream, called the Grass Hills Hut. Mrs. Alastair Craig, whose husband was a planter in the Anamallais in the 1960s/70s informed me that hut was built in the first instance as a staging post to the South, during World War II in case evacuation became necessary. It was a substantial two-bedroom cottage with a small veranda and an elephant trench all around. There was a flimsy bridge made of planks that you had to walk across to get inside. This was essential because without it, elephants would try to re-engineer the hut; something which they had managed to do on a couple of occasions. It then fell into disuse and later the Forest Department took it over and has now constructed a big concrete structure in its place with all the charm of a government building, totally incongruous and sticking out like a sore thumb, built in the style of architecture which Auntie Mohini used to call, Modern Indian Horrible.

I used to go to Grass Hills as often as I could with my two companions, the Raman brothers. They were cousins and had the same name. We would leave my motorcycle in the garage of the Assistant Manager of

Akkamalai Estate - it didn't matter if you knew the person or not. It was our code of hospitality that at such places your house was open to anyone who needed help. If someone wanted to park a car or motorcycle or needed some petrol or a cup of tea, he only had to ask, and it was all provided with a smile.

Most Spectacular Views

The Raman brothers and I would start walking up. The distance to the APA Hut is about fourteen kilometers. If you don't take the road and instead walk up the hillside it is a couple of kilometers shorter, but you need a lot of stamina for the climb. The climb is steep, the elevation (six thousand feet) takes its toll especially if you are not used to it - as I discovered when I went to the Grass Hills in 2007 after a gap of twenty years. The footing is very rough and uncertain as the tough tussocky grass grows in clumps and you must find your way between clumps. If it has been raining, then almost every single blade of grass will have a leech or two on it and you are more than likely to be viewed as manna from heaven by them. But if you can overcome the effort and the bloodshed then you are rewarded with some of the most spectacular views that you could ever imagine. The road is simpler and easier but like all simpler and easier tasks, less rewarding.

On one occasion the Raman brothers and I decided to walk up to a high ridge, which has some caves. When we eventually reached there, we discovered that there was a whole field of marijuana being cultivated in the valley behind the ridge and the cave was the living quarters of the farmers. In the middle was the cooking fire with their bedding stacked neatly in the corners. In one corner there were wires to make snares for small game. Come to think of it, it was a very nice place to live with spectacular views, a stream of clear, cold water to drink from, a waterfall of ice-cold water to shower under if you like that kind of thing, dry and warm accommodation, fresh meat, and safety from the long arm of the law. And if the arm did get extended this far, it was sent away with a handful of money. The occupants of the cave were not present when we reached

there, which was probably a good thing for us. Such people tend to take a different view of guests.

The Sound Of Silence

We descended the ridge and made our way to the APA Hut. There the Raman brothers got busy with cooking our evening meal, the makings of which we had carried with us while I went downstream with my rod to catch a fish or two for the pot. To my disappointment, the check-dams had been broken by elephants and the pools had been drained and so there were no fish to catch except some very small fingerlings which were not worth the effort. But that didn't detract from the wonderful view of the sun going down behind the high ridge leaving behind an orange glow long after it had disappeared. I sat there until Raman the Elder came to call me. We ate our meal together and I got into my sleeping bag while the Ramans had their last smoke for the day before turning in. There was no need for a watch as we were surrounded by a trench around the hut. There is no danger in sleeping in the wild except from men with evil intentions.

Grass Hills is very cold at night, so a good sleeping bag is essential. It is a very rare pleasure to be able to lie in your sleeping bag and listen to the sound of silence, broken occasionally by the call of the hunter or the unlucky hunted as it ends its life. There is the hooting of the owl and the occasional moan of the tiger. But for the most part, the night at that elevation is silent. As the sky lightens, the precursor of dawn, I hear stirring in the kitchen

> Grass Hills is very cold at night, so a good sleeping bag is essential. It is a very rare pleasure to be able to lie in your sleeping bag and listen to the sound of silence, broken occasionally by the call of the hunter or the unlucky hunted as it ends its life. There is the hooting of the owl and the occasional moan of the tiger.

where the Ramans made their bed. Social barriers (I was the manager) remain despite my every attempt at destroying them. But the fact that I don't practice them gets me loyalty that transcends time.

When I visited the Anamallais in 2007, one of the things I did was to revisit Grass Hills with my friends, the Ramans. They were as eager to go there again as I was. This time we didn't spend a night in the hut, but we did the walk up the hill, a source of great satisfaction and achievement for us all that we were still able to do it, despite being twenty years older. Almost nothing has changed in Grass Hills, mainly because the road is unmotorable and people are too lazy to do the climb. So, it remains relatively untouched. We did see a dozen forest guards with backpacks walking back from the Forest Department Cottage. What they are doing there in those numbers, I have no clue. But I hope it is something for the preservation.

Concluded

rajeshsharma1049@gmail.com

#THINKING-MINDS

The Axial Age

Today, we're the heirs of the Axial Age.

There are special moments in history when the world throws up a torrent of genius. Consider how, in a single century, the world saw Descartes, Leibniz, and Newton, not to mention Shakespeare, Milton, and Bach. Or consider how, in one generation, someone could hypothetically have met Bismarck, Queen Victoria, Marie Curie, and Edison.

But all of this pales in comparison to what German philosopher Karl Jaspers called the "Axial Age." It's here that we find the very origins of why we think the way we do today.

The Birth of Philosophy

Modern humans have been around for roughly 250,000 years, and we've lived in complex societies for at least 6,000 years. That's a lot of time, with not much going on (other than a lot of walking).

Then, within a span of merely six centuries, there was a huge explosion of thought. From roughly 800 BCE to 200 BCE, all of the major civilizations produced incredible people with incredible ideas. It's like there was something in the water (more than just parasites).

In Greece, we saw the likes of Socrates, Archimedes, Hippocrates, Plato, and Aristotle. In the Middle East, we got Jewish prophets like Isiah and Ezekiel, as well as Zoroaster in Persia. In India, we got the Buddha and the writing of the Hindu Upanishads. And in China, Confucianism and Daoism came into their own, as well as the famous Sun Tzu.

It was like nothing seen before, and this is exactly why Jaspers called it "The Axial Age," where an axis means simply "dividing line." There was the time before, and there was the era that came after.

Universal Truths

Seen up close, these thinkers can seem about as different as chalk and cheese. What could Lao Tzu's Dao and Aristotle's Eudaimonia have in common? How are Yahweh and Brahman similar? When you zoom out a bit and see these thinkers as a whole, there are remarkable commonalities to be found.

The greatest of these is the move toward what's called "universalism." Universal truths, universal religion, and universal morals. It's the idea that there are certain values and rules that ought to apply to everyone, everywhere, no matter the circumstances.

How History shaped Philosophy

Why was a very specific 600-year period necessary for the Axial Age to take off? A bit of history helps explain.

The Axial Age was an era where empires expanded outwards to become huge, both in terms of size and population. It was a time of the Persian and Carthaginian empires, the Roman Republic, and the Zhou Dynasty. This means several important things happened:

First, great cities began to form, full of people and ideas from across vast regions. These urban stews became places where great thinkers could collaborate, debate, and write amazing things. It's a truth, seen again and again throughout history, that when cultures, ideologies, and peoples come together, great steps forward happen. It's the eternal allure of the city.

Second, kings were no longer just kings - they were "kings of kings." Before the Axial Age, it used to be that a ruler, and even a religion, was confined to a small area. A king would only have a claim to his particular territory.

The Greek gods, even almighty Zeus, were powerless in Kashmir. But this changed with the expansion of empires. Now kings like Alexander and Cyrus (both with the epithet "the Great") claimed the entire world, and it was no longer enough for gods to be one of many.

Third, with worldly empires becoming so powerful, people came to feel impotent and unimportant. The morals and rules of previous generations were replaced by a new urban decadence. There were no values to live by anymore. And so, ideology and ideas became powerful in themselves. They were the weapons and means by which people could push back against the encroachment of emperors and their armies.

For these reasons, we see that certain common themes emerge from the Axial Age. For instance, in Plato's Theory of Forms, the Buddha's Four Noble Truths, and Isaiah's monotheism, we see a vision of transcendent ideals, which are set over and against the base, immoral, vain efforts of the material world.

The Axial Age was the moment when "Truth" came to stand above whatever worldly "truths" a ruler might push.

The Axial Age laid the foundation for modern thought.

Today, we're the heirs of the Axial Age. It's in the idea that, no matter how powerful a person or state might be, there are values or norms that cannot be violated. It's seen in all the major world religions, and it's seen in the UN Declaration of Human Rights. Any revolution or resistance movement, from the Magna Carta to Marx, is united by the Axial belief that some things matter more than authority alone.

Furthermore, the Axial Age gave us the idea that some things in life are infinitely more important than trivial worldly concerns. Like philosophy.

THE WALL

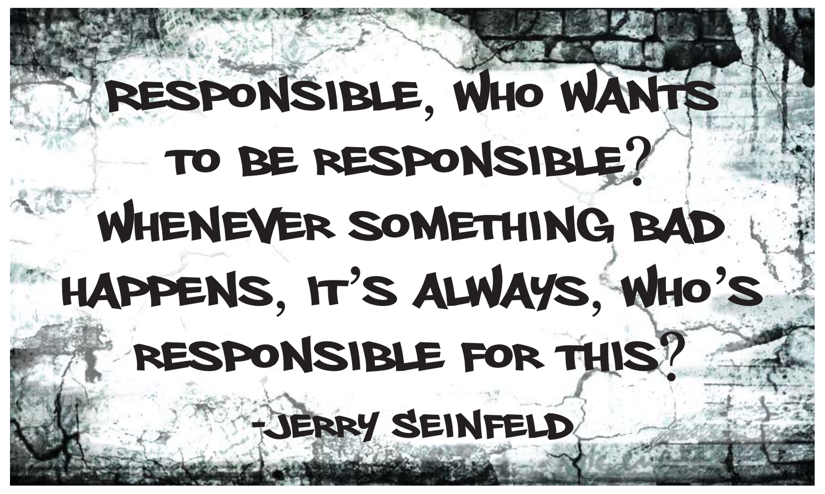

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

संक्षिप्त

हरि प्रसाद बैरवा जिला अध्यक्ष बने

टोंक, (निसं)। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने सोमवार शाम लंबे समय बाद जिलाध्यक्षों की घोषणा की है।

इनमे टोंक के लिए जिलाध्यक्ष हरि प्रसाद बैरवा को नियुक्त किया गया। जिलाध्यक्ष के साथ ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष व महासचिव आदि की भी घोषणा की है। वहीं पूर्व जिला अध्यक्ष व पूर्व जिला प्रमुख रामविलास चौधरी को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया। वही प्रदेश महासचिव निवाई विधायक प्रशांत बैरवा को बनाया गया है। हरि प्रसाद की पत्नी रुक्मिणी देवी नगर परिषद सभापति भी रह चुकी है। हालांकि जिला अध्यक्ष को लेकर हरि प्रसाद के नाम की कोई विशेष चर्चा नहीं थी। लेकिन अचानक उनकी घोषणा से कई नेता चौंक से गए।

पूर्व सरपंच के घर में चोरी

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के मोर थाना क्षेत्र में चोरों ने पूर्व सरपंच के मकान को निशाना बना तकरीबन 3 लाख से अधिक के आभूषण व नगदी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सूचना पर मोर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मौका निरीक्षण कर पीड़ित के पर्चा बयान लिये। पीड़ित पूर्व सरपंच बनवारी लाल चौधरी ने बताया कि मकान के ताले तोड अलमारी में रखे तकरीबन 3 लाख रूपये के आभूषण व नगदी चोरी हुई है।

अमरनाथ यात्रा 15 को रवाना होगी

फागी, (निसं)। बाबा बर्फानी मित्र मण्डल समिति फागी के तत्वावधान में फागी से अमरनाथ यात्रा 15 जुलाई को प्रात: 7 बजे श्री चारभुजा मन्दिर से पूजा अर्चना के पष्चात रवाना होकर कस्बे स्थित श्री सम्ब सदाषिव मन्दिर पहुंचेगी। जहां से 60 यात्रियों का जत्था 2 बसों द्वारा 9 वीं बार बाबा बर्फानी के दर्शनार्थ प्रस्थान करेगा।

सड़क निर्माण की मांग को लेकर कॉलोनी वासियों ने प्रदर्शन किया

चाकसू, (निसं)। नगर पालिका क्षेत्र के सूरजकुंड निवासियों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर नगर पालिका के पास सूरजकुंड रोड को बंद करके धरना प्रदर्शन किया और पीडब्ल्यूडी विभाग को ज्ञापन देकर सड़क निर्माण एवं पानी निकासी के लिए नाले के निर्माण की मांग रखी और आगाह किया कि यदि उनकी मांगों पर गौर नहीं किया गया तो आगामी दिनों में मैन हाईवे जाम कर आंदोलन किया जाएगा।

■ **पीडब्ल्यूडी विभाग को ज्ञापन सौंपा, हाईवे जाम करने की भी चेतावनी**

सड़क निर्माण की मांग को लेकर सूरजकुंड कॉलोनी वासियों ने प्रदर्शन किया।

कॉलोनी वासियों का आरोप था कि विगत तीन- चार सालों में सड़क निर्माण की अनेकों बार स्वीकृति मिलने के बाद भी स्थानीय प्रशासन द्वारा सड़क निर्माण कार्य को निरस्त कर दिया जाता है और पूछने पर कारण भी नहीं बताया जाता है। वार्ड के जिम्मेदार पार्षद ममता देवी का भी गैर जिम्मेदाराना व्यवहार रहता है पार्षद तो साफ शब्दों में कहती है कि, विधायक से मेरी बनती नहीं है जिस कारण पालिका प्रशासन में मेरी चल ही नहीं रही है। स्वयं पार्षद ने भी घर आने जाने के लिए आम रास्ते को छोड़कर अलग रास्ते का चुनाव कर रखा है। बरसात के बाद आम रास्ते में भरे पानी और कीचड़ से लोग घरों में कैद होने को विवश हैं क्षेत्र के सभी बच्चे स्कूल जाने लगे हैं लेकिन हमारे बच्चे घर बैठे हैं।

गत वर्ष विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने 1 महीने में सड़क निर्माण का आश्वासन दिया था लेकिन आज तक भी सड़क निर्माण और पानी निकासी की समस्या का समाधान नहीं हो पाया है।

प्रदर्शन की सूचना पर स्थानीय पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और कॉलोनी वासियों से समझाइस की लेकिन कॉलोनी वासी मौके पर उच्च अधिकारियों को बुलाने पर अडे रहे। मौके पर पहुंचे पीडब्ल्यूडी एक्सईएन चंद्रप्रकाश गुर्जर ने कॉलोनी वासियों को समझाइश करते हुए बताया कि किसी भी प्रकार का कन्फ्यूजन ना रखें नगर निगम की ओर से चाकसू नगर पालिका क्षेत्र के लिए विभिन्न सड़कों के लिए 6 करोड़ की ऑर्डर मिले हैं जिसके तहत चाकसू नगर पालिका क्षेत्र के सूरज कुंड रोड के 1 किलोमीटर सड़क निर्माण के 95 लाख की स्वीकृति मिल चुकी है। टेंडर होकर कार्य आदेश जारी कर दिए गए हैं मौके पर पहुंचे ठेकेदार एवं एक्सईएन गुर्जर ने आगामी 15-16 जुलाई से काम शुरू करने का आश्वासन देकर कॉलोनी वासियों से धरना समाप्त करवाया।

हादसे में इकलौते बेटे की मौत

जयपुर/कालवाड़, (निसं)। क्षेत्र में पुलिस एवं परिवहन विभाग की अनदेखी के चलते ओवरलोड तेज गति में दौड़ रहे डंपर जानलेवा साबित हो रहे हैं। खोराबीसल के मुख्य बस स्टैंड पर डंपर ने बाइक को चपेट में ले लिया जिससे छात्र की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आलोक गिरी (17) पुत्र जयनाथ गिरी निवासी कल्याण नगर रोजदा रोड खोराबीसल अपने साथी ललित के साथ स्कूल से बाइक पर घर जा रहा था। इसी दौरान खोराजी चौक के पास तेज गति में गलत दिशा में आए डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल अवस्था में छात्रों ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां से गंभीर घायल होने पर जयपुर के सवाई मानसिंह चिकित्सालय में रैफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया। वहीं पुलिस ने दुर्घटना स्थल पर जाकर मामले की जांच की। दुर्घटना के बाद चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर भाग गया जिसे पुलिस ने जब्त किया। वहीं मृतक के जीजा रामचरण शर्मा निवासी गांव श्रीपुरा ने करधनी थाने में दुर्घटना का मामला दर्ज करवाया।

आलोक गिरी अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र व दो बड़ी, छोटी बहनों भाई का इकलौता भाई था।

सार-समाचार

कलश यात्रा में जन सैलाब उमड़ा

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर मंगलवार को श्रीमद् भागवत अमृत कथा शुभारंभ के मौके पर निकाली गई कलश यात्रा में हजारों की संख्या में धार्मिक श्रद्धालुओं की श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। इस भव्य कलश यात्रा के दौरान हजारों की संख्या में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर जैसे ही निकली तो पूरे लालसोट कस्बे में धार्मिक रंग चढ़ा हुआ दिखाई दिया। यह कलश यात्रा अशोक शर्मा राजकीय विद्यालय के खेल मैदान से शुरू हुई। कलश यात्रा की अगवानी पूज्य महामंडलेश्वर ईश्वर दास महाराज ऋषिकेश एवं गौ भक्त चंद्रमादास, पुजारी हनुमान गढ़ी अयोध्या एवं कथा आयोजक महंत अवधेश दास महाराज द्वारा आलौकिक रथ पर सवार होकर की गई। कलश यात्रा कार्यक्रम स्थल खटवा रोड गौरव पथ पहुंची। कथा स्थल पर संतों द्वारा श्रीमद् भागवत कथा ग्रंथ की विधिवत पूजा अर्चना करने के साथ इस कार्यक्रम की कलश स्थापना की गई। इसके पश्चात श्रीमद् भागवत कथा ग्रंथ एवं कलश की विशेष आरती कर इस धार्मिक कार्यक्रम का आगाज किया गया।

विधायक इंद्राज गुर्जर महासचिव बने

पावटा, (निसं)। विधायक इंद्राज गुर्जर को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी का महासचिव बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष पूर्व प्रधान महादेव यादव, बडनगर सरपंच रामकरण यादव, लुहाकना जीएसएस अध्यक्ष रामजीलाल मीणा, सरपंच संघ जिला अध्यक्ष मेहरसिंह धनकड, वेदप्रकाश बाकोलिया ने बताया कि कार्यकर्ताओं ने विधायक इंद्राज गुर्जर के निवास पर ढोल बाजों व फूलमालाओं से भव्य स्वागत किया मिठाई खिलाकर बधाई देते हुए विधायक इंद्राज गुर्जर को प्रदेश महासचिव बनाए जाने पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष सचिन पायलट का आभार जताया। इस दौरान विधायक इंद्राज गुर्जर ने संगठन द्वारा नई जिम्मेदारी दिए जाने पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा व सचिन पायलट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी हमें सौंपी है उसे पूरे लगन से निर्वहन के साथ ही संगठन को मजबूत बनाने का काम करेंगे। इस अवसर पर स्वागत करने वालों में प्रधान प्रतिनिधि कैन्हयालाल गुर्जर, पूर्व सरपंच श्रवण फागणा, जिला पार्षद प्रतिनिधि राजेश यादव, उपप्रधान प्रतिनिधि नाथूलाल यादव, सीताराम शर्मा, ब्लॉक महासचिव महेंद्र खजोतिया, एनएसयूआई अलवर जिलाध्यक्ष राकेश चौधरी, दशरथ यादव, एडवोकेट नरेश यादव, रामकुमार यादव, रमेश यादव, गोकुल सीतापुर समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

बाल विवाह के दुष्परिणाम बताये

बहरोड़/अलवर, (निसं)। तालुका विधिक सेवा समिति बहरोड़ के तहत नीमराणा नगरपालिका क्षेत्र के नव आदर्श स्कूल में पीएलवी किरण के द्वारा बढ़ती जनसंख्या एवं बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी देकर विद्यालय के बच्चों को जागरूक किया। इस दौरान तालुका विधिक सेवा समिति बहरोड़ के द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में स्कूल के निदेशक सतीश यादव, प्रधानाचार्या संगीता मैडम, पीटीआई श्याम सुंदर, पवन यादव, अजय यादव एवं रोशनी यादव आदि सहित विद्यालय का स्टाफ एवं बच्चे उपस्थित रहे।

कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार की रोज खुलती है एक परत : शेखावत

जयपुर। राज्य में भ्रष्टाचार को लेकर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गहलोत सरकार को घेरा। आरडीएसएस में टेंडरों में गड़बड़ी पर शेखावत ने कहा, कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार की रोज एक परत खुलती है। मंगलवार को शेखावत ने ट्वीट किया, कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार की रोज एक परत खुलती है। रोज पता चलता है कि गहलोत जी काले धन के पहाड़ पर कितने ऊंचे बैठे हैं। अब ये एक और सवाल 923 करोड़ का है, बताएं सीएम साहब ये पैसे कहां है? उन्होंने कहा कि आप इस सवाल को नकार देंगे, क्योंकि टेंडर में हेरा-फेरी कांग्रेस के सिस्टम का हिस्सा है। आप और आपकी थैली के सारे चट्टे-बट्टे करप्शन को नार्मल मानते हैं और चाहते हैं जनता और विपक्ष भी यही सोचे।

लोगों को मतदान हेतु प्रेरित किया

कोटपूतली, (निसं)। स्वीप कार्यक्रम के तहत विधानसभा क्षेत्र कोटपूतली में इलैक्ट्रॉनिक मशीन एवं वीवीपैट का प्रदर्शन कर लोगों को मतदान हेतु प्रेरित किया जा रहा है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एसडीएम सूर्यकांत शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि आम नागरिकों को मतदान के प्रति रुचि जागरूक करने एवं मतदान प्रक्रिया को समझने हेतु 04 ईडीसी केंद्र तहसील कार्यालय, पंचायत समिति, जिला बीडीएम अस्पताल व नगर परिषद कार्यालय में प्रतिदिन 11 पैट एवं कंट्रोल यूनिट बैलेट यूनिट का डेमोस्ट्रेशन किया जा रहा है। इसमें नवमतदाता, युवाओं व महिलाओं को मतदान करवाकर मत प्रणाली समझाई जा रही है। इनकी मॉनिटरिंग हेतु ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की टीम का गठन किया गया है।

कांग्रेस के नेता हिन्दू आस्था पर कर रहे हैं कुठाराघात, मुख्यमंत्री करें कठोर कार्यवाही : सी.पी. जोशी

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी बिड़ला ऑडिटोरियम में स्टूडेंट स्किल्स एनरिचमेंट बोर्ड (बोर्ड ऑफ स्टडीज-ऑपरेशन्स) एवं आईसीएआई की 'अनंत्य' सी.ए. कॉफ्रेंस में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात की। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस के नेता हिन्दू आस्था पर कुठाराघात कर रहे हैं। सीता माता देश और दुनिया के करोड़ों लोगों की आस्था का विषय है उनपर अर्नगल बयानबाजी करके कांग्रेस के नेता हिन्दू आस्था पर कुठाराघात कर रहे हैं। ऐसे नेताओं पर मुख्यमंत्री कठोर कार्यवाही करके दिखाएं।

■ **'कांग्रेस नहीं करती महिलाओं का सम्मान, प्रदेश में बढ़ रहा है महिला अपराधों का ग्राफ'**

उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार नारी शक्ति की सुरक्षा नहीं कर पा रही, मुख्यमंत्री बलात्कार के 65 प्रतिशत मामले फर्जी बताते हैं, दुष्कर्म के मामले में इनके मंत्री विधानसभा में कहते है, राजस्थान तो मर्दों का प्रदेश है।

गहलोत सरकार की अकर्मण्यता और इनके मंत्रियों के बेतुके बयानों के कारण ही प्रदेश में महिला अपराधों में बेतहाशा बढोतरी हो रही है। सरकार के कुप्रबंध के चलते एक दर्जन से अधिक लोगों सीवरेज, सड़क के गड्ढों और नालो में बहकर अपनी जान गंवा चुके है और सरकार में बैठे लोग अर्नगल बयान देते हैं। आप लोगों के महत्वपूर्ण सहयोग से जिस देश ने हमें हमें वर्षो तक गुलाम बनाकर रखा आज उसे पछाड़कर भारत अर्थव्यवस्था में पांचवें नम्बर पर पहुंच गया है।

इंटरनेशनल मॉनेटरी फण्ड के अनुसार आने वाले कुछ वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। आज हमारे सी.ए. भाई बहन देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपनी ताकत, मेहनत और योग्यता का लोहा मनवा रहे हैं। जब भारत आजादी से 100 वर्ष पूरे करेगा तो दुनिया का सिरमौर होगा। सीपी जोशी ने कहा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत मजबूत हुआ है दुनिया में तिरंगे की ताकत बढ़ी है।

एक समय था जब भारत दुनिया के देशों का अनुसरण करता था, लेकिन आज भारत क्या कर रहा है, भारत का प्रधानमंत्री क्या कह रहा है, वह दुनिया करती है, यह बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। सीपी जोशी ने कहा युवा देश की शक्ति है, लेकिन गहलोत सरकार में प्रदेश के लाखों युवाओं का भविष्य खराब हो रहा है, राजस्थान ने पेपर लीक का रिकॉर्ड बनाया है।

लेकिन आप वे लोग है जो इस तरह के लीकेज को ठीक करके देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का काम करते हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को 10 साल की सजा

जयपुर, (निसं)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने और ब्लैकमेल कर जेवरात हड़पने वाले अभियुक्त सुमित सिंह को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 55 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म कर न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी उसे क्षति पहुंचाई है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि पीड़िता की मां ने एक जनवरी, 2022 को श्याम नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया, पीड़ित परिवार के संपर्क में आए अभियुक्त ने पीडिता की डायबिटीज का हिमाचल के मैक्लोडगंज में इलाज कराने का झांसा दिया। इस दौरान अभियुक्त ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया और उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया। वहीं अभियुक्त ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता से घर के जेवरात मंगा लिए और पचास हजार रुपए की भी मांग की। ऐसे में पीडिता ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। इस पर पीड़िता की मां ने थाने में अभियुक्त के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसे प्रकरण में फंसाया गया है और अभियोजन पक्ष के पास उसके खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य भी नहीं है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा सुनाते हुए जुर्माने से दंडित किया है।

कावड सेवा शिविर शुरू

पावटा, (निसं)। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को बाबा भूतनाथ कांवड सेवा संघ पावटा व संकल्प हरियाली गौ सेवा समिति के तत्वावधान में छठा कांवड सेवा शिविर व शक्ति कावड सेवा संघ के तत्वावधान में 21वां कांवड सेवा शिविर का मंगलवार को शुभारंभ भरतदास धाम टोरडा महंत मंगलदास महाराज, गोपाल भैया मन्दिर महंत मोहनदास रामायणी, बाबा भूत नाथ जोहडा धाम महंत केशवदास, भोमया जी महाराज महंत सेवादास महाराज व भाजपा पूर्व प्रदेश महामंत्री कुलदीप धनकड, मंगलदास महाराज, मोहनदास रामायणी सुनील शर्मा, समिति सचिव व आयोजक राजेश शर्मा ने पूजा अर्चना कर किया।

सेवा शिविर में कावड़ियों का सम्मान किया

किशनगढ़ बास, (निसं)। सावन का महीना चल रहा है। प्रदेश के विभिन्न शहरों व गांवों से शिवभक्त चलकर हरिद्वार से कावड़ लेकर घरों के लिए पैदल निकल पड़े हैं। रास्तों में कावड़ियों के लिए जगह जगह शिविर लग चुके हैं।

कोटकासिम भाजपा कार्यालय पर कावड़ियों के लिए शुरू किए गए शिविर का शुभारंभ पूर्व विधायक रामहेत यादव ने शिविर में ठहराव करने के लिए हरिद्वार से चलकर पहुंचे शिवभक्त कावड़ियों का तिलक लगाकर माला दुपट्टा पहनाकर स्वागत कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर पूर्व विधायक यादव ने कहा भाजपा का कार्यकर्ता पार्टी की जिम्मेदारी के साथ सामाजिक सरोकारों को भी पूरा करता है। यादव ने कहा भोले शंकर का अटूट विश्वास कठिन से कठिन मुश्किलों को आसान कर हमें कावड़ लाने के लिए हौसला देता है।

इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष रामनिवास यादव पूर्व मंडल अध्यक्ष अनूप सिंह यादव महंत अशोक कौशिक सरपंच ओमेश चौधरी हरसोली सरपंच ओम प्रकाश गुलेरिया पूर्व सरपंच धनपत सिंह यादव हरसोली मंडल अध्यक्ष पूर्ण सिंह झाबूला युवा नेता मुन्ना यादव धर्म सिंह गुरुजी डॉक्टर अर्जुन सिंह जाट जय भगवान चेयरमैन गजराज लंबरदार आदि मौजूद रहे।

आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग

निवाई, (निसं)। उपखण्ड अधिकारी कार्यालय में मंगलवार को मंत्रालयिक कर्मचारियों ने उनियारा में ग्राम विकास अधिकारी के साथ हुई मारपीट के आरोपियों को गिरफ्तार करवाने की मांग को लेकर उपखण्ड अधिकारी रविकांतसिंह को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा है। मंत्रालयिक कर्मचारी सुनिल कुमार ने बताया कि पंचायत समिति उनियारा में कार्यरत ग्राम विकास अधिकारी नरेन्द्र कुमार मीणा के साथ 10 जुलाई को मारपीट कर दी। जिससे समस्त मंत्रालयिक कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। उन्होंने आरोपी शिवराज मीणा को गिरफ्तार कर कार्यवाही करवाने की मांग की है।

ग्राम पंचायत भवन का शिलान्यास किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। पंचायत समिति श्रीमाधोपुर में नवगठित ग्राम पंचायत नांगल भीम के बनने वाले पंचायत भवन का शिलान्यास आलावाली जोहड़ा में किया। जानकारी के अनुसार नवसृजित ग्राम पंचायत नांगल भीम का पंचायत भवन करीब 50 लाख रुपए की लागत से बनकर तैयार होगा। जिसका शिलान्यास मंगलवार को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष तथा विधायक दीपेंद्र सिंह शेखावत ने किया।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नांगल भीम में समसा के तहत निर्मित कर दो कक्षा कक्षों व विधायक कोष से निर्मित कक्षा कक्ष का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक दीपेंद्र सिंह शेखावत पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने किया। विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बालकों के द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी गई। मंच पर अतिथियों में ग्राम के शिवपाल सिंह वैद्य, सुखबीर सिंह बौद्ध ,उपखंड अधिकारी दिलीप सिंह राठौड़, विकास अधिकारी अजय सिंह नाथावत, सिहोडी सरपंच सुंदर भावरिया, सरपंच बागरियावास केसर सिंह शेखावत , प्रधान प्रतिनिधि घासीराम यादव आदि मौजूद रहे।

नगर पालिका चौराहे पर निरंतर जाम से राहगीर परेशान !

बौंली, (निसं)। क्षेत्र के नगर पालिका चौराहे उपखंड मुख्यालय बौंली पर हमेशा जाम जैसी स्थिति बनी रहती है।

नगरपालिका चौराहे से सवाई माधोपुर, लालसोट व निवाई सड़क मार्ग एवं बौंली प्रमुख नगर में प्रवेश का सड़क मार्ग है इस कारण यहां हमेशा यातायात का दबाव बना रहता है। यहां से टोंक, दौसा व सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय पर जाने वाले वाहन भी इसी मार्ग से गुजरते हैं एवं महाविद्यालय व विद्यालयों में ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले अध्ययनरत छात्र- छात्रा भी अपने या विद्यालयों के वाहनों से इसी मार्ग से आते-जाते रहते हैं इस कारण इस चौराहे पर हमेशा यातायात का दबाव बना रहता है। यहां पर मुख्य चौराहे के आसपास फल-सब्जी वाले, कचोरी-समोसे वाले एवं निजी बस वाले व अन्य बाइक व फोर व्हीलर वाले अपने वाहनों को बेतरतीब खड़ा कर देते हैं इस कारण यहां से निकलने वाले बस, डंपर, ट्रैक्टर जो भी कोई साधन होता है उसे निकलने में बहुत परेशानी होती है। इस समस्या को लेकर श्रद्धा ओम त्रिवेदी एवं चंद्र प्रकाश सिंघल ने जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल एवं नवनियुक्त बौंली सीओ मीना मीणा को भी प्रेस वार्ता के दौरान अवगत कराया था। सीओ मीना मीणा ने यहां पर हमेशा यातायात सुचारू रखने के लिए एक कांस्टेबल नियुक्त करने का भरोसा दिलाया था लेकिन 1 दिन भी स्वयं ने या किसी पुलिसकर्मी ने आकर यहां की इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दिया। नगरपालिका चौराहे पर निजी बसों बाईको व अन्य ठेलों के कारण रोड पर हमेशा बहुत कम जगह निकलती है एवं वाहनों को निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वर्तमान में स्टेट हाईवे 117 का कार्य भी चल रहा है लेकिन उन्होंने वैकल्पिक मार्ग को सुचारू कर रखा है यह समस्या पुलिस विभाग की अनदेखी का ही एक कारण है यहां एक जवान तैनात रहे तो इस प्रकार मेन रोड पर बाइक व अन्य साधनों को कोई भी खड़ा नहीं करेगा एवं आम आदमी को भी जाम की परेशानी से निजात मिल सकेगी। इस समस्या को लेकर जब सीओ मीना मीणा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि अभी मैं जयपुर हूं और पुलिस को सूचना देकर जाम की व्यवस्था संभालती हूं।

बौंली के नगर पालिका चौराहे पर हमेशा जाम जैसी स्थिति रहने से राहगीर परेशान।

जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा

मालपुरा, (निसं)। उनियारा पंचायत समिति विकास अधिकारी के साथ बीते दिन हुई मारपीट के नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर मालपुरा पंचायत समिति के कार्मिकों ने जिला कलेक्टर के नाम तहसीलदार सहदेव मंडा को ज्ञापन सौंपा।

जयनारायण जाट ने बताया कि 10 जुलाई को उनियारा पंचायत समिति परिसर मे विकास अधिकारी नरेन्द्र कुमार मीणा के साथ शिवराज मीणा द्वारा मारपीट कर राजकार्य मे बाधा पहुंचाई गई जिसकी विकास अधिकारी की और से अलीगढ थाना पुलिस को नामजद रिपोर्ट दर्ज करवाने के बावजूद कार्यवाही नही होने से पंचायतराज कार्मिको मे गहरा आक्रोश व्याप्त है। नामजद आरोपी को तत्काल गिरफतार कर कार्यवाही की मांग की गई। साथ ही कार्यवाही मे शिथिलता बरतने पर पंचायत राज कार्मिको द्वारा आंदोलन कर राज के कार्य का बहिष्कार किये जाने की चेतावनी दी गई। सोशल मिडिया पर वायरल हुई रिपोर्ट के बावजूद आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही के बजाय उसे संरक्षण देने पर भी कार्मिको ने कडी नाराजगी जताई।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विजेता बॉडी बिल्डरों का सम्मान

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान स्टेट बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन जयपुर राजस्थान के तत्वावधान में साउथ एशियन बॉडी बिल्डिंग चैम्पीयनशिप में जीत कर आए खिलाड़ियों के सम्मान में आज मैरियट होटल में सम्मान भोज आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और राज्यसभा सांसद नीरज डांगी ने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह के समक्ष खिलाड़ियों को बधाई दी, माला पहनाई और उनका उत्साह-वर्धन किया, उन्होंने बताया कि ये राजस्थान में 5 खिलाड़ियों ने प्रदेश का नाम रोशन किया ये बड़े गर्व की बात है। हम सभी इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बहुत आनंदित है और आशा करते है कि सभी खिलाड़ी आगे भी ऐसे ही चमकदार प्रदर्शन करते रहेंगे।

राजस्थान स्टेट बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन यादव ने बताया कि विषम परिस्थितियों से लड़कर हमारे खिलाड़ियों ने प्रदेश का नाम ऊंचा किया है। निश्चित ही वो सम्मान के योग्य है। हमारे खिलाड़ी बिना किसी सुविधा के भी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करते हैं यदि उन्हें समाज और सरकार से सहयोग प्राप्त हो और ये संख्या अधिक हो सकती हैं। नवीन यादव ने ये भी बताया कि आने वाले समय में हम खेल और खिलाड़ियों के उत्थान के लिए भरसक प्रयास करेंगे और अधिक से अधिक प्रतिभाओं को आगे आने का मार्ग प्रशस्त करेंगे, हमारा मुख्य उद्देश्य खेलों के माध्यम से प्रदेश और देश का नाम ऊंचा करना है।

प्रमुख समाज सेवी राजन शर्मा ने खिलाड़ियों को 51000 रुपये का चेक प्रदान किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पुलिस पूर्व महानिदेशक डॉ.भूपेन्द्र यादव और रामवतार जाखड़ अध्यक्ष राजस्थान स्टेट ओलिम्पिक एसोसिएशन रहे। कार्यक्रम में पूर्व मेयर ज्योति खण्डेलवाल के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुमान सिंह संजेश अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

राजस्थान स्टेट बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन जयपुर राजस्थान की ओर से साउथ एशियन बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप में जीत कर आए खिलाड़ियों के सम्मान में भोज आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान राज्यसभा सांसद नीरज डांगी भी मौजूद थे।

पांच माह की बच्ची से रिश्तेदार ने की दुष्कर्म की कोशिश

प्रकरण के संबंध में बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष संगीता बेनीवाल ने प्रसंज्ञान लिया

- आरोपी के विरुद्ध पोक्सो अंतर्गत केस दर्ज किया

पाली, (नि.सं.)। जिले के एक थाना क्षेत्र में पांच महीने की बच्ची को घर में अकेला पाकर उसके दादा की उम्र के रिश्तेदार ने रेप करने का प्रयास का मामला सामने आया है। उक्त प्रकरण को बाल संरक्षण आयोग द्वारा गंभीरता से लिया गया है।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए घटना की पूर्ण जांच कर आरोपी के खिलाफ कठोर कार्यवाही करवाकर तथ्यात्मक रिपोर्ट तीन दिवस में आयोग कार्यालय को प्रेषित करने के लिए अतिरिक्त महानिदेशक (सिविल राईट्स), पुलिस महानिरीक्षक, जोधपुर एवं पुलिस अधीक्षक, पाली को पत्र लिखा गया है। साथ ही दूरभाष पर भी पुलिस अधीक्षक, पाली को आरोपी के विरुद्ध पोक्सो अंतर्गत केस दर्ज कर प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है। संगीता बेनीवाल ने बताया कि राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग बाल अपराधों को लेकर गंभीर है तथा बालकों के अधिकारों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए आयोग प्रयासरत है।

दुष्कर्म के बाद 12 वर्षीय बालिका गर्भवती

पेट में दर्द होने की शिकायत पर लगा पता

रामसिंहपुर, (निसं)। मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। इसमें दुष्कर्म के बाद एक 12 वर्षीय बालिका गर्भवती हो गई। एसएचओ बिशनसहाय ने बताया कि जिला चिकित्सालय पर एक नाबालिग लड़की ने पेट दर्द की शिकायत की। जांच करने पर डॉक्टरों ने पाया कि बालिका गर्भवती थी। विश्वास में लेकर उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसके परिजन क्षेत्र के एक ईंट-भट्ठे पर काम करते हैं। कुछ माह पहले रात्रि जागरण के लिए एक मंडली आई थी उसमें से एक युवक ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। डर के मारे उसने अपने घर वालों को कुछ नहीं बताया। पेट दर्द होने पर उसने अस्पताल आकर दिखाया तो मामला सामने आया। एसएचओ ने बताया कि लड़की का मेडिकल करवाया गया है रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। लड़की के बयान के आधार पर लड़के की पहचान कर ली गई है। संभवत वह भी नाबालिग है। मामले की जांच अनूपगढ़ के डीएसपी पुष्पेंद्र सिंह को सौंप दी गई है।

अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में दो गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जवाहरनगर थाने की दो टीमों ने दो अलग-अलग कार्रवाई में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से दो पिस्तौल, चार कारतूस, दो चले हुए कारतूस व कार सहित 3 आरोपी गिरफ्तार किए हैं।

आरोपियों के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किए गए हैं। एसपी परिस देशमुख ने बताया कि जवाहरनगर थाना प्रभारी आईपीएस रमेशकुमार के निर्देश पर पुलिस टीम ने गश्त के दौरान गोपनीय सूचना के आधार पर आरोपियों को 4 जैड की रोही में पकड़ा। आरोपी जशनदीप सिंह के कब्जा से एक देशी पिस्तौल लोडेड, एक कारतूस व 2 चले हुए कारतूसों के खोल सहित पकड़ा। उसके साथ कार में सवार मानसिंह से 3 जिंदा कारतूस सहित एक कार स्विफ्ट के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के खिलाफ दर्ज मुकदमे की जांच एएसआई साहबराम बाजिया को सौंपी गई है। गिरफ्तार आरोपी जशनदीप सिंह करीब 2 साल पूर्व अपने अन्य साथियों के साथ रीको श्रीगंगानगर में हुए लालचंद नाथ निवासी नेतेवाला की हत्या के मामले में करीब 6 माह तक जेल में रह चुका है। इसके अलावा आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास, मारपीट आदि के 6 मुकदमे दर्ज हैं।

आरोपी मान सिंह चोरी के मामले में वांछित चल रहा था। मामले की जांच में पता चला कि पीडित किशोरी एक हमउम्र किशोरी के साथ 8 जुलाई की शाम को बिना किसी से अनुमति लिए गायब हो गई थी। ये दोनों बस स्टैंड के आसपास कहीं जाने को भटक रहीं थी लेकिन पास में किराए के पैसे नहीं थी। उसी दौरान आरोपी यादी धोबी की इन पर नजर पड़ी। उसने दोनों किशोरियों को पुलिस से बचाने और उनके चाहे गए स्थान पर भेजने में मदद का भरोसा देकर विश्वास जीत लिया। इसके बाद वह दोनों को मोटरसाइकिल पर बैठाकर बहाने से अपने घर ले गया और फिर पीडिता से दुष्कर्म किया। पुलिस अनुसंधान में सामने आया कि पीडिता किशोरी को मुकलावा पुलिस ने करीब 8-10 दिन पहले पंजाब से बरामद किया था।

दूसरी टीम ने सूचना पर अग्रसेन चौक के पास शिव वाटिका के निकट आरोपी मनीष के कब्जा से एक देशी पिस्तौल जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ दर्ज किए गए मुकदमे की जांच एसआई धर्मपाल वर्मा को सौंपी गई है। श्रीगंगानगर पुरानी आबादी थाने का हिस्ट्रीशीटर आजाद उर्फ यादी उर्फ आजादी धोबी को किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ एक किशोरी ने महिला थाना में मुकदमा दर्ज करवाया था।

थानाधिकारी व हैड कांस्टेबल डेढ लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

- जालोर के करड़ा थाना पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत 6 जुलाई को प्रकरण दर्ज किया था
- अनुसंधान के दौरान हवालात में कोई मारपीट नहीं करने के एवज में रिश्वत मांगने का परिवाद एसीबी को प्राप्त हुआ था

जालोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो सिरोही की टीम ने सोमवार देर रात को ट्रेप की कार्यवाही करते हुए जालोर जिले के करड़ा थानाधिकारी अमरसिंह व एक हेड कांस्टेबल को डेढ़ लाख रुपए रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

सिरोही एसीबी के एएसपी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि जालोर के करड़ा थाना पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत 6 जुलाई को प्रकरण दर्ज किया था। जिसमें शराब परिवहन के लिए प्रयुक्त वाहन बिना नंबरी मैक्स पिकअप के मालिक मांगीलाल विश्नोई को प्रकरण में आरोपी नहीं बनाने एवं इस प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी दिनेश विश्नोई पुत्र आसूराम विश्नोई के साथ अनुसंधान के दौरान हवालात में कोई मारपीट नहीं करने के एवज में रिश्वत मांगने का परिवाद एसीबी को प्राप्त हुआ। इस प्रकरण में करड़ा थानाधिकारी व अनुसंधान अधिकारी अमरसिंह के कहेनुसार पहले उसके अधिनस्थ हैड कानिस्टेबल प्रतापाराम द्वारा मैक्स पिकअप गाडी मालिक मांगीलाल विश्नोई को मुलजिम नहीं बनाने की एवज में 10 जुलाई सुबह को परिवादी वलदरा (सिरोही) निवासी मनोहरसिंह चारण पुत्र खेतदान चरण से डेढ लाख रुपए रिश्वत की मांग की। उसी दौरान कुछ समय बाद इसी परिवादी से थानाधिकारी अमरसिंह स्वयं द्वारा हवालात में बंद आरोपी दिनेश विश्नोई के साथ मारपीट नहीं करने की एवज में अलग से तीस हजार रुपए की रिश्वत की मांग की, इस प्रकार दोनों आरोपितों द्वारा परिवादी से अलग-अलग कुल 1 लाख 80 हजार रुपए रिश्वत की मांग की गई। जिस पर आरोपितों के विरुद्ध इसी दिन देर शाम को ट्रेप कार्यवाही की गई।

करड़ा में ही नीलकंठ महादेव होटल के पास स्थित भाजपा कार्यालय में आरोपी हेड कांनिस्टेबल प्रतापाराम ने परिवादी से डेढ लाख रुपए प्राप्त कर थानाधिकारी द्वारा मांगे गये तीस हजार रुपए भी थानाधिकारी द्वारा उसे ही लेने का कहने पर परिवादी ने कन्फर्म कराने का कहा तो आरोपी हैड कॉनिस्टेबल ने परिवादी के सामने थानाधिकारी से वॉट्सऐप कॉल पर वार्ता की। परिवादी को भी अपने मोबाइल वॉट्सएप से वार्ता करवाई तो थानाधिकारी ने स्वयं द्वारा मांगे गए तीस हजार रुपए भी हैड कांनिस्टेबल प्रतापराम को देने के लिए परिवादी को कहा गया। जिस पर थानाधिकारी के लिए 1.50 लाख रुपए रिश्वत लेते हुए हेड कांनिस्टेबल वाडा भाडवी (बागोडा) निवासी प्रतापाराम पुत्र मूलाराम को रंगे हाथों दस्तियाब किया। वहीं हेड कांनिस्टेबल को दस्तयाब करने के बाद चाणोद (तखतगढ) निवासी हाल करड़ा थानाधिकारी अमरसिंह पुत्र अचलसिंह को भी करड़ा में स्थित स्वयं के किराये के आवास से दस्तयाब किया गया। कार्यावाही दल में एसीबी ब्यूरो के निरीक्षक पदमपालसिंह भाटी, हेड कांस्टेबल मोहनराम, कांस्टेबल सोहनराम, अमरसिंह, रामकुमार सिंह, वचनाराम, रमेश, सुरेशदान, दीक्षा, गणेश आदि शामिल रहे।

इंद्रप्रस्थ गैस लि. की 13 करोड़ की बैंक गारंटी जब्त

अजमेर निगम आयुक्त ने 31 अगस्त तक शहर में खुदाई कार्य पर लगाई रोक

- अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ की बैठक

अजमेर, (कासं)। नगर निगम ने इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईएलजी) की बैंक गारंटी जप्त करने के लिए बैंक को पत्र जारी किया है। कंपनी ने गैस पाइन लाइन डालने के दौरान रोड-रेस्टोरेशन का कार्य संतोषजनक नहीं करने के कारण 13 करोड़ की बैंक गारंटी को कैश करने हेतु बैंक को लिखा है ताकि राशि प्राप्त होने पर नगर निगम सभी रोड को ठीक करा सके।

नगर निगम आयुक्त सुशील कुमार की पहल पर मंगलवार को सभी विभागों को एक मंच लाते हुए निगम कार्यालय में शहर की सड़कें दुरूस्त रखने के लिए बैठक की। जिसमें प्रमुख रूप से पीडब्ल्यूडी, एडीए, एवीवीएनएल, पीएचईडी, टाटा पावर सहित अन्य विभागों के अधिकारी शामिल थे। बैठक के दौरान आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे 31 अगस्त रोड कटिंग का कार्य नहीं करेंगे। अत्यधिक आवश्यकता होने पर जैसे टाटा पावर व पीएचईडी को पानी की पाइप लाइन डालनी है तो पूर्व में स्वीकृति ले ली जाए।

उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया है कि अपने-अपने स्तर पर 2 से 3 माह का प्लान बनाकर रखें। प्रति माह के दूसरे मंगलवार को निगम की बैठक में उस पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। यदि कोई विभाग कार्य कर रहा है तो अन्य विभागों को भी इसकी जानकारी होनी चाहिए। निगम आयुक्त के निर्देश पर संबंधित सभी विभागों का वाट्सएप ग्रुप बनाया है। संबंधित विभाग के अधिकारी अपने-अपने विभागों में किए जाने वाले कार्यों की सूचनाओं का आदान- प्रदान करेंगे।

पुलिस इंस्पेक्टर और कॉन्स्टेबल की गोली मार हत्या करने वालों को उम्रकैद

दिवंगत इंस्पेक्टर और कांस्टेबल की तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित की।

जयपुर/सीकर, (निसं)। सीकर जिले के थाना कोतवाली फतेहपुर एसएचओ मुकेश कुमार कानूनगो और कॉन्स्टेबल रामप्रकाश की करीब पौने तीन साल पहले गोली मार कर हत्या के मामले में मंगलवार को अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश फतेहपुर शेखावाटी द्वारा सात आरोपियों को दोषी मानते हुए उन्हें उम्र कैद की सजा सुनाई है। मामले की पैरवी अपर लोक अभियोजक रामचंद्र माहिचा ने की जबकि केस ऑफिसर सीओ फतेहपुर राजेश कुमार रहे।

उल्लेखनीय है कि 6 अक्टूबर 2018 की रात में एसएचओ कोतवाली फतेहपुर मुकेश कुमार कानूनगो, कॉन्स्टेबल रामप्रकाश, रमेश तथा सांवरमल हथियार समेत बदमाश अजय चौधरी और जगदीप उर्फ धनकड़ के बारे में मिली सूचना पर निजी वाहन से रवाना हुए। उदंनसर स्टैंड से करीब 2 किलोमीटर पहले एक बोलेरो को रोककर चेक करने की कोशिश की तो उसमें से अजय चौधरी, जगदीप उर्फ धनकड़, दिनेश आचार्य उर्फ लारा निवासी फतेहपुर, ओमप्रकाश उर्फ ओपी निवासी जलालसर तथा तीन-चार अन्य व्यक्ति गाड़ी से नीचे उतरे और अजय चौधरी ने इंस्पेक्टर मुकेश कानूनगो और जगदीप उर्फ धनखड़ ने रामप्रकाश कॉन्स्टेबल को गोली मार दी। बाकी बदमाशों ने पुलिस जाब्ते पर फायरिंग की। आईजी रेंज जयपुर के निर्देश पर तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वीर सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई कर घटना में शामिल आरोपी अजय चौधरी, दिनेश कुमार उर्फ लारा, जगदीप उर्फ धनकड़, ओम प्रकाश उर्फ ओपी, रामपाल, अनुज उर्फ छोटा पांड्या उर्फ लोढया और आमिर को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने इन आरोपियों को शरण देने और भागने में मदद करने वाले आरोपित कैलाश नागौरी, बलवीर सिंह, किरण पाल उर्फ मनीष, संजय कुमार धींवा, दिनेश कुमार जाट, विजेंद्र सिंह, अमित कुमार, राजू उर्फ राजेंद्र नैण, हंसराज यादव, सुरेंद्र कुमार, कुलदीप चाहर और सुगना देवी व सुमित्रा उर्फ सुमन को गिरफ्तार कर अनुसंधान के बाद सभी 20 आरोपियों के विरुद्ध कोर्ट में चालान पेश किया। पुलिस मुख्यालय के जघन्य अपराधों में केस ऑफिसर स्कीम के तहत चयन कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश के अंतर्गत एसपी सीकर करण शर्मा के निर्देशन, एडिशनल एसपी रामचंद्र मुंड के सुपरविजन में केस ऑफिसर और हाईकोर्ट बेंच जयपुर के निर्देश पर सीओ फतेहपुर राजेश कुमार को नोडल ऑफिसर नियुक्त किया गया। केस ऑफिसर द्वारा गवाहों को गवाही से पहले ब्रीफ कर अभियोजन पक्ष में कुल 121 गवाहों के बयान करवाये। अभियुक्तों द्वारा जमानत के लिए पेश की गई याचिकाओं के संबंध में राजकीय अधिवक्ता के मार्फत कोर्ट में पेश होकर जमानत याचिकाएं खारिज करवाई गई। मंगलवार को कोर्ट द्वारा सात अभियुक्तों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। इस दौरान वृत फतेहपुर के सभी पुलिसकर्मियों सीओ राजेश कुमार के नेतृत्व में कोर्ट में मौजूद थे।

इन्हें मिली उम्रकैद की सजा :- अजय चौधरी पुत्र रामकुमार (22) निवासी वार्ड नंबर 2 थाना कोतवाली फतेहपुर, दिनेश कुमार उर्फ लारा पुत्र ओमप्रकाश आचार्य (23) निवासी आचार्यों का मोहल्ला थाना कोतवाली फतेहपुर, जगदीप उर्फ धनकड़ पुत्र शीशपाल (24) निवासी खांजी का बास थाना सदर फतेहपुर, ओम प्रकाश उर्फ ओपी पुत्र सोहनलाल (23) निवासी जलालसर थाना सदर फतेहपुर, रामपाल पुत्र गिरधारी लाल (24) निवासी सुरजन पुरा थाना उदयपुरवाटी जिला झुंझुनू, अनुज उर्फ छोटा पांड्या उर्फ लोढया पुत्र बलवंत जाट (24) निवासी भादडवास थाना मंडावा हाल थाना फतेहपुर सदर और आमिर पुत्र खान मोहम्मद (26) निवासी चूड़ीमियां थाना बारा जिला सीकर है।

सेना के जवान का निधन

धौलपुर, (निसं)। बसेड़ी कस्बा के हवेली थोक निवासी सेना के जवान उपेंद्र सिंह परमार उर्फ मोनू पुत्र गिरेन्द्र सिंह परमार का बीमारी के चलते मंगलवार को निधन हो गया। शाम करीब चार बजे जवान का पार्थिव शव तिरंगे में लिपटा हुआ आर्मी के वाहन में कस्बा बसेड़ी पहुंचा तो ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा।

कुछ दिन की बात है हमारा राज आने वाला है : पूर्व सी.एम. राजे

- राजे से भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने करौली में भ्रष्टाचार चरम पर होने की शिकायत की

करौली, (निसं)। सवाईमाधोपुर से करौली होते हुए धौलपुर जा रही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का करौली में प्रवेश करते समय और करौली सीमा से निकलने तक उनका जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। वहीं भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने करौली में भ्रष्टाचार चरम पर होने की शिकायत की जिस पर पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने कहा कि कुछ दिन की बात है राज हमारा आने वाला है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के करौली जिले की सीमा में प्रवेश करते समय भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष भैरू सिंह जादौन के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने माला साफा पहना कर और मदन मोहन जी, कैला मैया की तस्वीर भेंट कर स्वागत किया। इससे आगे चलने पर कुड़गांव गंगापुर मोड़ पर भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। करौली शहर में प्रवेश करते समय मदन मोहन स्वामी, टोनू राजोरिया सहित भाजपाइयों ने माला गुलदस्ता भेंट कर शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया।

इधर करौली के सर्किट हाउस के सामने भाजपा के शहर मंडल अध्यक्ष योगेश शर्मा उर्फ योगी के नेतृत्व में सैकड़ों भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता अशोक पाठक, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रहलाद सिंहल,जिला उपाध्यक्ष सुरेश शुक्ला, शहर मंडल महामंत्री आशीष जैन एडवोकेट, तेजेंद्र सिंह, आशुतोष, विक्की, कुलदीप सिंह धाभाई, गजेंद्र शर्मा एडवोकेट, द्वारका प्रसाद, वासुदेव गुप्ता, प्रशांत सारस्वत, गजेंद्र भारद्वाज, कसेड के पूर्व सरपंच बाबूलाल मीणा, ओमदास त्यागी, अशोक चतुर्वेदी सहित दर्जनों भाजपाइयों ने मदन मोहन जी व कैलामैया की तस्वीर, गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया उधर मासलपुर चुंगी के पास भाजपा नेता संभावित प्रत्याशी सतवीर चंदीला ने अपने कार्यालय के सामने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का गुलदस्ता भेंट कर और मॉ. कैलादेवी, मदन मोहनजी की तस्वीर भेंट कर स्वागत किया।

इस दौरान भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने करौली जिले में बढ़ते भ्रष्टाचार की शिकायत की जिस पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा करौली वाले दूरी नहीं बनाएं और आगे राज हमारा आने वाला है सब देख लेंगे। इसके अलावा सवाई माधोपुर से धौलपुर जाते समय ग्राम अटा में पूर्व प्रधान विद्या देवी सैनी और माली समाज के जिला अध्यक्ष जमुना लाल के आवास पर पहुंची पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया का करौली पंचायत समिति के पूर्व प्रधान विद्या देवी सैनी और माली समाज के जिला अध्यक्ष जमुनालाल के द्वारा पुष्पगुच्छ और शॉल पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं करौली के पूर्व विधायक सुरेश मीणा ने अपने गांव सलेमपुर में भारी संख्या में खड़े ग्रामीणो के बीच पूर्व मुख्यमंत्री का चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया जिस पर वसुंधरा राजे खुश नजर आईं।

सड़क मार्ग के लिए खेतों में खड़ी फसल पर प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

खेतों में खड़ी फसल चलते बुलडोजर को देख किसानों ने हंगामा किया

- 'जो फसल खुर्द-बुर्द की गयी थी वो गैर मुमकिन जगह पर थी जहां सडक बनना प्रस्तावित है'

सुजानगढ़ के गोपालपुरा गांव में प्रशासन द्वारा खेत से हटाई गयी फसल।

सुजानगढ़, (निसं)। बीदासर-सुजानगढ़ निर्माणाधीन सड़क को लेकर मंगलवार को गोपालपुरा गांव में राजस्व विभाग ने खेतों में खड़ी फसल पर बुलडोजर चलाते हुए अतिक्रमण हटाया। खेतों में खड़ी फसल चलते बुलडोजर को देख किसानों ने कार्रवाई कर रही राजस्व टीम का विरोध करते हुए हंगामा किया लेकिन मौके पर मौजूद प्रशासन ने किसानों की बिना सुने ही कार्रवाई जारी रखी।

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष आंनद पिलानियां के खेत में हुई कार्रवाई के बाद पिलानियां ने अपनी ही सरकार के अधिकारियों पर निर्दयता पूर्वक कार्रवाई करने का आरोप लगाया। पिलानियां ने कहा कि उनके खेत के पास से गांव का सबसे पुराना कटानी रास्ता जा रहा है। फिर भी प्रशासन ने रिकॉर्ड के अन्दर उनके खेत में कटाणी रास्ता बताकर खेतों में खड़ी लाखों रूपए की फसल को चौपट कर रास्ता निकाल दिया। किसान गीता देवी ने कहा कि साल में एक बार पैदा होने वाली फसल को अतिक्रमण की आड में खुर्द-बुर्द कर किसानों को चौपट किया गया है।

उन्होंने कार्रवाई करने वाली टीम के खिलाफ जांच कमेटी गठित करने की मांग की है। वहीं प्रशासन ने किसानों को बताया कि यह कार्रवाई नियमों व रिकॉर्ड में जा रहे कटाणी रास्तों पर ही कार्रवाई की गयी है। कार्रवाई के दौरान सदर सीआई मनोज मूण्ड, पटवारी, गिरदावर व ग्राम विकास अधिकारी मौजूद रहे। किसानों की फसल पर बुलडोजर चलने की सूचना पर किसान नेता रामनारायण रूलाणिं, एडवोकेट बनवारी बिजारणियां, तेजपाल गोदारा, रामनिवास पिलानियां सहित ग्रामीणों ने एकजुट होकर खराब की गयी फसल का मुआवजा देने की मांग की है। जानकारी के अनुसार सुजानगढ़ से बीदासर के लिए टू लेन सड़क मार्ग पीडब्लयूडी द्वारा बनाया जा रहा है। जिसको लेकर गोपालपुरा गांव से बाईपास निकालने के लिए खेतों से अतिक्रमण हटाकर घरों को तोड़ा जा रहा है। गोपालपुरा के काश्तकारों का कहना है कि राजस्व विभाग द्वारा बिना सीमाज्ञान के खेतों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रवीण कुमार तहसीलदार सुजानगढ़ का कहना है कि ग्राम गोपालपुरा में पीडब्यूडी विभाग द्वारा सड़क बननी प्रस्तावित था। इसके लिए विधिवत रूप से सीमाज्ञान करवाया व अतिक्रमियों को नोटिस देकर जबाव देने के लिए समय भी दिया गया था। जिसके बाद रेवन्यू टीम ने रिकॉर्ड के अनुसार कटानी मार्ग से अतिक्रमण हटाया जो फसल खुर्द-बुर्द की गयी थी वो गैर मुमकिन जगह पर थी जहां सडक बनना प्रस्तावित है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

IDFC FIRST Bank

(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लि. के नाम से जाना जाता था)

CIN : L65110TN2014PLC097792

पंजीकृत कार्यालय- केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031

फोन- +91 44 4564 4000 फैक्स-+91 44 4564 4022

प्राधिकृत अधिकारी- सरदीप राठौड़, संपर्क नम्बर-9887772255 ई-मेल-आई डी- sardeep.rathore@idfcbank.com

परिशिष्ट- IV-ए

(नियम 8 (6) का प्रावधान देखें)

अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री की सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम 2002 के साथ सहपठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के अधीन अचल सम्पत्तियों की बिक्री करने के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना/एतद् द्वारा जनसाधारण को तथा विशेष रूप से ऋणग्रहिता (ओं) व जमानती (यों) को नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित अचल सम्पत्तियाँ सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधन/प्रभारित रखी गयी है तथा इन सम्पत्तियों का भौतिक कब्जा आईडीएफसी बैंक लि. अब आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी ने ले लिया है। इन सम्पत्तियों की बिक्री 27.07.2023 को "जहाँ है जैसी है" "जो कुछ है यह हैं" तथा "जो कुछ है वहाँ है" के आधार पर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड) के खाता संख्या 26577368 में 14.04.2021 को बकाया रूपये 12,06,479.19/- की निर्मल इलेक्ट्रोनिक्स, बाबूलाल मंडवारिया, चिरंजी लाल, मोहिनी देवी, बाबूलाल मंडवारिया (निर्मल इलेक्ट्रोनिक्स), ऋण ग्रहिता(ओं) और सह-ऋणग्रहिता(ओं) के वसूली के लिये की जायेगी।

ऑक्शन स्टेट्स

आरक्षित मूल्य	रूपये-8,23,000/-
बयाना राशि जो जमा होगी	रूपये-82,300/-
बोली प्रस्तुत करने / बयाना राशि जमा कराने की तिथि	26.07.2023 को सायं 5.00 तक
सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि	20.07.2023 प्रातः 11.00 से सायं 4.00 तक
नीलामी की तिथि	27.07.2023 प्रातः 11.00 से दिन में 1.00 तक
सम्पत्ति का विवरण	प्लाट नं. 1, कच्ची बस्ती, पुर्नवास योजना माचेडा, नीन्दड, हरमाडा, जयपुर (राजस्थान) का पूरा व प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल 40.50 वर्ग मी., और सीमायें निम्न है-पूर्व-अन्य की भूमि, पश्चिम-रोड 12 मीटर चौडी, उत्तर-प्लाट नं. 2, दक्षिण-आरक्षित भूमि

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए कृपया आईडीएफसी फस्ट बैंक वेबसाइट पर उपलब्ध कराये गये लिंक को देखें अर्थात http://idfcfirstbank.auctiontiger.net/EPROC.

अस्वीकरण- कृपया ध्यान दें कि यह नोटिस केवल अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए जारी किया गया है तथा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को चल सम्पत्तियों को बेचने का अधिकार नहीं है, यदि कोई, अचल सम्पत्ति पर मौजूद हो।

स्थान - जयपुर
दिनांक - 11-07-2023

प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लि. के नाम से जाना जाता था)

प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में 85 फ़ीसदी पदों पर गहलोत-डोटासरा समर्थकों का कब्जा

सचिन पायलट को मिले सांत्वना के रूप में कुछ पदाधिकारी उनमें भी नए लोगों को मौका नहीं दिला पाए

- 25 जिलाध्यक्षों में से पांच हुए रिपीट, सचिन पायलट को मिला सिर्फ टोंक, अब तक घोषित 38 जिला अध्यक्षों में सिर्फ सीकर में महिला अध्यक्ष
- कार्यकारिणी में सिर्फ 15 फ़ीसदी महिलाओं को मौका, कई जाति वर्गों को नहीं मिला प्रतिनिधित्व

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस की कार्यकारिणी की घोषणा के साथ ही संगठन की रणनीति तय कर दी गई है। कार्यकारिणी के साथ ही 25 जिला अध्यक्षों की भी घोषणा की गई है। इन 25 जिलाध्यक्षों में एक भी महिला नहीं है। वही अब तक घोषित 38 जिला अध्यक्षों में सिर्फ सीकर जिले में एकमात्र महिला जिला अध्यक्ष बनी है। कार्यकारिणी में बहुत से जाति, वर्गों को मौका नहीं मिला।

वही कार्यकारिणी की बात करें तो प्रदेश कार्यकारिणी में केवल 15 फीसदी पदों पर महिलाओं को ही जगह मिली है। मंत्रियों को एक व्यक्ति एक पद के फार्मूले पर संगठन के पदों से हटा दिया है। अब मौजूदा कार्यकारिणी में एक भी मंत्री नहीं है। कई पायलट समर्थक संगठन से बाहर हो गए हैं। कार्यकारिणी में 80 फीसदी पदाधिकारी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के समर्थक हैं। चुनावी साल इसे गहलोत खेमे के संगठन पर दबदबे के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं सचिन पायलट के समर्थकों को भी कार्यकारिणी में मौका तो मिला है, लेकिन जितने लोगों को मौका मिला है उनसे ज्यादा हटाए गए हैं। इसे सिर्फ सचिन पायलट को दी गई सांत्वना के रूप में देखा जा रहा है। उनमें भी पायलट समर्थक जो पदाधिकारी बनाए गए हैं, अधिकांश वही हैं, जो पहले से पदाधिकारी थे या विधायक हैं। इसे लेकर कहा जा रहा है कि सचिन पायलट कुछ लोगों में सिमट कर रह गए और नए लोगों को मौका देने में चूक गए। सचिन पायलट के समर्थकों को जितनी जगह दिए जाने की उम्मीद थी, उससे कम जगह दी गई है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा अपने समर्थकों को संगठन के पद दिलाने में कामयाब हुए हैं, साथ ही उन्होंने अपने समर्थकों को बहुत जल्दी पदोन्नत भी कर दिया है। पुरानी कार्यकारिणी में सचिन पायलट समर्थक प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र चौधरी, महासचिव रहे वेदप्रकाश सोलंकी, सचिव महेंद्र सिंह खेड़ी, गजेंद्र सांखला, शोभा सोलंकी ललित यादव को बाहर कर दिया है। चाकसू से पायलट समर्थक विधायक वेदप्रकाश सोलंकी लगातार पायलट के समर्थन में बयानबाजी करते रहे थे, सोलंकी ने कई बार सरकार पर भी सवाल उठाए थे। ऐसे में सोलंकी को इस बार प्रदेश महासचिव पद से हटा दिया है। पिछली कार्यकारिणी में उन्हें प्रदेश महासचिव बनाया था। पायलट समर्थक महेंद्र सिंह खेड़ी, निंबाराम गरासिया को सचिव पद से हटा दिया है।192 की प्रदेश कार्यकारिणी में पायलट समर्थकों को जगह मिली है, लेकिन उनकी संख्या केवल 20 के आसपास है। पायलट समर्थक दो नेताओं गजराज खटाना और दर्शन गुर्जर को उपाध्यक्ष बनाया है।

वहीं 48 महासचिवों में पायलट समर्थक 9 लोगों राकेश पारीक, महेंद्र सिंह गुर्जर, प्रशांत शर्मा, इंद्राज गुर्जर, मुकेश भाकर, राजेश चौधरी, सुरेश मिश्रा, संजय जाटव और सोना देवी बावरी को महासचिव बनाया है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में बनाए गए 121 सचिवों में पायलट समर्थकों की संख्या भी बहुत कम है। सचिवों में अनिल चोपड़ा, हिमांशु कटारा, विक्रम वाल्मीकि, सुरेंद्र लांबा, आजाद सिंह राठौड़, नरपत और विभा पायलट समर्थक हैं। वहीं यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के बेटे अमित धारीवाल को कांग्रेस का प्रदेश महासचिव बनाया गया है। कहा जा रहा है कि शांति धारीवाल इस बार चुनाव नहीं लड़ेंगे और अपने बेटे अमित धारीवाल को टिकट दिलाने की पैरवी करेंगे।

कांग्रेस लगातार महिलाओं को 33 फीसदी टिकट देने की पैरवी करती रही है, लेकिन संगठन में भी उन्हें केवल 15 फीसदी पद दिए गए हैं। प्रदेश कार्यकारिणी के 192 पदों में से केवल 29 महिलाओं को जगह दी गई है। जो 15 फीसदी भी पूरी नहीं है । 21 उपाध्यक्ष में से 2 महिला उपाध्यक्ष, 48 महासचिवों में से 9, 121 सचिवों में से 18 सचिव के पद महिलाओं को दिए हैं। कांग्रेस ने कल 25 जिलाध्यक्षों के पदों पर नियुक्ति की। उनमें से एक भी महिला नहीं है। कांग्रेस में इससे पहले 13 जिलाध्यक्ष बनाए थे। उनमें केवल एक महिला जिलाध्यक्ष बनाई गई थी। वही पाली जिले के अध्यक्ष अजीज दर्द, हनुमानगढ़ के सुरेंद्र दादरी, बीकानेर के यशपाल गहलोत, कोटा के रविंद्र त्यागी, बूंदी से सीएल प्रेमी दूसरी बार अध्यक्ष बने हैं।

ब्रह्मकुमारीय व एन.सी.सी. के सिद्धांत एक समान : एल.के.जैन

ब्रह्माकुमारीज राजयोग भवन वैशाली नगर के प्रभुनिधि सभागार में मंगलवार को एन.सी.सी. कैडेट्स के लिये सेल्फ एंपावरमेंट लीडरशिप एंड टीम बिल्डिंग कार्यक्रमों की श्रंखला का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जयपुर, (का.सं.)। ब्रह्माकुमारीज राजयोग भवन वैशाली नगर के प्रभुनिधि सभागार में एन.सी.सी. केडेट हेतु आयोजित किये जाने वाले सेल्फ एंपावरमेंट लीडरशिप एंड टीम बिल्डिंग कार्यक्रमों की श्रंखला का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राजयोग एवं आध्यात्मिक सश्क्तिकरण के जरिए एन.सी.सी. केडेट्स को मूल्यों के प्रति सजग कर देश का आंतरिक तौर पर मजबूत प्रहरी बनाने का प्रयास किया जायेगा। शुभारम्भ में सभा को संबोधित करते हुए एयर कमोडोर एल.के. जैन ने बताया ब्रह्माकुमारीज एवं एन.सी.सी. के सिद्धांत एक समान है। जिस प्रकार संस्था आध्यात्मिकता द्वारा अनुशासन के प्रेरित करती है ऐसे ही देश एन.सी.सी. भी अपने केडेट में अनुशासन को कूट कूट कर भरता है। ब्रह्माकुमारीज जयपुर की उपक्षेत्रीय संचालिका बीके सुषमा दीदी ने बताया कि एन.सी.सी. केडेट्स आने वाले समाज को दिशा दिखाने में अहम् भूमिका निभा सकते है। व्यवस्थित जीवनशैली वाला केडेट ही प्रेरणाश्रोत बन सकता है। उन्होंने केडेट्स को बुरी आदतों से दूर रहकर अनुशासित जीवन शैली अपनाने का महत्व बताया।

भारतीय सेना के कर्नल बी.सी. सती ने केडेट्स में जोश भरते हुए अपने कार्यकाल में आयी विपरीत परिस्थितियों को मैडिटेशन से सहज पार करने के गूर सिखाये। आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रंखला में कार्यक्रम के अंत में बीके चन्द्रकला दीदी ने राजयोग मैडिटेशन का अभ्यास करवाया गया। तथा एन.सी.सी. गाना हम सब भारतीय है, बजाकर कार्यक्रम का समापन किया गया तथा कार्यक्रम में भारतीय सेना के अफसरों सहित 300 केडेट्स ने हिस्सा लिया।

सहकारी समितियों का उप रजिस्ट्रार व निरीक्षक पांच लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

- पीड़ित से मांगी थी 20 लाख की रिश्वत, पहले भी ले चुके 5 लाख रुपए
- रेड के दौरान सील किए दो कमरों को खोलने के एवज में आरोपी ले रहे थे रिश्वत

देशराज यादव

अरुण प्रताप सिंह

जयपुर,(कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने मंगलवार को सहकारी समिति उप रजिस्ट्रार एवं निरीक्षक को 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी की टीमें दोनों अधिकारियों के आवास व उप रजिस्ट्रार के मिनी सचिवालय और निरीक्षक के टोंक रोड स्थित देव नगर कार्यालय सहित अन्य ठिकानों पर एसीबी की अलग-अलग सर्च करने में जुटी थी। एसीबी ट्रैप के बाद आरोपी उप रजिस्ट्रार देशराज यादव व निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह को एसीबी मुख्यालय लेकर गई।

एडीजी एसीबी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की विशेष अनुसंधान इकाई को परिवादी ने शिकायत दी कि कॉपरेटिव सोसायटी के किराये के कार्यालय पर सहकारिता विभाग की टीम की डाली गई रेड के कार्रवाई में मदद करने की एवज में सहकारी समिति उप रजिस्ट्रार देशराज यादव व निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह ने 20 लाख रुपए की रिश्वत मांग कर उसे परेशान कर रहे है। इस पर एसीबी जयपुर के डीआईजी रणधीर सिंह के सुपर वीजन में एसीबी विशेष अनुसंधान इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बजरंग सिंह शेखावत के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया गया। शिकायत सही पाई जाने पर मंगलवार को सीआई रघुवीर शरण ने ट्रेप कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान देशराज यादव पुत्र रामजीलाल यादव निवासी 15, सरस्वती नगर- ए. गैटार रोड, मालवीय नगर, जयपुर, अरूण प्रताप सिंह पुत्र श्याम सिंह निवासी फ्लेट नं0 808, आशियाना ग्रीन वुड, जगतपुरा को परिवादी से 5 लाख की रिश्वत राशि लेते हुये गिरफ्तार कर लिया। परिवादी ने बताया कि इस राशि से पहले भी आरोपी उसे इस काम के लिए 5 लाख रुपए ले चुके हैं। रिश्वत की दूसरी किश्त देते हुए एसीबी ने दोनों अधिकारियों धर दबोचा। एसीबी के सत्यापन में खुलासा हुआ है कि आरोपी उप रजिस्ट्रार रिश्वत लेने में इतना बेखौफ था कि परिवादी को बोला कि ऊपर भगवान और नीचे में हूं किसी से नहीं डरते।

मामले के अनुसार नील कमल शुक्ला की सिंधू नगर कोऑपरेटिव सोसायटी है। उसने अपनी कोऑपरेटिव सोसायटी का ऑफिस राजापार्क पंचवटी स्थित सहकारिता विभाग की ही करीब 800 वर्ग गज जमीन पर खोल रखा है। यह ऑफिस 15 साल पहले किसी कॉलोनाइजर से किराए पर लिया था। आरोपी देशराज यादव इस बेस कीमती जमीन को किसी अन्य बिल्डर के माध्यम से हथियाना चाह रहा था। ऑफिस खाली करवाने के लिए देशराज ने सहकारिता विभाग की ओर से 24 जून को पुलिस जाप्ता लेकर छापा डाला था। छापे के बाद वहां दो कमरों को सील कर दिया। दोनों सील कमरों में सोसायटी के दस्तावेज रखे हुए थे। सील कमरों को नील कमल शुक्ला खुलवाना चाह रहा था। इस पर देशराज यादव दोनों कमरों को खोलने की एवज में 20 लाख रुपए मांग रहा था। बातचीत कर 10 लाख रुपए में कमरे खोलना तय हुआ। इसके बाद आरोपी 5 लाख रुपए पहले ले चुके थे। मंगलवार को दूसरी किस्त के 5 लाख रुपए लेते ट्रैप कर लिया गया।

परिवादी ने बताया कि सहकारी समिति के भवन में चल रहे उसके ऑफिस को खाली करने की मियाद पूरी हो गई। लेकिन उसने कोर्ट से स्टे ले रखा है। उक्त भवन को किराए से लेने के लिए एक प्रॉपर्टी व्यवसायी उप रजिस्ट्रार को 2 करोड़ रुपए देने का तैयार हो गया। परिवादी ने बताया कि आरोपी उप रजिस्ट्रार ने 30 लाख रुपए लेकर ऑफिस खाली करने का ऑफर भी दिया। लेकिन उसने मना कर दिया। जबरन उसके खिलाफ कार्रवाई की गई।

उप रजिस्ट्रार देशराज यादव के कहने पर परिवादी से निरीक्षक अरूण प्रताप सिंह ने 5 लाख रुपए रिश्वत के मांगे। परिवादी को टोंक रोड स्थित देव नगर कार्यालय में आने की बजाय दोपहर बाद जनता स्टोर बुलाया। परिवादी जनता स्टोर पहुंचा तो आरोपी निरीक्षक खुद की कार से रिश्वत की राशि लेने पहुंचा, तभी रिश्वत लेते उसे पकड़ लिया।

एसीबी ने आरोपियों को पकड़ने के लिए पांच टीम तैयार कर रखी थी। दो टीम दोनों आरोपियों के दफ्तर के पास तैनात कर रखी थी और दो टीम उनके आवास पर। निरीक्षक ने जनता स्टोर पर रिश्वत की राशि लेना तय किया तो रिजर्व में रखी गई पांचवी टीम जनता स्टोर भेजी गई।

श्रीवास्तव जाएंगे संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में

जयपुर। पुलिस निरीक्षक रोहित श्रीवास्तव का चयन अनिटेड नेशन शान्ति मिशन के अंतर्गत साऊथ सूडान के लिए हुआ है। इनके साथ जोधपुर निवासी पुलिस निरीक्षक भावना परमार भी राजस्थान का प्रतिनिधित्व भारतीय दल में करेंगी। इन्हें अगस्त माह में अपनी उपस्थिति राजधानी जूबा में देनी है। इनका 13 सदस्यीय भारतीय दल वहाँ एक साल के लिए अपनी सेवाएं देगा।

प्रदेश से बाहरी अभ्यर्थियों को भर्ती में शामिल नहीं करने पर मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने नेत्र सहायक भर्ती-2023 परीक्षा में प्रदेश से बाहरी अभ्यर्थियों को शामिल नहीं करने पर प्रमुख चिकित्सा सचिव और राजस्थान पैरामेडिकल कौंसिल से जवाब मांगा है। अदालत ने याचिकाकर्ता अभ्यर्थी का आवेदन स्वीकार कर भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश ऋषभ की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता हरियाणा का मूल निवासी है और उनसे निम्स कॉलेज से ऑप्थैल्मिक टेक्नोलॉजी में दो वर्षीय डिप्लोमा कार्स कर रखा है। वहीं उसे राजस्थान पैरा मेडिकल कौंसिल से प्रोविजनल डिग्री भी मिल गई है। याचिकाकर्ता ने जब आरपीएमसी में ऑनलाइन आवेदन किया तो उसका आवेदन राजस्थान का मूल निवासी नहीं होने के आधार पर खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया कि वह आरपीएमसी में पंजीकरण के अभाव में नेत्र सहायक भर्ती में आवेदन नहीं कर सकता है।

आर.एस.ए. ने सोलर बैंकिंग मुद्दे और कुसुम योजना के विकास के लिये आवाज उठाई

- नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने भी नियामक आयोग को दिए सुझाव
- सोलर एनर्जी के नेट मीटरिंग पर सुनवाई

जयपुर। राजस्थान विद्युत नियामक आयोग के समक्ष सोलर एनर्जी के नेट मीटरिंग पर आमजन की मंगलवार को सुनवाई हुई। सुनवाई में नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, द राजस्थान सोलर एसोसियेशन (आर.एस.ए.) के अध्यक्ष सुनील बंसल, प्रमुख उद्योग सदस्यों नितिन गोयल, आशु गुप्ता शामिल हुए।

आर.एस.ए. ने नवीकरणीय ऊर्जा की बैंकिंग के मुद्दों के लिये आवाज उठाई। यह परेशानी मुक्त होनी चाहिये और 15 मिनट का ब्लॉक हटाने की मांग की। इसी के साथ सोलर के प्रति डिस्कॉम का दृष्टिकोण सकारात्मक होना चाहिये। क्षमता उपयोग कारक (सी.यू.एफ.) को 50 फीसदी तक बढ़ाया जाना चाहिये। मीटर और नेट मीटर के पीछे दूसरे पक्ष द्वारा निवेश को रेस्को नहीं माना जाना चाहिये। वहीं कुसुम टैरिफ को तर्क संगत बनाया जाए। कुसुम योजना में एमएसएमई क्षेत्र और किसानों को लाभ होना चाहिये।

राजस्थान विद्युत नियामक आयोग के समक्ष सोलर एनर्जी के नेट मीटरिंग पर आमजन की सुनवाई में नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ भी मंगलवार को आयोग के समक्ष उपस्थित हुए। इस दौरान राठौड़ ने राज्य में उत्पादित सौर ऊर्जा का आधा हिस्सा राज्य को देने की अनुमति देने की मांग की।

राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में जमीन हमारी, विद्युत संयंत्र लगाने के लिए पेड़-पौधे हमारे काटे जाते हैं लेकिन सोलर विद्युत उत्पादन को उत्पादक कंपनियां दूसरे राज्यों में अपने मुनाफे के लिए धड़ल्ले से बेच रही हैं। राजस्थान में 31 मार्च तक 16 हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के संयंत्र स्थापित हो चुके हैं जिसमें लगभग हजारों बीघा जमीन हमारी काम में आई है। यहां देश और विदेश की ख्यातिनाम कंपनियों के साथ विभिन्न एमओयू किये जा चुके हैं। इसके बाद भी राज्य को 6 हजार मेगावाट से कम ही बिजली उपलब्ध हो रही है जो कुल विद्युत उत्पादन का लगभग 1 तिहाई ही है। राज्य में बिजली की स्थिति सुधारने के लिए सरकार राज्य में उत्पादित सोलर एनर्जी का 50 फीसदी विद्युत उत्पादन करने पर विद्युत कंपनियों को राज्य में ही क्रय करने का नीतिगत निर्णय ले और नियामक आयोग इस दिशा में पहल करें। इससे प्रदेश में होने वाला विद्युत संकट टाला जा सकता है।

ऐसे ही बयानों से कांग्रेस की स्थिति "शूर्पणखा" जैसी : शेखावत

जयपुर। राजस्थान के सैनिक कल्याण राज्यमंत्री राजेंद्र गुढ़ा के विवादित बयान पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह जानबूझकर दिया गया बयान है। ऐसे ही बयानों की वजह से आज कांग्रेस की स्थिति "शूर्पणखा" जैसी है। मंगलवार को ट्वीट कर शेखावत ने कहा कि हिंदुओं की हंसी उड़ाने और अपने वोट बैंक की चमकाई करने के लिए कितना नीचे गिरेंगे ये कांग्रेसी? भारत की आस्था प्रभु श्रीराम को पागल बताते हुए राजस्थान सरकार के मंत्री राजेंद्र गुढ़ा को स्वयं के अस्तित्व पर शर्म नहीं आई? शेखावत ने कहा कि यह जानबूझकर दिया गया बयान है। ऐसे ही बयानों की वजह से आज कांग्रेस की स्थिति "शूर्पणखा" जैसी है। रावण की बहन के साथ क्या हुआ था? गहलोत जी के ख़ास मंत्री को ये पता तो होगा।

कंट्रोल रूम की स्थापना

जयपुर, (का.सं.)। पन्द्रहवीं राजस्थान विधानसभा के अष्टम सत्र की बैठक 14 जुलाई से पुनः आयोजित होगी। सत्र के दौरान प्राप्त होने वाले तारांकित एवं अतारांकित सहित अन्य प्रस्तावों के जवाब सही समय पर भिजवाने के लिए कलक्ट्रेट में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है।

गुरू हरकिशन साहिब का प्रकाश पर्व मनाया

सुखमनी सेवा सोसायटी बनीपार्क के सदस्यों ने प्रकाश पर्व को सेवा दिवस के रूप में,जामडोली स्थित अपना घर आश्रम में मनाया।

जयपुर, (का.सं.)। सिक्खों के 8वें गुरू, गुरू हरक्रिशन का प्रकाश परब आज मनाया गया। सुखमनी सेवा सोसायटी बनी पार्क के सदस्यों ने प्रकाश पुरब को सेवा दिवस के रूप में,जामडोली स्थित अपना घर आश्रम में मनाया। वहां पर सदस्यों ने शबद कीर्तन गायन किया। सभी के स्वास्थ्य एवं कल्याण की अरदास की। सबको कड़ाह प्रसाद बांटा गया। आश्रम में लगभग 160 महिलाएं व बच्चे रहते हैं। सोसायटी सदस्यों ने राशन सामठाी भेंट की तथा बिस्किट के पैकेट्स व फल वितरित किए। इस अवसर पर सोसायटी की पिंकी सिंह सहित अन्य सदस्य सूर्य उदय सिंह, दीपिका कपूर, प्रीति कौर, विजय सैनी आदि उपस्थित रहे। इस सेवा कार्य में सोसायटी के सभी सदस्यों का संपूर्ण सहयोग रहा।

प्रकाश पुरब के उपलक्ष्य में सोसायटी के पाठ ठुप अपणी मेहर कर के सदस्यों ने 2260 जपुजी साहिब पाठ व 1830 माला हरक्रिशन ध्याइये, जिस डिठे सब दुख जाए का जाप किया।

गुरू हरक्रिशन का जन्म सन् 1656 ई. में कीरतपुर साहिब में हुआ। उन्हें बाल गुरू कहा गया, क्योंकि उनके पिता हरि राय ने ज्योति-जोत समाते समय मात्र पांच वर्ष की आयु में हर किशन को गुरू गद्दी दी थी। कम उम्र में ही गुरू के अंदर दीन दुःखियों व बीमारों के प्रति अपार संवेदना थी। दिल्ली में जब चेचक की महामारी फैली तो वह बीमारों की सेवा में लग गए और उसी बीमारी से ठास्त होकर आठ वर्ष की आयु में ही ज्योति जोत समा गए।

तीये की बैठक

हमारी आदरणीय श्रीमती नन्नी देवी छाबडा धर्मपत्नी स्व. श्री तारा चन्द जी छाबडा (टोडारायसिंह वाले) का स्वर्गवास दिनांक 11.07.203 को हो गया है। तीये की बैठक दिनांक 13.07.203 को प्रात 9.00 बजे भट्टारक जी की नसियां छतरी वाला संभाग पर रखी गई है। तत्पश्चात घडियों का दस्तूर होगा। यह अंतिम बैठक होगी। **शोकाकुल-** कैलाशचन्द, महावीर-रानी, निर्मल, देवेन्द्र, राजीव, राहुल-नेहा, पदमा-राजेन्द्र, सविता-राजेश (पुत्री-दामाद), डॉ. ड्रीमी-डॉ. मनीष, श्रद्धा-रोहित, राशि, खुशी (दोहिती-दामाद), सुलेखा-कमल, सुनीता-विजय, रीतु-राजीव। मो. 9314467171 पीहर पक्ष- माणक चन्द जी, महेन्द्र कुमार जी काला (बांदीकुई वाले), फूलचन्द वैध।

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय पिताजी श्री कन्हैया लाल जी सैनी (नैणावा) का स्वर्गवास दिनांक 10.07.2023 को हो गया है जिनकी तीये की बैठक दिनांक 12.07.2023 को सायं 3 से 4 बजे तक श्री राधा गोविन्द देव जी मंदिर भागीरथ नगर में रखी गयी है। **शोकाकुल-** रामपाल, हनुमान, घनश्याम, भगवान (भाई), नंदलाल जी, बाबूलाल जी (भतीजा), दिलीप सैनी (पुत्र), भोनेस (पौत्र) एवं समस्त नैणावा परिवार। निवास 42, भागीरथ नगर जयपुर मो. 7737236078

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना दि. 11.07.2023

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य नासीर खान पुत्र श्री फकीर मोहम्मद निवासी- 51, रहमान की ढाणी, भावगढ़ बंध्या, खो- नागोरियान, तहसील सांगानेर, जिला- जयपुर के स्वामित्व का एक भूखण्ड संख्या 34, केसर वाटिका विस्तार, खो- नागोरियान क्षेत्रफल 100 गज 2014 में मेरे अभिभाष्य के परिचित राजेश कुमार निवासी- ग्राम जोधा का वास, जिला झुन्झुनू ने विश्वास में लेकर मेरे अभिभाष्य से यह कहते हुए कि मुझे बैंक से लोन लेना है और कुछ समय के बाद में आपके प्लाट का पट्टा वापस दे दूंगा और यह विश्वास दिलाकर मेरे अभिभाष्य से खाली पट्टा लिया और जाते समय 1,00,000/- रुपये देकर चला गया। उक्त प्लाट का पजेशन आज भी मेरे अभिभाष्य के पास में है और बार-बार पट्टा मांगने के बाद भी वह टालम- टोली कर रहा है। मेरे अभिभाष्य को आशंका है कि इस प्लाट के पेपर का किसी अन्य व्यक्ति को बेचान ना कर दिया हो, इसलिए इस प्लाट का कोई भी व्यक्ति, संस्था, कंपनी, उक्त भूखण्ड राजेश कुमार से संव्यवहार नहीं करें और यदि करता है तो ऐसा संव्यवहार प्रारम्भ से ही अवैध व शून्य होगा तथा ऐसे संव्यवहार के लिए मेरा अभिभाष्य कतई जिम्मेदार नहीं होगा। भवदीय (अनिल मोहता) एडवोकेट, मो.नं. 9314021355

खण्डन आम सूचना दिनांक 30.05.2023

विजय सैनी एडवोकेट द्वारा दिनांक 30.05.2023 को महेश अग्रवाल भूतपूर्व मंत्री शांति नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की ओर से जो आम सूचना जयपुर महानगर टाइम्स में प्रकाशित करवायी है जो कतई असत्य है वास्तविक तथ्य यह है कि मेरी अभिभाष्या मीना देवी पत्नी नाथूलाल निवासी 91बी, सुल्तान नगर गुर्जर की थडी को शांति नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर द्वारा दिनांक 15.12.1994 को उक्त भूखण्ड आवंटित किया गया था जिस पर मेरी अभिभाष्या आवंटन की दिनांक से बहैसियत मालिक स्वामी काबिज है और उसने उक्त भूखण्ड पर रहवास हेतु तामीरात करवा रखी है उक्त समिति या अन्य किसी दीगर व्यक्ति का मेरी अभिभाष्या मीना देवी के उक्त वर्णित प्लाट से किसी प्रकार का कोई सम्बन्ध व सरोकार नहीं है सूचित रहे।

(राजेश रूहेला), एडवोकेट, मो.नं.9829332443

नाम परिवर्तन

मेरा नाम राधेश्याम पुत्र श्री गोपाल लाल शर्मा अब परिवर्तन नाम राधेश्याम शर्मा पुत्र श्री गोपाल लाल शर्मा सम्राट भवन 156, बडा अखाडा, मंगला मार्ग, जयपुर से जाना जावें। भविष्य में मुझे राधेश्याम शर्मा के नाम से जाना जावें।

We Agraj Patodia & Rishita Patodia changed our son name from Rian to Rian Patodia for all purposes R/o C-24, Ambabari Jaipur.

खोया-पाया

मेरा लूनियावास ग्रह निर्माण सहकारी समिति लि. के द्वारा जारी किया प्लाट नं. 09 देवनगर बी, का मूल पट्टा व रसीद खो गये। मिलने पर सूचित करें- शारदा देवी-9799045135

मकान संख्या 3-क-12, जवाहर नगर, जयपुर के मूल दस्तावेज अलोटमेंट लैटर, प्रीपेचुअल लीज, पजेशन लैटर जो कि देवराज शर्मा के नाम से है, कहीं खो गये है। मिलने पर सूचित करें। 9828506692

मेरा प्लाट नंबर 40, 213 वर्गगज लक्ष्मीविहार, चकगैटोर जिसकी सदस्यता की रसीद 10.07.2023 को खो गए। सदस्यता शुल्क की रसीद श्रीमहावीर स्वामी गृह निर्माण सहकारी समिति जयपुर ने 15.09.1990 को जारी की थी। किसी को मिले तो सूचित करें। ओमप्रकाश मीणा, ग्राम झर, बस्सी-9799882792

आम सूचना सर्वसाधारण सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाषय श्याम सुन्दर अग्रवाल पुत्र श्री प्रेमनारायण अग्रवाल मकान नंबर E-1/479 चित्रकूट के मूल दस्तावेजों में से एक आवंटन पत्र- 96 दिनांक 19.09.1996 एवं भूमि पटटा विलेख का साइट प्लान जो कही गुम हो गये जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट साइबर क्राइम पुलिस जयपुर एल. आर. 1870695/2023 दिनांक 11.07.2023 को दर्ज करवा रखी है। यदि किसी व्यक्ति, बैंक व अन्य किसी को इस सम्बन्ध में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे। बाद गुजरने मियाद किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

रामस्वरूप मीणा (अधिवक्ता)

11.07.2023 c-112 राम गली नो ५ राजा पार्क जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

Email Id : dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone NO. 0141-2782772

क्रमांक- DHC-II/782 दिनांक- 8.6.2023

जाहिर आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 123/327 मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 72.00 वर्गमीटर/वर्गगज का आवंटन श्री भंवर लाल अग्रवाल पुत्र श्री भगवान दास अग्रवाल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2359 दिनांक 31.03.1992 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 05.05.1992 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 4787 दिनांक 22.09.2001 के द्वारा श्री भंवर लाल अग्रवाल पुत्र श्री भगवान दास अग्रवाल के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 31.03.2002 को करवाया गया। इसके पश्चात श्री भंवर लाल अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 20.11.2020 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल पुत्र स्व. श्री भंवर लाल अग्रवाल ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल पुत्र स्व. श्री भंवर लाल अग्रवाल के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है। सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

Email Id : dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone NO. 0141-2782772

क्रमांक- DHC-II/829 दिनांक- 13.6.2023

जाहिर आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 34/03 मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 204.00 वर्गमीटर/ वर्गगज का आवंटन श्री गुलाब कोठारी पुत्र श्री के.सी. कोठारी को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 6438 दिनांक 20.09.1988 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 16.11.1986 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 2382 दिनांक 0.12.1997 के द्वारा श्रीमती शुभ लक्ष्मी पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 17.03.1999 को करवाया गया। इसके पश्चात श्रीमती शुभ लक्ष्मी की मृत्यु दिनांक 14.012019 को हो जाने के कारण वसीयतनामा के आधार पर श्री अनूप शर्मा पुत्र श्री विजय नाथ शर्मा ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं वसीयतनामा प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री अनूप शर्मा पुत्र श्री विजय नाथ शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है। सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

नाम परिवर्तन

उदल सिंह गुर्जर पुत्र श्री अमरसिंह गुर्जर आयु 42 साल जाति गुर्जर निवासी रेण्डायल गुर्जर तहसील बजीरपुर जिला सवाईमाधोपुर राजस्थान यह कि मैं भूतपूर्व सैनिक हूं मेरा आर्मी नम्बर 15776427W RANK EX HAV NAME UDAL SINGH GURJAR हैं। यह कि SAMEER SINGH मेरा सगा पुत्र है जिसके सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों में मेरे पुत्र का नाम SAMEER SINGH दर्ज है। जबकि मेरे आर्मी रिकार्ड में मेरे पुत्र का नाम गलती से SAMEER SINGH GURJAR दर्ज हो गया था। जबकि सही नाम SAMEER SINGH हैं जो मेरे पुत्र के सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों व अन्य सभी दस्तावेजों में दर्ज है जो सही है। भविष्य में इसी नाम से जाना जावें।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री उमा शंकर शर्मा पुत्र श्री आर.बी. शर्मा निवासी-30 गेटोर, वाटर टैंक के पास, सिद्धार्थ नगर, मालवीय नगर जयपुर का पुत्र राहुल के मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है जिसके कारण मेरे अभिभाष्य एवं मेरे अभिभाष्य के परिवारजनों का मेरे अभिभाष्य के पुत्र राहुल के उम्र 34 साल से किसी प्रकार का कोई सम्बन्ध पिछले कई वर्षो से नहीं है जिसके कारण मेरा अभिभाष्य अपने पुत्र राहुल के उम्र 34 साल को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता है तथा कोई भी व्यक्ति इसके साथ किसी भी प्रकार का लेन-देन का सम्बन्ध रखेगा तो वह स्वयं उसके लिए जिम्मेदार होगा।

जरिये अधिवक्ता
मनोज कुमार
राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर
कार्यालय पता-मकान नं. 001, श्याम कुंज द्वितीय रामनगरिया, जगतपुरा, जयपुर
मोबाईल नं. 7302402216, 9784280302

राजस्थान सरकार
न्यायालय उप तहसीलदार, बगरू जिला-जयपुर (राज.)
क्रमांक/भू.अ./2023/764 दिनांक 11-7-2023
विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम महापुरा के खाता संख्या 515 कुल किता 17 कुल रकबा 6.4200 हैक्टेयर में हिस्सा 249/1163 खाता संख्या 357 किता 2 कुल रकबा 3.1500 हैक्टेयर हिस्सा 1/2 खाता संख्या 514 कुल किता 19 कुल रकबा 5.2100 हैक्टेयर हिस्सा 249/1163 व ग्राम ठीकरिया के खाता संख्या 91 कुल किता 1 कुल रकबा 0.0100 हैक्टेयर हिस्सा 3/4, खाता संख्या 92 कुल किता 12 कुल रकबा 4.2800 हैक्टेयर हिस्सा 1/2, खाता संख्या 155 कुल किता 4 कुल रकबा 0.9500 हैक्टेयर हिस्सा सम्पूर्ण में मृतक खातेदार राधा देवी पत्नी धर्मचन्द जैन जाति जैन निवासी सा. मितल भवन हरिमार्ग, जयपुर की नोटरी प्रमाणित वसीयत का नामान्तरण भू राजस्व एक्ट की धारा 135 (2) में विचाराधीन है। यदि किसी व्यक्ति या सम्बन्धित को इस वसीयत के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि के सात दिवस के मियाद अन्दर इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा प्रकरण का निस्तारण नियमानुसार कर दिया जावेगा।

उप तहसीलदार
बगरू, जिला-जयपुर

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मेरी अभिभाष्या श्रीमती सरस्वती तिवाडी पुत्री स्वर्गीय श्री दयाकिशन भट्ट, पत्नी श्री महेश चन्द तिवाडी के स्वामित्व, कब्जे का एक आवासीय प्लाट नम्बर बी-49, अमर नगर, खिरणी फाटक, खातीपुरा, जयपुर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 152.77 वर्गगज है। सर्वप्रथम उक्त संपूर्ण प्लाट नम्बर बी-49 मेरी अभिभाष्या के पिता श्री दयाकिशन भट्ट को आनन्द भवन निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड जयपुर द्वारा जरिये आवंटन पत्र दिनांक 12.12.1989 को आवंटित किया गया था। जिसका कब्जा श्री दयाकिशन भट्ट द्वारा उक्त सहकारी समिति से प्राप्त कर लिया। श्री दयाकिशन भट्ट का स्वर्गवास दिनांक 26.11.2014 को हो गया तथा इनकी माता श्रीमती भगवती देवी का स्वर्गवास पूर्व में हो चुका है। श्री दयाकिशन भट्ट की मृत्यु के उपरान्त उनके विधिक उत्तराधिकारियों में इनकी पत्नी श्रीमती नन्दी देवी एवं एक पुत्री श्रीमती सरस्वती तिवाडी (मेरी अभिभाष्या) शेष रहे। तत्पश्चात श्रीमती नन्दी देवी ने उक्त सम्पति में निहित अपने अपने अविभाजित 1/2 हक व हिस्से सम्पूर्ण का हकत्याग मेरी अभिभाष्या अर्थात अपनी एकमात्र पुत्री श्रीमती सरस्वती तिवाडी के हित में कर दिया। इस प्रकार मेरी अभिभाष्या उक्त प्लाट नम्बर बी-49 सम्पूर्ण की एकमात्र मालिक, काबिज, स्वामी व अधिकारी हुई। यह कि मेरी अभिभाष्या द्वारा उक्त वर्णित प्लाट पर एचडीएफसी लिमिटेड से ऋण प्राप्त करने के लिए आवेदन किया है मेरी अभिभाष्या के स्वामित्व के उक्त प्लाट पर उसके मालिकाना हको व स्वामित्व को लेकर किसी दीगर व्यक्ति, संस्था, सगे संबंधी या किसी उत्तराधिकारी आदि को कोई किसी भी प्रकार का उज्र व ऐतराज हो तो मय दस्तावेज आज दिनांक से अन्दर मयाद सात दिवस में मेरे निम्न पतें पर व्यक्तिगत या जरिये अधिवक्ता सम्पर्क करें बाद गुजरने मयाद किसी भी प्रकार की आपत्ति/विवाद स्वीकार्य नहीं होगा सूचित रहे।

चेतन शर्मा (एडवोकेट)
28, शेखावत कॉलोनी, मीनावाला, सिरसी रोड, जयपुर

"भारोत्तोलक की डोपिंग को लेकर प्रतिष्ठा खराब है लेकिन यह (डोपिंग) हर जगह है। मेरी अकादमी है और जब मैं बच्चों से मिलती हूं तो सिर्फ इतना कहती हूं कि गलत मार्गदर्शन को मत सुनो।"

-कर्ण मल्लेश्वरी

ओल्पिक कांस्य पदक विजेता भारोत्तोलव, डोपिंग को लेकर

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

लक्ष्य सेन

भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन कनाडा ओपन में खिताबी जीत के दम पर मंगलवार को जारी नवीनतम बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गये।

इक्कीस वर्षीय सेन ने कनाडा के कैलगरी में रविवार को एक रोमांचक फाइनल में ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली शी फेंग को 21-18, 22-20 से हराकर अपना दूसरा बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 खिताब जीता था।

सेन के 54901 अंक है और वह एचएस प्रणय के बाद भारतीय खिलाड़ियों में दूसरे स्थान पर काबिज हैं।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट विश्व कप के इतिहास में पहली गेंद 7 जून 1975 को लार्ड्स के मैदान पर भारत के मदनलाल द्वारा इंग्लैण्ड के डैनिश एमिस को फेंकी गई थी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ बदलाव के दौर की शुरूआत करेगी टीम इंडिया

रोसीयू (डोमिनिका), 11 जुलाई। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के जरिये बदलाव के दौर की शुरूआत करेगी तो फोकस युवा यशस्वी जायसवाल पर रहेगा।

मेजबान वेस्टइंडीज के लिये विश्व कप क्वालीफायर में मिली हार के जख्म अभी ताजा हैं और वह भारत जैसी मजबूत टीम को हराकर विश्व क्रिकेट में अपना अस्तित्व बनाये रखने की कोशिश में होगा।

चेतेश्वर पुजारा को बाहर किये जाने के बाद भारतीय शीर्षक्रम में एक जगह खाली हुई है। उम्मीद की जा रही है कि मुंबई का बेहद प्रतिभाशाली बल्लेबाज जायसवाल उस कमी को पूरा करेगा और प्रथम श्रेणी क्रिकेट के शानदार फॉर्म को यहां जारी रख पायेगा। वैसे सीधा हल तो उसे तीसरे नंबर पर उतारना होगा लेकिन शुभमन गिल स्वाभाविक तौर पर मध्यक्रम का बल्लेबाज है। जायसवाल मुंबई, पश्चिम क्षेत्र और शेष भारत के लिये पारी की शुरूआत करता आया है। शीर्षक्रम पर उतरना उसके लिये मुश्किल नहीं होगा। इस साल के आखिर में दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले उसके लिये अनुभवी केमार रोच, शेनोन गैब्रियल, अलजारी जोसफ और जैसन होल्डर जैसे गेंदबाजों को खेलना अच्छा अनुभव होगा। भारत का नया विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र पिछले दो चक्रों की तुलना में कठिन होगा। पिछले दो सत्र में भारतीय टीम बेहतरीन तेज गेंदबाजी और सधे हुए बल्लेबाजी क्रम के दम पर फाइनल में पहुंची थी।

अब प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह लंबे समय से चोटिल हैं जबकि मोहम्मद शमी को इस श्रृंखला के लिये आराम दिया गया है। भारतीय टीम के आक्रमण में धार की कमी दिख रही है। ईशांत शर्मा पिछले दो चक्र खेले हैं लेकिन इस बार कमेंट्री करेंगे जबकि 36 वर्ष के उमेश यादव का हैमस्ट्रिंग चोट के बाद वापसी कर पाना मुश्किल है।

ऐसे में 19 वर्ष के मोहम्मद सिराज तेज आक्रमण की अगुवाई करेंगे जिनका साथ देने के लिये नौ टेस्ट का अनुभव रखने वाले शार्दुल ठाकुर होंगे। ऐसे में एक बार फिर दारोमदार रविचंद्रन अश्विन (474 विकेट) और रविंद्र जडेजा (268) की स्पिन जोड़ी पर रहेगा। इन चारों का चयन तो तय है लेकिन मुकेश कुमार, जयदेव उनादकट और नवदीप सैनी में से एक को चुनना आसान नहीं होगा। विकेटकीपर के तौर पर कोना भरत पर ईशान किशन को तरजीह दिये जाने की उम्मीद है जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भी खुद को साबित किया है। विंडसर पार्क पर छह साल बाद टेस्ट मैच होने जा रहा है और इसी प्रारूप में पिछले कुछ साल में कैरेबियाई टीम अच्छा खेल पाई है। ऐसे में यह सोचना मूर्खता होगी कि विश्व कप क्वालीफायर का असर टेस्ट में उनके प्रदर्शन पर पड़ेगा।

उनके पास रोच (261 विकेट) और गैब्रियल (164 विकेट) जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं। गैब्रियल सफेद गेंद का क्रिकेट नहीं खेलते हैं। ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे और विराट कोहली के लिये कैरेबियाई पिचों पर अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन चुनौतीपूर्ण रहेगा। तीनों की अपनी तरह की चुनौतियां होगी। रोहित के लिये 50 ओवरों के विश्व कप में बहुत कुछ दाव पर होगा। उन्हें दो मैचों की श्रृंखला पहले जीतनी होगी और विश्व कप के बाद टेस्ट कैरियर बचाये रखने के लिये बल्ले से भी योगदान देना होगा।

विराट को कुछ बड़ी पारियां खेलनी होगी। आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदों पर उनकी कमजोरी कैरेबियाई गेंदबाज भांप सकते हैं। ऐसे में खराब प्रदर्शन टीम में उनके स्थान पर भी प्रश्नचिन्ह लगा सकता है। कोहली और पुजारा दोनों ने पिछले तीन साल में 30 से कम की औसत से टेस्ट रन बनाये लेकिन पुजारा को बाहर का रास्ता देखना पड़ा।

रहाणे टीम में वापसी कर रहे हैं और उन्हें उपकप्तान भी बनाया गया है। नाकाम रहने की दशा में सबसे पहले बाहर होने वालों में वही होंगे चूंकि रूतुराज गायकवाड़ का दावा भी मजबूत हैं। श्रेयस अय्यर और केएल राहुल भी वापसी करेंगे।

मैनचेस्टर में न भी खेलूं तो कोई गम नहीं : एंडरसन

लंदन, 11 जुलाई। इंग्लैंड के अनुभवी गेंदबाज़ जेम्स एंडरसन ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध मैनचेस्टर में होने वाले चौथे एशेज़ टेस्ट से पहले स्पष्ट कर दिया है कि अगर उन्हें घरेलू मैदान पर खेलने का मौका न भी मिले तो उन्हें इसका कोई मलाल नहीं होगा।

इस महीने के अंत में 41 साल के होने वाले एंडरसन लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेले गये तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड की टीम का हिस्सा नहीं रहे थे। उन्होंने शृंखला के शुरुआती दो मैचों में 75.33 की औसत से सिर्फ तीन विकेट ले सके, जिसके बाद उन्हें एकादश से बाहर रखने का फैसला लिया गया।

यह भले ही मैनचेस्टर में अपने घरेलू मैदान पर खेलने का एंडरसन का संभवतः आखिरी मौका हो, लेकिन वह जानते हैं कि कोच ब्रैंडन मैकुलम और कप्तान बेन स्टोक्स भावनाओं के वेग में बहकर कोई फैसला नहीं लेंगे। एंडरसन ने टेलीग्राफ में अपने स्तंभ में लिखा, "यह एशेज शृंखला है और अगले टेस्ट के लिये चयन में पुरानी यादों की भूमिका होने की बिल्कुल भी संभावना नहीं है। जिमी एंडरसन को (मैनचेस्टर में ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम के) जिमी एंडरसन छोर पर गेंदबाजी करने देना अच्छी कहानी है, लेकिन बेन स्टोक्स या ब्रेंडन मैकुलम के दिमाग में यह विचार नहीं होगा। वे उस विशेष सप्ताह ऑस्ट्रेलिया के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिये सबसे मजबूत टीम चुनेंगे। वे जो भी निर्णय लें, मैं इससे पूरी तरह खुश हूं।"

शुरुआती दो मैचों में एंडरसन के प्रदर्शन को अगर नज़रंदाज़ कर दिया जाये तो स्टोक्स के कप्तानी संभालने के बाद से वह टीम का एक अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने बाज़बॉल काल के 12 मैचों में 21.22 की औसत से 48 विकेट चटकाये हैं। ओल्ड ट्रैफर्ड पर खेले गये 10 टेस्ट मैचों में भी उनकी औसत 22.02 की है। ओली रॉबिन्सन की पीठ में खिंचाव होने के कारण 19 जुलाई से शुरू होने वाले टेस्ट में एंडरसन को मौका मिलने की मज़बूत संभावना है। एंडरसन ने लिखा, "मैं जानता हूं कि मुझे टीम में जगह मिलने की कोई गारंटी नहीं और मैं यह भी समझता हूं कि कोच-कप्तान जीतने वाली टीम के साथ ही उतरना चाहेंगे। टीम चयन मेरे हाथ में नहीं। मैं सिर्फ यह कोशिश करता हूं कि मैं अच्छी स्थिति में रहूं और खेलने के लिये तैयार रहूं।"

उन्होंने लिखा, "जब आप अपने करियर के उस दौर में होते हैं जहां मैं हूं तो आपको नहीं मालूम होता कि आपका आखिरी मैच कौनसा होगा। अगर मैं खेलता हूं तो यह ओल्ड ट्रैफर्ड पर मेरा आखिरी टेस्ट हो सकता है। कौन जानता है? मैं इस बारे में नहीं सोच रहा। मैं बस टीम के साथ जुड़ा रहना चाहता हूं और जीत में योगदान देना चाहता हूं जिससे इंग्लैंड शृंखला में बराबरी कर ले।"

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय

जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर दूरभाष संख्या : 0141-4901853

आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा **आवास संख्या-14/H/390 इंदिरा गांधी नगर, जयपुर,** क्षेत्रफल 128.00 वर्ग मीटर का आवंटन श्री महेश चन्द शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 522 दिनांक 19/4/2011 से जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर, प्रथम में दिनांक 16/6/2011 को करवाया गया।

श्री महेश चन्द शर्मा की मृत्यु दिनांक 1/6/2022 को हो जाने के कारण श्री श्याम सुन्दर शर्मा के द्वारा वसीयत के आधार पर आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, घोषणा पत्र, वसीयत एवं वसीयत में अंकित गवाह श्री जे.पी. श्रीवास्तव का शपथ पत्र एवं स्वप्रमाणित पहचान पत्र एवं द्वितीय गवाह श्री सुरेश चन्द गुप्ता का शपथ पत्र तथा मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रतियां प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने नाम करने का निवेदन किया गया है।

अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध मे किसी भी व्यक्ति/बैंक/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस मे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मे व्यक्तिगत रुप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि मे कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर उक्त आवेदनकर्ता **श्री श्याम सुन्दर शर्मा पुत्र श्री हीरा लाल शर्मा** के पक्ष मे उक्त आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी।

सम्पदा प्रबंधक वृत्त तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

हसरंगा, गार्डनर को आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार

दुबई, 11 जुलाई। श्रीलंका के स्पिनर वानिंदु हसरंगा और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम की ऑलराउंडर एशलेग गार्डनर को जून में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए मंगलवार को आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

जिंबाब्वे में विश्व कप क्वालीफायर में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के बाद हसरंगा को इस पुरस्कार के लिए चुना गया। महिला एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली गार्डनर तीन बार महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाडी का पुरस्कार जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनी। आईसीसी के हॉल ऑफ फेम में जगह बनाने वालों, पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों, मीडिया प्रतिनिधियों और आईसीसी-क्रिकेट.कॉम पर पंजीकृत वैश्विक क्रिकेट प्रशंसकों के विशेषज्ञ पैनल के बीच मतदान के बाद इन दोनों खिलाड़ियों को पुरस्कार के लिए चुना गया। हसरंगा ने पिछले महीने 10 के औसत से 26 विकेट चटकाए। उन्होंने विश्व कप क्वालीफायर में श्रीलंका के पहले मैच में यूएई के खिलाफ छह विकेट चटकाए और फिर ओमान और आयरलैंड के खिलाफ क्रमशः 13 और 79 रन देकर पांच-पांच विकेट हासिल किए। हसरंगा इस दौरान एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में लगातार तीन मैच में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाने वाले पहले गेंदबाज बने। उन्होंने श्रीलंका को पांच अक्टूबर से भारत में शुरू हो रहे आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में अहम भूमिका निभाई। आईसीसी ने विज्ञप्ति में हसरंगा के हवाले से कहा, "यह (पुरस्कार) श्रीलंका क्रिकेट के लिए सही समय पर आया है, हमारे भारत में होने वाले क्रिकेट विश्व कप में जगह बनाने के बाद।

क्वार्टरफाइनल में उलटफेर का शिकार हुईं स्वियातेक

लंदन, 11 जुलाई पोलैंड की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियातेक मंगलवार को विंबलडन 2023 के क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन की एलीना स्वितोलाना के हाथों उलटफेर का शिकार होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गयीं।

पूर्व विश्व नंबर तीन स्वितोलाना ने फॉर्म में लौटने का अंदेशा देते हुए विश्व नंबर एक स्वियातेक को 7-5, 6-7(5), 6-2 से हराकर दूसरी बार विंबलडन सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीन बार फ्रेंच ओपन और एक बार अमेरिकी ओपन जीतने वाली स्वियातेक का यह विंबलडन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह पिछले साल भी इस आयोजन में तीसरे चरण तक ही पहुंच सकी थीं। बीते अक्टूबर अपनी बेटी को जन्म देने के बाद अप्रैल 2023 में कोर्ट पर लौटीं स्वितोलीना पहले सेट में 3-5 से पिछड़ी हुई थीं, लेकिन इसके बाद उन्होंने अगले 18 में से 16 पॉइंट अपने हित में किये। इससे मैच का रुख यूक्रेनी खिलाड़ी की ओर पलट गया। स्वियातेक ने भले ही दूसरा सेट टाइब्रेक में जीता, लेकिन स्वितोलीना ने तीसरे सेट में 4-2 की तीव्र बढ़त लेने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। स्वितोलीना 2019 के बाद पहली बार विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंची हैं, जहां उनका सामना चेक गणराज्य की मार्केटा वोंद्रोसोवा से होगा। वोंद्रोसोवा अपने क्वार्टरफाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को 6-4, 2-6, 6-4 से हराकर आ रही हैं।

प्रो पंजा लीग में हिस्सा लेंगे 180 खिलाड़ी

नयी दिल्ली, 11 जुलाई। प्रो पंजा लीग (पीपीएल) ने मंगलवार को पहले सीज़न में हिस्सा लेने वाले 180 खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की। राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी स्टेडियम में 28 जुलाई से 13 अगस्त बीच होने वाले इस आयोजन के लिये खिलाड़ियों को किराक हैदराबाद, मुंबई मसल, रोहतक राउडीज, लुधियाना लायंस, बड़ौदा बादशाह्स और कोच्चि केडीज सहित छह टीमों में बांटा गया है।

आठ बार के राष्ट्रीय पंजा चैंपियन राहुल पणिक्कर (70 किग्रा) रोहतक की फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं। राष्ट्रीय गोल्ड मेडलिस्ट संजय देसवाल (100 किग्रा) इस फ्रेंचाइजी में उनके साथ हैं। पीपीएल के पहले रैंकिंग टूर्नामेंट के 90 किग्रा वर्ग के विजेता सिद्धार्थ मालाकार किराक हैदराबाद में शामिल हुए हैं। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन मोहसिन शेख (60 किग्रा) और पंजाब के हरमन मान (90 किग्रा) को बड़ौदा बादशाह्ज़ ने अपनी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाया है। महाराष्ट्र के तौहीद शेख (90 किग्रा) लुधियाना लायंस के अठाणी खिलाड़ी हैं। पंजाब राज्य चैंपियन शिवम राजपूत 100 किग्रा भार वर्ग में उनका साथ देंगे। कोच्चि केडीज ने आकाश कुमार (70 किग्रा) पर भरोसा जताया है, जबकि काइल कमिंग्स (90 किग्रा) मुंबई मसल के अठाणी खिलाड़ी हैं। प्रत्येक टीम में कुल 30 खिलाड़ी हैं जो अलग-अलग भार वर्गों में अपनी फ्रेंचाइजी के लिये अंक बटोरने का प्रयास करेंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत तैज्या का बास समिति सांभरलेक जिला जयपुर (राज.)

क्रमांक- तैज्या का बास/निविदा/लेखा/2023-24/30 दिनांक-06.07.2023

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2023-24/30

पंचायत समिति सांभरलेक के अधीनस्थ ग्राम पंचायत तैज्या का बास के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एवं पंचायतीराज की अन्य समस्त योजनाओं में कराये जाने वाले कार्यो के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए निर्माण सामग्री एवं उपकरणों की आपूर्ति हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के अनुसार राजस्थान पंचायतीराज नियम 1996 के नियमों के तहत वाणिज्यिक कर विभाग में पंजीकृत ऐसे विनिर्माताओं, विक्रेताओं, आपूर्तिकर्ताओं जो किसी भी राजकीय संस्थान/उपक्रमों से बोली लगाने से विवर्जित/ब्लेक लिस्टेड नहीं है, से ई-टेन्डरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा में जमा कराये जाने योग्य शुल्कों की राशि व जमा करवाने का माध्यम एवं अन्य शर्ते एवं निविदा में सम्पादित करवाये जाने वाले कार्यो की राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण पंचायत समिति/ग्राम पंचायत कार्यालय समय में एवं उपापन पोर्टल (www.sppp.rajasthan.gov.in) एवं (www.eproc.rajasthan.gov.in) पर अवलोकन की जा सकती है।

UBIN NO. 2023_PRD_349906_1, TENDER ID-ZJP2324GLOB01022

सरपंच
ग्राम पंचायत/तैज्या का बास
पं.स. सांभरलेक जिला जयपुर

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत/तैज्या का बास
पंचायत समिति सांभरलेक

चौथे टेस्ट के लिये इंग्लैंड टीम में कोई बदलाव नहीं

मैनचेस्टर, 11 जुलाई। इंग्लैंड ने ओल्ड ट्रैफर्ड में ऑस्ट्रेलिया खिलाफ होने वाले चौथे एशेज़ टेस्ट से पहले अपनी 14-सदस्यीय स्क्वाड में कोई बदलाव नहीं किया है। पांच मैचों की शृंखला में 2-0 से पिछड़ने के बाद मेजबान टीम ने लीड्स में रोमांचक जीत के साथ एक बार फिर वापसी की। चौथे टेस्ट के लिये 19 जुलाई को मैदान पर उतरते हुए बेन स्टोक्स की टीम हार टालकर शृंखला को जीवंत रखने की कोशिश करेगी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की ओर से जारी सूची में जॉनी बेयरस्टो टीम के एकमात्र विकेटकीपर बने हुए हैं। तीसरे टेस्ट में एकादश से बाहर रहे जेम्स एंडरसन 14-सदस्यीय स्क्वाड में बरकरार हैं, हालांकि मार्क वुड और क्रिस वोक्स के शानदार प्रदर्शन के बाद ओल्ड ट्रैफर्ड में उनका खेलना सुनिश्चित नहीं है।

हरमनप्रीत की आईसीसी महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी

दुबई, 11 जुलाई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में अच्छे प्रदर्शन की बदौलत मंगलवार को जारी नवीनतम आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी की।

हरमनप्रीत ने 115 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 35 गेंद में नाबाद 54 रन की पारी खेली जिससे वह चार स्थान के फायदे से 10वें स्थान पर पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की ताहलिया मैकग्रा 784 अंक के साथ शीर्ष पर चल रही हैं जबकि उनके बाद टीम की उनकी साथी बेथ मूनी (777) का नंबर आता है। स्मृति मंधाना (728), सोफी डिवाइन (683) और सूजी बेट्स (677) शीर्ष पांच में शामिल अन्य खिलाड़ी हैं। बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में किफायती गेंदबाजी करने वाली दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की सूची में 733 अंक के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था लेकिन दीप्ति ने अपने स्पैल में सिर्फ 14 रन दिए थे। नोनकुलुलेको मलाबा (746) शीर्ष पर चल रही हैं जबकि सोफी एक्लेस्टोन (788) दूसरे स्थान पर हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो मैच 44 और 52 रन की पारी खेलने वाली न्यूजीलैंड की स्टार बल्लेबाज सूजी बेट्स तीन स्थान के फायदे से बल्लेबाजी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर हैं। आयरलैंड के खिलाफ गेंद और बल्ले से अच्छे प्रदर्शन के लिए श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज पांच स्थान के फायदे से बल्लेबाजों की सूची में 17वें स्थान पर पहुंच गई है। श्रृंखला में 37, 50 और 48 रन की पारी खेलने के अलावा आठ विकेट चटकाने वाली मैथ्यूज गेंदबाजों की सूची में तीन स्थान के फायदे से सातवें पायदान पर हैं। उन्होंने ऑलराउंडर की सूची में भी करियर के सर्वश्रेष्ठ 422 अंक जुटाए हैं लेकिन दूसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की एशलेग गार्डनर 435 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर एमेलिया केर बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान के फायदे से 15वें जबकि गेंदबाजों की सूची में तीन स्थान के फायदे से 11वें स्थान पर हैं। वह ऑलराउंडर की सूची में भी एक स्थान आगे बढ़कर तीसरे पायदान पर हैं। बल्लेबाजों की सूची में इंग्लैंड की डेनी वाट (तीन स्थान के फायदे से 14वें स्थान पर) और ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एलिस पैरी (छह स्थान के फायदे से 25वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ है।

कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं पदेन बीआरसीएफ, श्रीमाधोपुर

क्रमांक- समग्र शिक्षा/शि.प्रशि/लेखा/2023/77 दिनांक-11.07.2023

निविदा सूचना

श्रीमान राज्य परियोजना निदेशक राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर के पत्र क्रमांक-स.स्कू.शि.प./जय/प्रशिक्षण/एफ-24-01798/2023-24/2211 दिनांक 28.06.2023 एवं जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा सीकर के आदेश क्रमांक-जिपस/सीकर/प्रशिक्षण/2023-24/2488 दिनांक 07.07.2023 के अनुसार सत्र 2023-24 में कक्षा 1 से 5 में अध्ययन कराने वाले शिक्षकों की क्षमता संवर्धन हेतु प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 17.07.2023 से 07.08.2023 तक किया जाना है। इस हेतु इच्छुक सम्बन्धित रजिस्टर्ड फर्म से मोहरबन्द निविदाए आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार है-

NIB-RSE2324A0464, UBN-RSE2324SSOB00891

राशि रूपए में

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य/सेवा का विवरण	अनुमानित राशि	निविदा शुल्क	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की दिनांक	निविदा प्रपत्र जमा कराने की दिनांक
1	(01)	गैर आवासीय शिविर में अल्पाहार, भोजन, चाय	500000	200	7000	12.07.2023 से 13.07.2023 दोपहर 1.00 बजे तक	14.07.2023 दोपहर 12.00 बजे तक
2	(02)	बैठक, एवं टेन्ट व्यवस्था पानी व्यवस्था	200000	200	3000	12.07.2023 से 13.07.2023 दोपहर 1.00 बजे तक	14.07.2023 दोपहर 12.00 बजे तव
3	(03)	पैन, डायरी, टी.एल.एम. स्टेशनरी, बैनर	1.50 लाख	200 रू.	2000 रू.	12.07.2023 से 13.07.2023 दोपहर 1.00 बजे तक	14.07.2023 दोपहर 12.00 बजे तक

निविदा प्रपत्र दिनांक 12.07.2023 से 13.07.2023 दोपहर 1.00 बजे तक कार्यालय समय में प्राप्त कर सकते है। सीलबन्द निविदाएं दिनांक 14.07.2023 दोपहर 12.00 बजे तक जमा की जा सकती है। प्राप्त सीलबन्द निविदाऐं दिनांक 14.07.2023 को बाद दोपहर 3.00 बजे गठित कमेटी के द्वारा उपस्थित निविदादाताओं/उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। समस्त प्रकार के निविदा शुल्क/धरोहर राशि B.E.E.O. SSA श्रीमाधोपुर के पक्ष में डी.डी./चैक द्वारा देय होगी। पोर्टल से डाउनलोड की गई निविदा के साथ पृथक से निविदा शुल्क का डी.डी./चैक संलग्न करना अनिवार्य होगा। निविदा शुल्क/धरोहर राशि के अभाव में निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी। सशर्त निविदाए स्वीकार नहीं की जायेगी। किसी भी निविदा का बिना बताये रद्द करने का अधिकार उपापन समिति के पास सुरक्षित होगा। निविदा सूचना sppp.rajasthan.gov.in पर देखी या प्राप्त की जा सकती है। निविदा की विस्तृत जानकारी एवं निविदा फार्म कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
एवं पदेन बीआरसीएफ, समग्र शिक्षा अभियान श्रीमाधोपुर

दूसरा टी20 जीतकर भारत ने शृंखला में बनायी अजेय बढ़त

ढाका, 11 जुलाई। भारत ने दीप्ति शर्मा (12/3), मिन्नू मणि (9/2) और शेफाली वर्मा (15/3) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत मंगलवार को रोमांच से भरे दूसरे महिला टी20 में बंगलादेश को आठ रन से हराकर तीन मैचों की शृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। बल्लेबाजों की असफलता के कारण भारत 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 95 रन ही बना सका, लेकिन गेंदबाजों ने बंगलादेश को 20 ओवर में 87 रन पर ऑलआउट कर दिया। गेंदबाजों की अगुवाई दीप्ति ने की जिन्होंने चार ओवर में 12 रन देते हुए तीन विकेट लिये, जिसमें बंगलादेश के लिये सर्वाधिक रन बनाने वाली कप्तान निगार सुल्ताना (38) का विकेट भी शामिल रहा। अपना दूसरा टी20 खेल रहीं मिन्नू ने चार ओवर में नौ रन देकर दो विकेट लिये, जबकि बरेड्डी अनुषाने चार ओवर में 20 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

बंगलादेश को आखिरी ओवर में 10 रन की दरकार थी। शेफाली ने इस ओवर में मात्र एक रन देते हुए तीन विकेट चटकाये, जबकि चौथा विकेट रनआउट के रूप में गिरा और बंगलादेश 87 रन पर ऑलआउट हो गयी।

बंगलादेश के सामने मात्र 96 रन का लक्ष्य रखने के बाद भारत की जीत का दारोमदार गेंदबाजों के ऊपर था। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पूजा वस्त्राकर के पहले ओवर में बंगलादेश ने शमीमा सुल्ताना एवं साथी रानी के एक-एक चौके की मदद से 10 रन बटोर लिये।

इसके बाद स्पिनरों ने भारत के लिये मोर्चा संभाला। मिन्नू ने दूसरा ओवर मेडेन फेंकते हुए सुल्ताना का विकेट निकाला, जबकि दीप्ति ने तीसरे ओवर में तीन रन देकर रानी को आउट किया। बरेड्डी ने पावरप्ले के फौरन बाद मुर्शिदा खातून (चार) का विकेट निकाला, जबकि मिन्नू ने ऋतु मोनी को पगबाधा आउट कर बंगलादेश का स्कोर आठ ओवर में 31/4 कर दिया।

लगातार गिरते विकेटों के बीच कप्तान सुल्ताना ने बंगलादेश की पारी को संभाला। उन्होंने शोर्ना अख्तर के साथ पांचवें विकेट के लिये 34 रन जोड़े। शोर्ना 17 गेंद पर सात रन बनाकर आउट हो गयीं, हालांकि सुल्ताना ने मैच को अंत तक ले जाने का पूरा प्रयास किया। बंगलादेश को जब 13 गेंद पर 15 रन चाहिये थे, तब हरलीन देओल ने जेमिमा रॉड्रिग्स की गेंद पर उनका कैच गिरा दिया। एक समय पर ऐसा लगा कि बंगलादेश यह मुकाबला जीत जायेगी, लेकिन दीप्ति ने 19वें ओवर में मात्र चार रन देते हुए सुल्ताना को आउट किया। सुल्ताना ने 55 गेंद पर 38 रन बनाये और उनका विकेट गिरते ही भारत की जीत लगभग सुनिश्चित हो गयी। आखिरी ओवर में नये बल्लेबाजों के लिये 10 रन बनाना आसान नहीं था। राबिया खान पहली ही गेंद पर रनआउट हो गयीं, जबकि नाहिदा अख्तर, फहीमा खातून और मारूफा अख्तर ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में अपने विकेट गंवाये।

इससे पूर्व, भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन शेर-ए-बंगला स्टेडियम की धीमी पिच पर कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। शेफाली ने 14 गेंद पर चार चौकों की सहायता से भारत के लिये सर्वाधिक 19 रन बनाये, जबकि अमनजोत कौर ने 17 गेंद पर 14 रन की पारी खेली। स्मृति मंधाना ने 13 रन जबकि दीप्ति ने 10 रन का योगदान दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित भारत के पांच बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। वस्त्राकर (तीन गेंदें, एक चौका, सात रन) और मिन्नू (तीन गेंदें, एक चौका, पांच रन) ने नाबाद रहकर भारत को 95/8 के स्कोर तक पहुंचाया। बंगलादेश की ओर से सुल्ताना खातून ने सर्वाधिक तीन विकेट लिये, जबकि फहीमा ने एक विकेट चटकाया। मारूफा, नाहिता और राबिया को एक-एक सफलता हाथ लगी।

पूरी आजादी के साथ खेलें जायसवाल : रहाणे

डोमिनिका, 11 जुलाई। भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान अजिंक्य रहाणे चाहते हैं कि अगर युवा प्रतिभा यशस्वी जायसवाल वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में पदार्पण करें, तो वह पूरी आज़ादी के साथ खेलें।

रहाणे ने पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, सबसे पहले, मैं उसके लिये खुश हूं। उसने मुंबई के लिये घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया, आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन किया। वह लाल गेंद क्रिकेट में जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है वह सबसे महत्वपूर्ण है। उसने पिछले साल दलीप ट्रॉफी में भी अच्छा प्रदर्शन किया था।"

रहाणे ने कहा, मेरा उन्हें संदेश सिर्फ यही होगा कि वह उसी तरह बल्लेबाजी करे जिस तरह से अब तक करता आया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और अन्य चीजों के बारे में बहुत ज्यादा न सोचे और खुलकर खेले। मुझे लगता है कि उसे मैदान पर जाकर अपना खेल खेलने की ज़रूरत है। यह बहुत महत्वपूर्ण है। मैं उसके लिये बेहद खुश हूं।" भारतीय टीम 2023-25 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अभियान की शुरुआत करते हुए बुधवार से शुरू होने वाले मुकाबले में कैरिबियाई टीम का सामना करेगी। नंबर तीन के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा के बाहर होने के बाद जायसवाल का पदार्पण करना लगभग तय है। जायसवाल ने अब तक 26 प्रथम श्रेणी पारियों में 80 से अधिक की औसत से रन बनाये हैं और उन्होंने पिछले साल दलीप ट्रॉफी फाइनल में 265 रन की शानदार पारी भी खेली थी। राजस्थान रॉयल्स के लिये खेलने वाले जायसवाल ने इस साल आईपीएल में 48 की औसत और 163.61 के स्ट्राइक रेट से 625 रन भी बनाये।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

IDFC FIRST Bank

(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

CIN : L65110TN2014PLC097792

पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031

फोन- +91 44 4564 4000 I फैक्स- +91 44 4564 4022

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तों की पालना नहीं की है और अनियमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वर्गीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशियां उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूची में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्र. सं.	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की राशि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पति का पता
1.	20378207 और 29695881	गृह ऋण	1. मो. सलीम 2. साना बानो	10.06.2023	36,35,545.68/-	प्लाट नं. 66 के पूर्वी हिस्से का पूरा व प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल 128.88 वर्गगज अर्थात 107.76 वर्ग मीटर्स, नारायणपुरी-बी, उद्योग नगर के पास, निवारू रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान-302012, और सीमाये है-पूर्व- प्लाट नं. 67, पश्चिम-प्लाट नं. 66 का बचा हुआ हिस्सा, उत्तर-रोड 30 फिट, दक्षिण-प्लाट नं. 65
2.	13846483	गृह ऋण	1. परमजीत सिंह 2. सुरजीत कौर	22.05.2023	9,24,310.85/-	प्लाट नं. 287, स्कीम गोकुल गार्डन सिटी, किशोरपुरा, पनवालिया, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान-302029 का पूरा व प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल 134.44 वर्गगज, सीमाये निम्न है-पूर्व-प्लाट नं. 268, पश्चिम-प्लाट नं. 266, उत्तर-रोड 30 फिट, दक्षिण-प्लाट नं. 286

आपको एतद् द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूची में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चो, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पड़ेगा / इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री / लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिए प्रतिबंधित है।

ह./-

दिनांक : 12-07-2023
स्थान : जयपुर

प्राधिकृत अधिकारी,
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो पर 28% जी.एस.टी. लगेगी

नई दिल्ली, 11 जुलाई (वार्ता)। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जी.एस.टी.) परिषद ने चार वस्तुओं पर जी.एस.टी.को कम करने के साथ ही कैंसर के लिए उपयोगी दवायें एवं खाने की वस्तुओं एवं निजी कंपनियों द्वारा उपग्रह प्रक्षेपण सेवाओं को भी जी.एस.टी. से मुक्त कर दिया है जबकि कसिनो, हॉर्स रेस के साथ ही ऑनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत जी.एस.टी. लगा दिया है।

- **वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जी.एस.टी. काउन्सिल की 50वीं बैठक के बाद यह जानकारी दी**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने परिषद की 50वीं बैठक के बाद यहां संवाददाता सम्मेलन में ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अनकुक्ड और अनफ्रायड स्नैक्स पर जी.एस.टी. को 18 प्रतिशत से कम कर 5 प्रतिशत किया गया है। इसी तरह से फिश सॉल्युब्ल पेस्ट पर भी जी.एस.टी. को 18 प्रतिशत से पांच प्रतिशत कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने ई.डी के निदेशक के एक्सटैंशन पर रोक लगाई

सुप्रीम कोर्ट ने निदेशक संजय मिश्रा को केवल 31 जुलाई तक पद पर बने रहने की अनुमति दी है

नई दिल्ली, 11 जुलाई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) के निदेशक संजय मिश्रा का कार्यकाल विस्तार रद्द कर दिया, लेकिन 31 जुलाई 2023 तक उनके वर्तमान पद पर बने रहने की अनुमति दे दी।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने शीर्ष अदालत के 2021 के एक फैसले (डॉ. जया ठाकुर बनाम भारत सरकार एवं अन्य) का उल्लंघन बताते हुए मिश्रा के कार्यकाल विस्तार को रद्द करने का फैसला सुनाया।

शीर्ष अदालत ने 2021 में एक परमादेश जारी कर मिश्रा को नवंबर 2021 से आगे बतौर निदेशक कार्यकाल विस्तार देने पर रोक लगायी थी। इसी फैसले को आधार बनाते हुए शीर्ष अदालत ने उनके कार्यकाल विस्तार पर रोक लगाई।

- **सुप्रीम कोर्ट ने एन.जी.ओ. ''कॉमन कॉज़'' एवं अन्य की याचिका सुनवाई पूरी होने के बाद अपना फैसला सुनाया।**

न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली इस तीन सदस्य पीठ ने विधायिका द्वारा केंद्रीय सतर्कता आयोग (सी.वी.सी.) अधिनियम में किए गए संशोधनों को कानून सम्मत बताते हुए बरकरार रखा। संशोधनों के बाद केंद्र सरकार को ई.डी. निदेशक का कार्यकाल पांच साल तक बढ़ाने का अधिकार है। शीर्ष अदालत ने स्वयंसेवी संस्था कॉमन कॉज एवं अन्य की याचिका सुनवाई पूरी होने के बाद अपना फैसला सुनाया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ई.डी. निदेशक के कार्यकाल विस्तार पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर हमलावर विपक्ष पर पलटवार किया है। शाह ने मंगलवार शाम को ट्वीट करके कहा कि ई.डी. के मामले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर खुशी मनाने वाले कई कारणों से भ्रमित हैं। दरअसल, कांग्रेस ने ई.डी. प्रमुख संजय कुमार मिश्रा के तीसरे सेवा विस्तार को अवैध करार देने के बाद कहा कि यह सरकार के मुंह पर तमाचा है। पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने आरोप भी लगाया कि सरकार का यही मकसद था कि, ई.डी. निदेशक को गैरकानूनी तरीकों से सर्विस विस्तार दिया जाए। अमित शाह ने कांग्रेस नेताओं के इस तरह के बयानों का जवाब दिया है। शाह ने एक तरीके से विपक्ष को याद दिलाते हुए कहा कि,

1-सी.वी.सी. अधिनियम में जो संशोधन संसद की ओर से विधिवत पारित किया गया था, उसे बरकरार रखा गया है।

2. भ्रष्ट और कानून के गलत पक्ष के साथ खड़े होने वालों पर कार्रवाई करने की ई.डी. की शक्तियां पहले की तरह ही रहेंगी।

3. ई.डी. एक ऐसी संस्था है जो किसी एक व्यक्ति से ऊपर है और इसका फोकस अपने मुख्य उद्देश्य पर है। जैसे कि मनी लॉन्ड्रिंग के अपराधों और विदेशी मुद्रा कानूनों के उल्लंघन की जांच करना है।

बैंगलुरु में पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकर एयरोनिक्स ऑफिस के अंदर घुसा। वहां पर उसने फणीन्द्र सुब्रमण्या और वीनू कुमार की हत्या की और वहां से फरार हो गया।

घटना के बाद ऑफिस के अंदर कोहराम मच गया। आनन-फानन में फणीन्द्र सुब्रमण्या और वीनू को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी। घटना अमृताहल्ली के पंपा एक्सटैंशन में स्थित ऑफिस में हुई। घटना के तत्काल बाद अमृताहल्ली पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके अलावा डॉग स्क्वॉड और फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट भी घटनास्थल पर पहुंचे और सबूत जुटाने शुरू कर दिए। मृतकों का शव मणिपाल अस्पताल भेजा गया है। वहीं, नॉर्थ ईस्ट बेंगलुरु के डी.सी.पी. लक्ष्मी प्रसाद ने कहा कि आरोपी फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है और जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्कूली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर चाकू, पत्थर और ज्वलनशील पदार्थ फेंकने का मामला सामने आया है। ज्वलनशील पदार्थ से 4 छात्राएं झुलस गई। छात्राओं को महुआ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्राथमिक उपचार कर मांडलगढ़ रैफर किया गया। महुआ के महात्मा गांधी विद्यालय की प्रिंसिपल विमला देवी ने बताया कि स्कूल में कक्षा 6 में बालिकाएं पढ़ रही थी। इस दौरान कमरे की खिड़की में से शरारती तत्वों ने पहले चाकू व पत्थर फैंके। थोड़ी देर बाद ज्वलनशील पदार्थ फैंका। इस घटना में साक्षी कंवर, निशा जैन, गुंजन कंवर व क्षमा जैन झुलस गई। घटना की सूचना पर छात्राओं के अभिभावक स्कूल पहुँचे व हंगामा करने लगे। मांडलगढ़ अस्पताल में चारों छात्राओं को चिकित्सकों ने भर्ती कर उपचार शुरू किया। घटना की सूचना पर माण्डलगढ़ से उपखण्ड अधिकारी महेश गगोरिया, पुलिस उप अधीक्षक कीर्ति सिंह, थाना प्रभारी मनोज जाट मौक़े पर पहुँचे। बताया जा रहा है कि स्कूल के कमरे की खिड़की की तरफ कुछ गाडोलिया लुहार परिवारों ने अतिक्रमण कर रखा हैं। शरारती लड़के आए दिन यहां उत्पात मचाते रहते हैं। मांडलगढ़ थाना प्रभारी मनोज जाट ने बताया कि घटना की जांच की जा रही हैं। भीलवाड़ा व कोटा से आई एफ.एस.एल. टीम ने मौक़े से तरल पदार्थ के सैम्पल लिए हैं।

''अमृत काल'' ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकर चुनाव में उतरी थी। राहुल गांधी एवं कांग्रेस के ''मुहब्बत की दुकान'' नारे पर फोकस के चलते, भाजपा के थिंकटैंक को 2004 की स्थिति की संभावित पुनरावृत्ति की आशंका हो गई है। इस सम्बंध में भाजपा की चिन्ताएं हाल ही में पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के बयान में नजर आईं, जिन्होंने राहुल पर ''मुहब्बत की दुकान न चलाने'' का आरोप लगाया। भाजपा के कुछ लोग ऐसा महसूस करते हैं कि नड्डा का बयान अनावश्यक था, क्योंकि इस बयान से कांग्रेस के इस नारे का महत्व एवं प्रभाव को जनता के स्मृति-पटल पर ला दिया। भारत जोड़ो यात्रा के सम्पन्न होने के बाद, राहुल गांधी ''आम जनता के व्यक्ति'' के रुप में देखे जाने लगे हैं। और अब तो वे हरियाणा में किसानों के साथ धान की फसल को रोपते हुये और दिखाई दे गये हैं। कभी वे दिल्ली के मोटर साइकल मैकेनिकों के इस काम एवं धंधे की बारीकियां सीखते भी नजर आयें हैं। जहाँ ''अमृत काल'' शब्द युग्म यह संदेश देता है कि देश के विकास का लक्ष्य प्राप्त हो चुका है, वहीं ''कर्तव्य काल'' की शब्दावली यह धीर गंभीर संदेश देती प्रतीत होती है कि देश के विकास के लिये देशवासियों को काम करने की जरुरत है जिससे देश 2047 में वर्ल्ड ली डर के रुप में उभर कर आ सके।

रोचक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अच्छी खासी मात्रा एवं अनुपात में धन कमाया है।

मंत्रीगण एक-दूसरे के साथ नियमित रूप से कहीं ज्यादा समय ताश जैसे खेलों में गुजारते रहते हैं तथा उनके पास मंत्रालय के कार्यों, यहाँ तक कि अपने दफ्तर में बैठने के लिये भी समय प्रायः नहीं होता है। उन्होंने सामूहिक रूप से ऐसे इलाकों में बड़ी-बड़ी जमीनें खरीद रखी हैं, जो जिले बनाये जाने वाले थे, जिससे कि उन जमीनों की कीमतें अनाप-शनाप बढ़ जायें और उनकी मोटी कमाई हो जाये।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''कर्नाटक में भाजपा सरकार की जो छवि थी, राजस्थान में गहलोत सरकार की छवि भी वैसी ही या उससे बदतर ही है।

दिलचस्प बात यह है कि राज्य में फैले इस जबरदस्त एवं खुले भ्रष्टाचार के बावजूद, भाजपा इसे मुद्दे के रूप में उठाकर, जनता तक क्यों नहीं ले जा रही है। दोनों ही पक्षों में यह पारस्परिक समझबूझ बन चुकी है कि विधानसभा में हमारी कलई मत खोलिये, हम लोकसभा सीटें जीतने में आपकी पूरी मदद करेंगे।

गोल्डमैन सैक्स ने फिर अपनी आर्थिक भविष्यवाणी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विकास के रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए सब कुछ होते हुए भी देश गिरावट के चंगुल में फंस गया।

अपने साम्राज्यवाद के सपने को पूरा करने और आधी दुनिया पास में होने के बावजूद छोटे-छोटे देशों पर कब्जा करने के प्रयास में रूस ने विनाश का मार्ग अपना लिया। आज की वास्तविकता के विपरीत उनके पास सब कुछ था, मानव शक्ति, अपार संसाधन, जो किसी बड़ी अर्थव्यवस्था से ज्यादा थे। लेकिन फिर भी उसके राजनैतिक नेतृत्व ने उसे संकट में डाल दिया।

अगले स्थान पर चीन है पिछले लगभग साढ़े तीन दशक से उसकी उपलब्धियां उल्लेखनीय रही है। कोई देश अपनी विशाल गरीब जनसंख्या को इतना ऊपर नहीं उठा सका जितना विकास चीन ने किया।

चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को एक गलत राजनैतिक प्रचार- ''माओत्से तुंग की सांस्कृतिक क्रांति'' से ऊपर उठाया जब जनता भूख और मौत के भीषण तांडव से त्रस्त हो चुकी थी। पुराने दमनकारी शासन के विपरीत उदार नीतियों से देंग सिआओ पिंग ने देश की सूरत ही बदल दी।

आज उदारीकरण के चालीस वर्ष बाद चीन विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अनुमान है कि 80 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं और आज दुनिया की कोई कंपनी चीन के बाजार के आकार को देखते हुए उसकी अनदेखी नहीं कर सकती।

आमूलचूल आर्थिक सुधारों के अलावा देंग ने राजनैतिक एवं संस्थागत सुधार भी किए जिनमें प्रमुख था, अधिकारवादी नियंत्रण से संस्थागत शासन की ओर मुड़ना। देंग पहले देख चुके थे कि कैसे अधिनायकवाद ने देश को बर्बाद कर दिया।

देंग ने शीर्ष पर सामूहिक शासन आरंभ किया ताकि एकाधिकार खत्म हो सके और सामूहिक निर्णय हो सके।

इसके साथ ही देंग ने शीर्षस्थ स्तर पर निर्धारित कार्यकाल का नियम लागू किया जिसके अनुसार चीन के राष्ट्रपति के 5-5 साल के दो कार्यकाल ही हो सकते थे।

चीन के वर्तमान नेता और राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने यह नियम समाप्त कर अपना कार्यकाल आजीवन कर लिया है। उन्होंने खुद को चाटुकारों से घेर लिया है ताकि उनकी गलती पर कोई अंगुली नहीं उठाए।

चीन और रूस में विचित्र समानताएं हैं और दोनों के प्रमुख एक से रास्ते पर चल रहे है। दोनों ने हर तरीके से आजीवन सत्ता की व्यवस्था कर ली है और संस्थागत ढांचे को नष्ट कर दिया है।

इससे बढ़कर दोनों ही पुराने गौरव और सामंतवादी सपनों में डूबे हैं। रूस के नेता तो पीटर द ग्रेट की तरह पूर्वी यूरोप में विशाल साम्राज्य का सपना देख रहे हैं।

चीन का तानाशाह हमेशा चीन के गौरव और नियमों को प्रसारित करने की बात करता है।

शी के अनुसार चीन की सीमा उसके ऐतिहासिक साम्राज्य से आगे जापान, कोरिया और पूरे दक्षिण पूर्व एशिया तक फैली है और दक्षिण चीन सागर को चीन अपनी सीमा में बता रहा है।

शी की महत्वाकांक्षा वहीं समाप्त नहीं हुई, वह भारत के भी कई भागों पर दावा करता है। शी रूस से मुकाबला करते हैं, जो कज़ाकिस्तान, तुर्कमेकिस्तान और सोवियत गणराज्य के अन्य देशों पर अपना प्रभुत्व मानता है।

यूक्रेन हमले से पूर्व रूस और चीन ने स्वयं को श्रेष्ठ मित्र घोषित किया लेकिन अब दोनों में तलवारें खिंच सकती हैं। रूस, चीन से लगे उत्तर पूर्वी एशियाई देशों पर कब्जा चाहता है जबकि चीन व्लादीवोस्तोक को अपना बताता है।

चीन अपने सभी 14 पड़ोसियों से सीमा के झगड़े आरंभ कर चुका है। इसकी सबसे लम्बी अंतर्राष्ट्रीय सीमा है, करीब 24 हजार किलोमीटर और वह दुनिया के समुद्रों पर भी दावा करता है।

चीन का हश्र भी उसके श्रेष्ठ मित्र रूस जैसा होने वाला है उसकी विशाल अर्थव्यवस्था बिखर रही है। तकनीकी उद्यम भी नष्ट हो रहे हैं। वह विदेशी निवेशकों को कम्युनिस्ट पार्टी के नियमों में बांधना चाहता है।

2075 में भारत पहले या दूसरे स्थान पर होगा और अमेरिका उसके नज़दीक आने का प्रयास करेगा।

इस साल के आर्थिक परिणाम कोविड से पहले वाली स्थिति का संकेत दे रहे है। अगर कोविड नहीं होता तो हम और ऊर पहुंचते।

उम्मीद है गोल्डमैन सैक्स का पूर्वानुमान सही सिद्ध होगा।

खेतड़ी ट्रस्ट को ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विकास महाजन की खंडपीठ ने यह आदेश खेतड़ी ट्रस्ट की अपील पर दिए। ट्रस्ट की ओर से कहा गया है कि खंडपीठ ने आदेश में स्पष्ट किया कि एकलपीठ ने मामले में गलत फैसला दिया था, क्योंकि वर्ष 1985 में वसीयत जमा कराने के दौरान एक गवाह ने तीस हजारी कोर्ट के रजिस्ट्रार के समक्ष ही राजा राय बहादुर सिंह की पहचान की थी।

मामले के अनुसार राजा राय बहादुर सरदार सिंह खेतड़ी के 11वें शासक थे। उन्होंने विदेश में पढ़ाई की और राज्य सभा सांसद सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर रहे। वे लाओस में भारत के राजदूत भी थे। सरदार सिंह की वर्ष 1987 में मृत्यु होने के साथ ही उनकी वसीयत का विवाद शुरू हुआ। वहीं राजस्थान सरकार ने भी उनके कोई संतान नहीं होने के चलते उनकी संपत्तियों को लावारिस मानते हुए राजस्थान एस्चीट्स रेगुलेशन एक्ट,1956 के तहत कब्जा ले लिया। इन संपत्तियों पर कब्जा कर सार संभाल के लिए रिसीवर भी नियुक्त कर दिया। खेतड़ी ट्रस्ट का दावा है कि सरदार सिंह ने 1985 में वसीयत की थी। इसमें शिक्षा अनुसंधान कार्यों के लिए सारी प्रॉपर्टी को ट्रस्ट के पक्ष में देने के लिए कहा था। हालांकि दिल्ली हाईकोर्ट ने 2012 में ट्रस्ट के खिलाफ फैसला देते हुए वसीयत नामे की कानूनी वैधता पर सवाल उठाए थे।

शरद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के घोटाले के आरोप हैं जिनमें महाराष्ट्र कोऑपरेटिव बैंक घोटाला, सिंचाई घोटाला और अवैध खनन घोटाला शामिल है।

2016 में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि गुजरात की राजनीति के आरंभिक दिनों में शरद पवार ने उनका हाथ थामा था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908